फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 321 प्रभात जयपुर, सोमवार 23 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

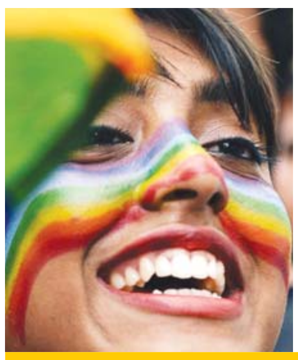

Meet Your June Pride...

The Stonewall Inn, a gay bar in New York City's Greenwich Village, was a frequent target of police raids due to laws criminalizing homosexual behaviour

Agra's Leather Industry Has Roots in Hing!

To preserve its strong aroma, hing was transported in animal bladders and hides.

युद्ध आरंभ करना आसान है: पर उस पर नियंत्रण रखना और अपने मन मुताबिक सुनियोजित तरीके से बढ़ाना संभव नहीं है

सवाल यह उठ रहा है कि ईरान के पास न्यूक्लियर सुविधा होना तो बर्दाश्त नहीं हो रहा, पर, पाकिस्तान बार-बार उसके पास न्यूक्लियर हथियार होने की धमकी दे रहा है, उसका क्या?

-अंजन रॉय-
-ऑटवा (कैनडा) से-

ऑटवा, 22 जून। ईरान में परमाणु संवर्धन (न्यूक्लियर एनरिचमैंट) स्थलों पर अमेरिका के हमलों ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारी धमाका किया है।

युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन उसे अपनी योजना के अनुसार नियंत्रित और सीमित करना मुश्किल होता है। ईरान पर सीधा हमला कई सैन्य और कूटनीतिक विस्फोटों की श्रृंखला को जन्म देगा।

भारत के लिए तात्कालिक सवाल यह उठता है कि यदि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं है, तो फिर पाकिस्तान के बारे में क्या, जिसने कई बार भारत के खिलाफ अपने परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकियां दी हैं? जबकि, ईरान ने तो बिना परमाणु हथियार के ही इज़रायल के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा कर दिया है।

- क्या अमेरिका अब पाकिस्तान के न्यूक्लियर बम को ढूँढ निकालेगा और नष्ट करेगा।
- पाकिस्तान पर यह आरोप भी है कि उसने चोरी छुपे पश्चिमी देशों से न्यूक्लियर टैक्नॉलजी प्राप्त की है और चुपचाप अन्य देशों को बेची भी है।
- और अब पाकिस्तान अन्य देशों को इकट्ठा करके, अमेरिका के ईरान पर अटैक की भर्त्सना करने के लिए उकसा रहा है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने अमेरिका के सबसे बड़े शत्रु ओसामा-बिन-लादेन को "सेफ हाउस" में छुपाकर रखा था।
- अमेरिका के ईरान पर अटैक से इस्लामिक देशों में एक करंट सा फैल गया है और अब इस्लामिक देश संगठित व एकत्रित हो रहे हैं और एक तीसरा ग्रुप तैयार है, इस अंतर्राष्ट्रीय संकट में एक नई भूमिका अदा करने के लिए।
- इन इस्लामिक देशों ने रूस व चीन से संपर्क साधा है, अमेरिका के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा खोलने के लिए। ऐसी भी चर्चा है कि ईरान के विदेश मंत्री रूस से बातचीत करने मॉस्को गये हैं, अपना अगला कदम उठाने से पहले।
- भारत के समक्ष जो दुविधा है, उसका बीच से रास्ता निकालना और निर्णय लेना कोई आसान कूटनीति नहीं है।

ईरान में परमाणु हथियारों के विकास को लेकर उत्पन्न संकट भारत के लिए भी एक प्रकार की दुविधा है। हाल के वर्षों में भारत ने इज़रायल के साथ बहुत घनिष्ठ और महत्वपूर्ण सहयोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने इज़रायल पर फिर मिसाइल हमले किये

यरूशलम, 22 जून। ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइल हमले फिर शुरू करने के बाद मध्य, उत्तरी इजरायल और यरूशलम में सायरन बज उठे। ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद इजरायल के प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को बंकरों में रहने के निर्देश दिये गये। यह अमेरिका की ओर से ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद ईरान की ओर से पहला मिसाइल हमला है। एहतियातन इजरायल ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है।

- इज़रायल ने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को बंकरों में रहने के निर्देश दिये।

इजरायल रक्षा बलों ने एक बयान में बताया कि रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज की मंजूरी और हालात की समीक्षा के बाद, रविवार तड़के 03:45 बजे (स्थानीय समय) से होम फ्रंट कमांड के दिशा-निर्देशों में तत्काल बदलाव किये जायेंगे। इजरायल में होम फ्रंट कमांड के निर्देशों में बदलाव करते हुये पूरे देश में अब केवल जरूरी सेवाएं (जैसे स्वास्थ्य, सुरक्षा, आपातकालीन सेवाएं आदि) ही चालू रखी हैं। निर्देशों में आवश्यक क्षेत्रों को छोड़कर शैक्षिणक गतिविधियों, सभाओं और कार्यस्थलों पर प्रतिबंध शामिल है।

क्या ट्रंप की बमबारी ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को नष्ट करने में सफल हुई?

संभवतया नहीं, क्योंकि ईरान की न्यूक्लियर सुविधाएँ एक जगह ही केन्द्रित नहीं हैं, ईरान के कई हिस्सों में फैली हुई हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नईदिल्ली, 22 जून। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का यह दावा, कि "हमारा उद्देश्य ईरान की न्यूक्लियर एनरिचमैंट कपैसिटी को नष्ट करना और परमाणु खतरे को समाप्त करना था", इस बात पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है कि अमेरिकी सैन्य प्रयासों की वास्तविक सफलता क्या है और इस बदलते घटनाक्रम में आगे क्या होगा।

अमेरिकी हमलों ने, जिनमें स्टैल्थ बॉम्बर्स और साइबर ऑपरेशनों का प्रयोग हुआ, ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुँचाया हो सकता है, लेकिन इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि तेहरान की एनरिचमैंट कपैसिटी (संवर्धन क्षमता) पूरी तरह नष्ट हो गई है।

ऐसा ही प्रतीत होता है, क्योंकि ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई जगहों, जैसे नतांज़, फोर्दो और बुशहर में फैला हुआ है। इनमें से कई ठिकाने भूमिगत या कड़े सुरक्षा कवचों से युक्त हैं, जिस कारण पारंपरिक सैन्य उपायों से पूरे नेटवर्क को निष्क्रिय करना बेहद कठिन हो जाता है।

इसके अतिरिक्त, ईरान की वैज्ञानिक और तकनीकी वर्कफोर्स अभी भी पूरी तरह सुरक्षित है, जिसका मतलब है कि परमाणु संवर्धन (न्यूक्लियर एनरिचमैंट) दोबारा शुरू करने की विशेषज्ञता और क्षमता अब भी मौजूद है। अभी तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने यह प्रमाणित नहीं किया है कि संवर्धन गतिविधियाँ पूरी तरह रुक गई हैं, न ही उसने यह रिपोर्ट दी है कि प्रमुख सेंट्रीफ्यूज इतने क्षतिग्रस्त हो गए हैं कि उन्हें मरम्मत नहीं किया जा सकता।

- इसके अलावा ईरान का साइन्टिफिक व टैक्नोलाजिकल वर्कफोर्स सुरक्षित है। अतः अगर न्यूक्लियर सुविधाओं को भारी हानि भी पहुँची होगी, तब भी टैक्नॉलजी व वर्कफोर्स उपलब्ध होने की वजह से "यूरेनियम को एनरिच" करने की प्रक्रिया पुनः शुरु करना ज्यादा मुश्किल नहीं है।
- वैसे भी इंटरनैशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने इस बात की जरा भी पुष्टि नहीं की है कि "यूरेनियम एनरिचमैंट प्रक्रिया" पूर्णतया थम गई है या "एनरिचमैंट प्रक्रिया" के लिए जरूरी सैन्ट्रीफ्यूज़ उपकरण इतने क्षतिग्रस्त हो गए हैं कि उनकी मरम्मत नहीं हो सकती।
- अमेरिका द्वारा न्यूक्लियर सुविधाओं पर की गई भारी बमबारी से एक बात तो सुश्निचित सी लगती है कि ईरान अब "यूरेनियम एनरिचमैंट" प्रोग्राम को और तेज करेगा, जिससे पश्चिमी देशों पर और दबाव बने और वो अपनी सार्वभौमिकता (सोवस्ती) को और जोरों से स्थापित कर सके।

इन हमलों ने ज्यादा से ज्यादा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल अस्थायी रूप से रोक दिया है या धीमा कर दिया है, लेकिन ये हमले परमाणु कार्यक्रम पर स्थाई रोक नहीं लगा पाए हैं।

जहाँ, ट्रंप के समर्थक इस बमबारी को परमाणु खतरे को रोकने का एक साहसिक कदम कह सकते हैं, वहीं, उनके फैसले ने निस्संदेह देश के भीतर मौजूद प्रबल युद्ध विरोधी भावना को दरकिनार कर दिया है। यह निर्णय एक रणनीतिक चतुराई साबित होगा या राजनीतिक भूल, यह न केवल इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान कैसे प्रतिक्रिया देता है, बल्कि इस पर भी कि आने वाले महीनों में अमेरिकी जनता, सैन्य, आर्थिक और नैतिक असर को किस प्रकार ग्रहण करती है। माना जा रहा है कि अमेरिका एक बहुआयामी रणनीति अपना सकता है। कूटनीतिक रूप से वॉशिंगटन, ईरान को अंतराष्ट्रीय मंच पर और अधिक अलग-थलग करने का प्रयास करेगा, अपने सहयोगियों और यहां तक कि यूरोप और खाड़ी देशों जैसे अनिच्छुक भागीदारों पर भी सख्त रूख अपनाने का दबाव बनाकर। इसके साथ ही, ईरान के मिसाइल विकास, रक्षा क्षेत्र, और तेल निर्यात को कमजोर करने के लिए नए प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं, खासकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

62 आईएएस अधिकारियों के ट्राँसफर

जयपुर, 22 जून। राजस्थान सरकार ने आज 62 आईएएस अधिकारियों के ट्राँसफर आदेश जारी किये। सूचि निम्न अनुसार है:

- सुबोध अग्रवाल
  अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान वित्त निगम
- अखिल अरोड़ा
  अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू जल विभाग
- अपर्णा अरोड़ा
  अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं पंचायती राज (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता) विभाग
- संदीप वर्मा
  अतिरिक्त मुख्य सचिव, कौशल एवं उद्यमिता, रोजगार विभाग
- कुलदीप रांका
  अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग
- आनन्द कुमार
  अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जयवायु परिवर्तन विभाग
- भास्कर आत्माराम सावंत
  अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह, गृह रक्षा, जेल एवं राजस्थान राज्य अन्वेषण ब्यूरो एवं पदेन मुख्य सतर्कता आयुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
- कुंजी लाल मीणा
  अतिरिक्त मुख्य सचिव, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग
- अजिताभ शर्मा
  प्रमुख शासन सचिव, उर्जा विभाग
- आलोक गुप्ता
  प्रमुख शासन सचिव, उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं राजकीय उपक्रम एवं दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कोरिडोर एवं विशेषाधिकारी, भिवाडी इन्डीग्रेटेड विकास प्राधिकरण एवं प्रमुख शासन सचिव, विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय एवं निवेश संवर्धन ब्यूरो
- राजेश कुमार यादव
  प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन विभाग, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग एवं महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र
- वैभव गालरिया
  प्रमुख शासन सचिव, वित्त, आबकारी एवं कराधान विभाग
- सुबीर कुमार
  प्रमुख शासन सचिव, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग
- भवानी सिंह देथा
  प्रमुख शासन सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग
- देबाशीष पृष्टी
  प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की आपात बैठक आज

वियना/नयी दिल्ली, 22 जून। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर सोमवार को आपात बैठक बुलायी है। आईएईए महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, ईरान में गंभीर स्थिति के मद्देनजर कल गवर्नर्स की आपात बैठक बुलायी गयी है। ग्रॉसी ने आगे कहा कि तीन परमाणु स्थलों पर हमले किये गये हैं हालांकि इस समय तक ऑफ-साइट विकिरण के स्तर में कोई वृद्धि नहीं हुई है। ईरान में स्थिति पर आगे का आकलन तब किया जाएगा जब और अधिक जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि पिछले नौ दिनों में ईरान पर इजरायल के हमलों के दौरान इस्फ़हान में एक बड़े परमाणु परिसर को दूसरी बार निशाना बनाया गया है, जिसमें कई और इमारतें भी शामिल हैं। इससे पहले आईएईए महानिदेशक ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पेश रिपोर्ट में कहा था कि ईरान में परमाणु स्थलों पर हमले वहां परमाणु सुरक्षा और संरक्षा में भारी गिरावट का कारण बना है।

'तुमने इसे शुरु किया, हम समाप्त करेंगे'

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी, खामेनेई की सुरक्षा और कड़ी की

तेहरान/ यरूशलम, 22 जून। ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष में अमेरिका की ओर से उसके तीन परमाणु संयंत्रों पर किए गए हमले से तिलमिलाए ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है तुमने इसे शुरू किया है, हम समाप्त करेंगें।

इन हमलों से पूरी तरह बौखलाए ईरान ने कहा है कि उसे भी अपनी संप्रभुता की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और वह इनका पूरी ताकत से जवाब देगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि 'ईरान को अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों के खिलाफ कार्रवाई करने और मुंह तोड़ जवाब देने का पूरा वैध अधिकार है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसने संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का खुला उल्लंघन किया है। उन्होंने आगे कहा कि आज सुबह जो कुछ हुआ, वह न सिर्फ निंदनीय है, बल्कि इसके दूरगामी और खतरनाक परिणाम होंगे। संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य देश को इनका विरोध करना चाहिए।

- अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि ईरान कई रास्तों से जवाबी कार्यवाही कर सकता है। इसमें होरमुज़ खाड़ी को बंद करना शामिल है।

अमेरिका के हमले के ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने अपने आधिकारिक चैनल पर लिखा,'अब हमारे लिए युद्ध शुरू हो चुका है उन्हें जहां देखो, तबाह कर दो ।'

इन हमलों के बाद ईरान ने अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ली अली खामेनेई की सुरक्षा कड़ी कर दी है और इस तरह की रिपोर्टें है कि वह इस समय किसी अज्ञात बंकर में हैं और उनकी सभी इलेक्ट्रॉनिक संचार सेवा लाइनों को बंद कर दिया गया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि उनका पता नहीं लगाया जा सके और किसी संभावित हमले से बचाया जा सके। सऊदी अरब की परमाणु और रेडियोलॉजिकल नियामक आयोग ने कहा है कि अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में कोई रेडियोएक्टिव असर नहीं पाया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इन हमलों से यहां और अरब खाड़ी देशों के पर्यावरण पर कोई रेडियोधर्मी प्रभाव नहीं पड़ा है।

पहलगाम आतंकियों को शरण देने वाले दो गिरफ्तार

श्रीनगर, 22 जून। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर में अप्रैल में पर्यटकों पर पहलगाम में हुए आतंकी हमले में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए आतंकवादियों को शरण देने के आरोपी दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ज्ञातव्य है कि इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे और 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

एनआईए ने रविवार को कहा कि पहलगाम के बटकोट निवासी परवेज़ अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क निवासी बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है और यह भी पुष्टि की है कि वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे।

- एनआईए ने कहा कि दोनों प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक हैं।

एनआईए के अनुसार परवेज़ और बशीर ने हमले से पहले हिल पार्क में एक मौसमी झोपड़ी में तीन सशस्त्र आतंकवादियों को शरण दी थी। एनआईए ने कहा, दोनों व्यक्तियों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी।

एनआईए ने दोनों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। एनआईए ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

ईरान पर हमले में अमेरिका के 125 लड़ाकू विमान शामिल थे

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि "ऑपरेशन मिडनाइट हैमर" ने दिखा दिया कि अमेरिका की धमकी असली होती है

वॉशिंगटन, 22 जून। अमेरिका ने रविवार को तड़के सुबह ईरान के खिलाफ एक बेहद गुप्त और बड़ी सैन्य कार्रवाई की। इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर रखा गया था। पेंटागन के मुताबिक, इस ऑपरेशन में अमेरिका के 125 से ज्यादा लड़ाकू विमान और मिसाइलें शामिल थीं। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने रविवार को बताया कि यह हमला ईरान के दो प्रमुख परमाणु केंद्रों- फोर्दो और नतांज- पर किया गया। इसके साथ ही इस्फहान शहर में भी मिसाइलें दागी गईं।जनरल डैन केन ने कहा, हमने ईरान के उन ठिकानों को निशाना बनाया जो सीधे उनके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े थे। ऑपरेशन को इस तरह अंजाम दिया गया कि आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।

- अमेरिका के बी-2 स्टैल्थ बमवर्षक विमान मिज़ॉरी से उड़ कर आये थे। हर बमवर्षक ने 30,000 पाउंड वजन के खास बम गिराये।
- अमेरिका ने कहा कि ईरान को 60 दिन शांति व बातचीत का समय देते हैं। इसके बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम नहीं बचेगा।

125 से ज्यादा अमेरिकी विमान शामिल- इनमें बमवर्षक, फाइटर जेट, टैंकर (तेल भरने वाले विमान), और जासूसी विमान शामिल थे। इसमें बी-2 स्टील्थ बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल हुआ, जो मिसौरी से उड़कर आए थे। हर बमवर्षक ने 30,000 पाउंड वजन के खास बम गिराए, बंकर-बस्टर बमके तौर पर जाने जाते हैं। ये बम जमीन के भीतर छिपे ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम हैं। ये हमला रात 6:40 बजे (पूर्वी समयानुसार) शुरू हुआ और सात बजे तक सभी विमान ईरानी हवाई क्षेत्र से निकल चुके थे। इस मिशन को 9/11 के बाद बी-2 बमवर्षकों की सबसे लंबी उड़ान बताया गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा, पिछली रात, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों, फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर मध्य रात्रि में सटीक हमला किया, ताकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट या गंभीर रूप से कम किया जा सके। यह एक अविश्वसनीय और जबरदस्त सफलता थी। हमारे कमांडर इन चीफ से हमें जो आदेश मिला वह केंद्रित और शक्तिशाली था, और यह स्पष्ट था कि हमने ईरानी परमाणु कार्यक्रम को तबाह कर दिया था। यह ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन ने ईरानी सैनिकों या ईरानी लोगों को निशाना नहीं बनाया।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह ऑपरेशन राष्ट्रपति ट्रंप की योजना थी – साहसी और शानदार। इसने दुनिया को दिखा दिया कि अब अमेरिका की धमकी असली है। अगर राष्ट्रपति शांति की बात करते हैं, तो वह 60 दिन शांति और बातचीत का समय देते हैं। लेकिन उसके बाद, ईरान का परमाणु कार्यक्रम नहीं बचेगा। पीट हेगसेथ ने बताया कि इस ऑपरेशन की तैयारी में इस्त्राइल ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, इस हमले में दिशाभ्रम, धोखे की रणनीति और बहुत ही उच्च स्तरीय ऑपरेशनल सुरक्षा शामिल थी। हमारे बी2 बमवर्षक आए और गए, और दुनिया को भनक तक नहीं लगी। उन्होंने आगे बताया कि इस ऑपरेशन में इतिहास में पहली बार एमओपी जैसे भारी बमों का इस्तेमाल किया गया। इन बमों का वजन करीब 30,000 पाउंड है, जो जमीन के नीचे बने बंकरों को भी तबाह कर सकते हैं।

ईरान के राष्ट्रपति ने मोदी से फोन पर बात की

नई दिल्ली, 22 जून। अमेरिका ने रविवार की सुबह ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला कर दिया। इस हमले के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, "हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। हाल ही में हुई तनातनी पर गहरी चिंता व्यक्त की। आगे बढ़ ने के लिए तत्काल तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के लिए अपना आव्हान दोहराया और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द बहाली की बात कही।"

- करीब 45 मिनट के फोन कॉल में उन्होंने मोदी को अमेरिकी हमले तथा मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने यह कॉल की। राष्ट्रपति पेजेशकियनने प्रधानमंत्री मोदी को मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह कॉल 45 मिनट तक चली। राष्ट्रपति ने भारत को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने वाला मित्र और साझेदार बताया तथा तनाव कम करने, वार्ता और कूटनीति के लिए भारत के रुख और आ ान के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की बहाली में भारत की आवाज और भूमिका महत्वपूर्ण थी।

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

अनुवाद: महत्व और चुनौतियां

सन् 2022 में जब हिंदी लेखिका गीतांजलि श्री के उपन्यास 'रेत समाधि' के अंग्रेज़ी अनुवाद 'टूम्ब ऑफ सैण्ड' को अत्यंत प्रतिष्ठित इण्टरनेशनल बुकर प्राइज़ मिला तो बहुतों का ध्यान इस बात की तरफ गया कि अनुवादक की भी कोई महत्ता होती है। इंटरनेशनल बुकरप्राइज़ की राशि पचास हज़ार पाउण्ड थी जो दोनों में आधी-आधी बांटी गई अर्थात गीतांजलि श्री और डेज़ीरॉकवेल को पच्चीस पच्चीस हज़ार पाउण्ड (भारतीय मुद्रा में लगभग पच्चीस लाख रुपये प्रत्येक को) मिले। बहुतों ने तब पहली दफा इस अनुवादिका डेज़ीरॉकवेल का नाम सुना था, हालांकि डेज़ी इससे पहले ही अनेक भारतीय कृतियों का अनुवाद कर चुकी और एक अनुवादक के रूप में स्थापित हो चुकी थी। असल में बहुत कम लोग होते हैं जो किसी अन्य भाषा की कृति को अपनी भाषा में अनुवाद के माध्यम से पढ़ते हुए इस बात पर ध्यान दे पाते हैं कि अनुवाद किसने किया है। यहां तक कि बहुत सारे प्रकाशक भी अनुवादक को समुचित महत्व नहीं देते हैं। बहुत बार तो वे अनुवादक का नाम तक ज़ाहिर नहीं करते हैं। ऐसे में जब डेज़ीरॉकवेल का नाम और उन्हें मिलने वाली विपुल धन राशि की चर्चा हुई तो स्वाभाविक ही था कि लोगों को महसूस हुआ कि अनुवादक कर्म की भी कोई महत्ता है।

डेज़ीरॉकवेल अमरीका में जन्मी अनुवादक है। लेकिन हमारे यहां उनकी ज़्यादा चर्चा इस कारण हुई कि उन्होंने एक भारतीय कृति का अनुवाद किया था। अब इस बरस अर्थात 2025 में एक भारतीय अनुवादक को भी यही सम्मान मिला है। दीपा भस्थी पहली भारतीय अनुवादक हैं जिन्हें कन्नड लेखिका बानू मुश्ताक़ के कहानी संग्रह हार्ट लैम्प के अनुवाद के लिए लेखिका के साथ-साथ पुरस्कृत किया जाने की घोषणा हुई है। इन दो अनुवादकों – डेज़ीरॉकवेल और दीपा भस्थी को इतनी बड़ी राशि का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने के बाद हममें से बहुतों का ध्यान अनुवाद कर्म की तरफ गया है। वैसे, यह ध्यान जाने से पहले भी हम विभिन्न अनुवादकों के अनुवाद कर्म से लाभान्वित होते रहे हैं। हम में से बहुतों ने संस्कृत के अनेक महान ग्रंथों को अनुवाद के रूप में ही पढ़ा है, मुझ जैसे हिंदी भाषा भाषियों का अनेक विदेशी लेखकों जैसे चेखव, गोगोल, मोपासां, ओ हेनरी, मार्क ट्वेन, डीएच लॉरेंस, पर्ल एस बक जैसे महान लेखकों के सृजन से प्रथम परिचय अनुवाद के माध्यम से ही हुआ। रांगेय राघव और हरिवंश राय बच्चन के अनुवादों के माध्यम से शेक्सपियर के रचनाकर्म से सम्पर्क हुआ। हम लोगों ने बांग्ला के रचनाकारों जैसे शरत, बंकिम, ताराशंकरबंद्योपाध्याय, आशापूर्णा देवी, शंकर आदि को अनुवाद के माध्यम से ही पढ़ा है। अलबत्ता उर्दू के साहित्य को हम लिप्यंतर के माध्यम से पढ़ते रहे हैं। इन दोनों में अंतर है। लिप्यंतर में जहां भाषा वही रहती है, केवल लिपि बदलती है, अनुवाद में पूरी की पूरी भाषा ही बदल जाती है। आज जब भारतीय भाषाओं से हमारा परिचय बढ़ता जा रहा है तो उसमें सबसे बड़ी भूमिका अनुवाद की ही है। लेकिन अगर हम कुछ अच्छे अनुवादकों के नाम याद करना चाहेंगे तो हमें बहुत प्रयत्न करना पड़ेगा। इसलिए कि हम इस तरफ ध्यान ही नहीं देते हैं कि किसके श्रम के कारण हम किसी अनजानी भाषा के साहित्य का आस्वाद ले पा रहे हैं।

इस बात को समझा जाना ज़रूरी है कि सांस्कृतिक आदान प्रदान के लिए अनुवाद बहुत आवश्यक है। साहित्य, कला और प्रादेशिक परंपराओं को दूसरी भाषा के जानने वालों तक पहुंचाने में अनुवाद कर्म की भूमिका असंदिग्ध है। अनुवाद का जितना सांस्कृतिक महत्व है उससे कम महत्व उसका ज्ञान के प्रसार में नहीं है। विज्ञान, तकनीक,चिकित्सा, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक-दार्शनिक आदि चिंतन को अनुवाद ही बहु संख्यक समाज तक पहुंचाता है। अगर जर्मन या फ्रेंच में किसी भी क्षेत्र में कुछ अच्छा काम हुआ है तो बिना उस भाषा को जाने हम अंग्रेज़ी के माध्यम से उसका लाभ लेते हैं। अब तो विश्व का बहुत सारा ज्ञान (और विज्ञान भी) हिंदी सहित अनेक भाषाओं में अनुवाद के माध्यम से आ रहा है। इसी तरह संचार और व्यापार में भी अनुवाद की महती भूमिका है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों का निर्वहन अनुवाद के माध्यम से ही हो पाता है। यही बात विभिन्न देशों के मध्य व्यापार के लिए भी सच है। शिक्षा और साहित्य में अनुवाद की उपादेयता के बारे में तो कुछ भी कहना अनावश्यक है। साहित्य में अनुवाद की महत्ता के कुछ उदाहरण तो मैंने दिये ही हैं, शिक्षा के क्षेत्र में अनुवाद इतना ज़रूरी है कि अगर वह न हो तो शिक्षा का पूरा ढांचा ही चरमरा जाएगा। अनुवाद की एक और उपादेयता भाषाओं के प्रसार और उनके संरक्षण में भी है। जब हम किसी भाषा से अनूदित कोई कृति पढ़ते हैं और वह हमें अच्छी लगती है तो स्वभावतः हम उस भाषा को सीखने के लिए व्याकुल हो उठते हैं। जब ऐसा होता है तो उन भाषाओं को, जो लुप्त होने के कगार पर है, काफी संबल मिलता है।

> **भारत एक बहु भाषा भाषी देश है। हमारे यहां 22 तो अनुसूचित भाषाएं हैं ही, हज़ारों बोलियां हैं। इन सबके बीच आदान-प्रदान के लिए अनुवाद की महता असंदिग्ध है। लेकिन हम पाते हैं कि कुछेक भाषाओं को छोड़कर शेष अधिकांश भाषाओं में अभी पर्याप्त अनुवाद नहीं हो रहे हैं। इसके पीछे सक्षम अनुवादकों की कमी के साथ-साथ इसका वाणिज्यिक पक्ष भी है।**

अगर हम अनुवाद के संदर्भ में भारत की बात करें तो हम पाते हैं कि हमारे यहां अनुवाद की परंपरा बहुत पुरानी है, भले ही तब आधुनिक अनुवाद की अवधारणा न रही हो। हमारे भक्ति साहित्य का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद पाया जाता है। आधुनिक काल में तो अनुवाद कर्म को गंभीरता से लिया ही जाने लगा है। शैक्षिक व अकादमिक क्षेत्रों में अनुवाद ने बहुत महत्वपूर्ण योग दिया है। पाठ्य पुस्तकों का अनुवाद एक व्यावहारिक ज़रूरत थी और है। साहित्यिक कृतियों के अनुवाद खूब हुए हैं। साहित्य अकादमी और नेशनल बुक ट्रस्ट जैसे संस्थानों ने अनुवाद के काम को गति देने में सक्रिय भूमिका अदा की है। जहां तक तकनीकी और वैज्ञानिक अनुवाद का सवाल है, केंद्रीय हिंदी निदेशालय ने तकनीकी शब्दावली का विकास करके और उसे निरंतर समृद्ध एवं अद्यतन करने के सुनियोजित प्रयास करके इस काम को सुगम बनाया है। नेशनल ट्रांसलेशन मिशन की भूमिका भी सराहनीय है। इधर मीडिया और मनोरंजन की दुनिया में अनुवाद कर्म नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विभिन्न प्रकाशन एकाधिक भाषाओं में प्रकाशित होने लगे हैं जिनमें बहुत सारी सामग्री अनूदित होती है। फ़िल्मों आदि में विदेशी फिल्मों के डब किए हुए संस्करण और अन्य भाषाओं के अपनी भाषा में सब टाइटल्स अनुवाद की उपादेयता को रेखांकित करते हैं।

भारत एक बहु भाषा भाषी देश है। हमारे यहां 22 तो अनुसूचित भाषाएं हैं ही, हज़ारों बोलियां हैं। इन सबके बीच आदान-प्रदान के लिए अनुवाद की महता असंदिग्ध है। लेकिन हम पाते हैं कि कुछेक भाषाओं को छोड़कर शेष अधिकांश भाषाओं में अभी पर्याप्त अनुवाद नहीं हो रहे हैं। इसके पीछे सक्षम अनुवादकों की कमी के साथ-साथ इसका वाणिज्यिक पक्ष भी है। बोलने वालों की संख्या के आधार पर बहुत छोटी भाषाओ और बोलियों में अनुवाद करना अभी आर्थिक रूप से घाटे का सौदा माना जाता है। इसके अलावा, बोलियों की बहुत सारी अभिव्यक्तियों को किसी अन्य भाषा या बोली में अनुवाद करना आसान नहीं होता है।

इधर अनुवाद की दुनिया में बहुत बड़ी हलचल मशीनी अनुवाद और अनुवाद के काम में कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रवेश से हो रही है। ऊपरी तौर देखने से लग सकता है कि इनके कारण अनुवादक तो बेरोज़गार ही हो जाएगा। लोग़ कल्पना करते हैं कि मशीन किसी आटा चक्की की तरह से काम करेगी और आप इधर से स्रोत भाषा की सामग्री डालेंगे और उधर से लक्ष्य भाषा में उसका अनुवाद बाहर निकल आएगा। यह मिथ्या धारणा है। बेशक मशीनी अनुवाद और एआई ने अनुवाद की बहुत सारी मुश्क़िलों को हल किया है, भाषा और अभिव्यक्तियों की बारीकियों को पकड़ना उनके लिए नामुमकिन ही कहा जाएगा। इसलिए बावज़ूद सारी तकनीकी प्रगति के मनुष्य की, समर्थ अनुवादक की ज़रूरत सदा रहेगी।

भारत में अभी भी अनुवाद कर्म को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। अनुवादक को न तो समुचित श्रेय मिलता है और न सम्मानजनक मानदेय। इस बात को समझा ही नहीं गया है कि अनुवाद करना मूल लेखन करने जितना ही, बल्कि उससे कहीं ज़्यादा कठिन और श्रमसाध्य है। एक तरह से तो अनुवाद पुनः सृजन ही होता है, अतः अनुवादक को समुचित श्रेय औरमानदेय मिलना चाहिए, तभी बेहतर अनुवाद मिल सकेगा। इधर अनेक संस्थान ऐसा करने लगे हैं, यह शुभ है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

चुनौतियों के मध्य विधानसभा

डॉ. कैलाश सोडाणी

29 मई, 2025 को हमारे वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के तत्वावधान में "विधानसभा -कल, आज और कल" विषय पर विधानसभा अध्यक्ष समागम के अंतर्गत विधानसभा की कार्य प्रणाली पर अच्छा मंथन हुआ। संगोष्ठी में वर्तमान अध्यक्ष, विधानसभा प्रो. वासुदेव देवनानी के साथ-साथ पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, कैलाश मेघवाल एवं प्रो. सी.पी. जोशी ने बताया कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में विधानसभा सबसे सशक्त, जीवन्त और उत्तरदायी विधायी संस्था है। प्रजातंत्र की आधारशिला ही विधानसभा एवं लोकसभा हैं। इनकी मजबूती एवं वर्चस्व आम जनता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सौभाग्य से यह समागम राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के मुख्य आतिथ्य में हुआ, जो महाराष्ट्र विधासभा के अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने वाली संस्था ही नहीं है, अपितु कार्यपालिका पर नियंत्रण रखती है, नीतियों पर चर्चा करती है और जन समस्याओं को आवाज प्रदान करती है। भारतीय संसदीय लोकतंत्र की जड़े मजबूत हैं, लेकिन इसकी मर्यादाओं में निःसंदेह कुछ गिरावट आई है। इन सभी के मध्य हमारे संस्कार एवं संस्कृति इतनी समृद्ध हैं कि संसदीय लोकतंत्र की गरिमा एवं भविष्य दोनों सुरक्षित हैं। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्षगण सदैव इस संस्था के गरिमामय संचालन और लोकतान्त्रिक मूल्यों की रक्षा में अग्रणी रहे हैं। सभी अध्यक्षों ने संसदीय परम्पराओं को मजबूत करने, सदन की कार्यक्षमता और लोक सहभागिता को बढ़ाने के लिए अनेक उल्लेखनीय कदम उठाये हैं।

यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि राजस्थान विधानसभा में सूचना औद्योगिकी का उपयोग तेजी से बढ़ा है। ई-विधान प्रणाली को अपना कर कागज रहित कार्य प्रणाली को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे विधानसभा की कार्यकुशलता बढ़ रही है और पारदर्शिता एवं जवाबदेही में भी सुधार हो रहे हैं। विधान सभा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ भी हैं, उनका समाधान आवश्यक है। विधेयक पर स्वस्थ चर्चा में कमी आ रही है, जो उचित नहीं है। तथ्यात्मक बहस होनी चाहिये। विधेयक पर अच्छी एवं स्वस्थ चर्चा के बाद ही कानून बनना चाहिये। इसके लिए विधायकों को अध्ययन एवं प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा। विधानसभा के कार्य दिवसों को बढ़ाना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को गंभीर होना पड़ेगा तभी जनहित से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर सार्थक एवं पर्याप्त चर्चा संभव हो पाएगी। विधायकों की अलग-अलग विधारधारा का होना तो स्वाभाविक है परन्तु पिछले कुछ वर्षों में इनमे दूरियाँ बढ़ने से सदन के वातावरण में थोड़ी खटास आ रही है जिससे सदन की कार्य क्षमता घटती है।

आजकल मीडिया भी अध्ययन एवं तैयारी के साथ बहस में भाग लेने वाले विधायकों को हेड लाइन में जगह नहीं देते हैं। सदन में हंगामा और अव्यवस्था करने वाले विधायक प्रेस में प्रमुखता प्राप्त करने से हमारी दिशा ही गलत हो रही है। सदन में अनुशासन एवं मर्यादा बनाये रखने के लिये अध्यक्षों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही हैं। सभी राजनैतिक दलों को साथ बैठकर इसे ठीक करना होगा। विधायकों को भी समझना होगा कि इस प्रकार के आचरण से अन्ततः राजनीतिज्ञों के प्रति जनता के विश्वास में कमी आती है। कभी कभी राजनीतिक ध्रुवीकरण में होने वाले उतार-चढ़ाव से भी सदन की कार्य प्रणाली पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए विधानसभा अध्यक्ष और विधायकों को मिलकर प्रयास करना होगा। जन-संवाद एवं राजनीतिक शिष्टाचार को स्थापित करना होगा।

निःसन्देह राजस्थान विधानसभा का इतिहास बड़ा गौरवशाली एवं गरिमामय रहा है। राजस्थान की विधानसभा के माननीय सदस्यों ने अनेक बार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश के हित में क्रांतिकारी विधेयक पारित किये हैं। हमारे विधान सभा अध्यक्षों के साथ-साथ हमारे विधायकों की भूमिका भी बड़ी सराहनीय रही है। देश की अन्य अनेक विधानसभाओं की तुलना में राजस्थान विधानसभा की गौरवमय प्रजातान्त्रिक यात्रा के लिए हमारे विधायक बधाई के पात्र हैं। वर्तमान में जनता सक्रिय एवं जागरूक हैं और भविष्य संभावनाओं से भरा हुआ है। आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी मिलकर इस लोकतान्त्रिक मंदिर को और अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनायें। विधानसभा अध्यक्षों की भूमिका इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है और आगे भी रहेगी।

डॉ. कैलाश सोडाणी
कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा।

राजस्थान की बावड़ियां - जल और विरासत की शाश्वत संरक्षक

अंजलिका पंवार

भजनलाल सरकार राज्य में जल संरक्षण की बेहतरी और संवद्धर्न के लिए लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस-2025 पर एक महत्वपूर्ण अभियान वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य लोगों में जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना, जलाशयों का जीर्णोद्धार करना और राजस्थान को जल आपूर्ति के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। रेगिस्तान की धरती राजस्थान, पानी की हर बूंद को बचाने के तरीकों के लिए जानी जाती है। पानी की कमी से निपटने और ऐसी शुष्क जलवायु में जीवन को व्यवहार्य बनाने के लिए, राजस्थान के लोगों ने बावड़ियां बनाने की कला में महारत हासिल की, जिन्हें स्टेपवेल भी कहा जाता है।

बावड़ियां न केवल पानी के स्त्रोत हैं, बल्कि सामुदायिक जीवन का केंद्र भी हैं। पहले महिलाएँ यहाँ पानी लाने और सामाजिक मेलजोल बढ़ाने के लिए इकट्ठा होती थीं, ग्रामीण अपने मेहराबों के नीचे आराम करते थे और व्यापारी और यात्री अपनी प्यास बुझाने और स्थानीय लोगों से जुड़ने के लिए एक जगह ढूँढ़ते थे। इसके अतिरिक्त, ये संरचनाएँ राजस्थान की समृद्ध स्थापत्य विरासत को दर्शाती हैं। शासकों, व्यापारियों और ग्रामीणों द्वारा समान रूप से निर्मित, बावड़ियों को वर्षा जल को इकट्ठा करने और भविष्य में उपयोग के लिए कुशलतापूर्वक संग्रहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। प्रत्येक बावड़ी उस समय के इंजीनियरिंग कौशल और जल संरक्षण की सामाजिक और सामूहिक चेतना की गहरी समझ का प्रमाण है।

आज ये बावड़ियां स्थापत्य स्थलों, पर्यटकों के आकर्षण और भारत के अतीत की एक समृद्ध विरासत के रूप में काम करती हैं। वे दिखाती हैं कि कैसे मानव रचनात्मकता अभाव पर विजय प्राप्त कर सकती है और कुछ बेहद खूबसूरत और उद्देश्यपूर्ण बना सकता है। आइए, अब राजस्थान की कुछ प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण बावड़ियों पर एक नज़र डालते हैं। यहाँ राजस्थान की कुछ प्रसिद्ध बावड़ियां दी गई हैं, जिनमें से प्रत्येक अद्वितीय स्थापत्य शैली और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती हैं:

चाँद बावड़ी (आभानेरी, दौसा) :-भारत की सबसे प्रसिद्ध बावड़ियों में से एक, जिसका निर्माण 9वीं शताब्दी में हुआ था। इसमें 13 मंजिलों की गहराई तक 3,500 से अधिक सममित सीढ़ियाँ हैं - ज्यामिति और कलात्मकता का एक उल्लेखनीय कारनामा।

रानी जी की बावड़ी (बूंदी) :- रानी नाथावती जी द्वारा 1699 में निर्मित यह बावड़ी नक्काशीदार स्तंभों और मेहराबों से सुसज्जित है। यह बूंदी और उसके शासक वंश की समृद्ध स्थापत्य शैली को उजागर करती है।

तूर जी की झालरा (जोधपुर) :-ब्लू सिटी में एक मध्ययुगीन बावड़ी, तूर जी की झालरा 1740 के दशक की है। हाल ही में इसका आमूलचूल जीर्णोद्धार किया गया और यह पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थान बन गया है।

पन्ना मीना का कुंड (आमेर, जयपुर) :-आमेर किले के पास यह आकर्षक बावड़ी 16वीं शताब्दी में बनाई गई थी। यह उपयोगिता और कलात्मकता का एक आदर्श मिश्रण है जिसमें सममित सीढ़ियाँ और एक शांतिपूर्ण माहौल है।

रत्नागढ़ की बावड़ी (चित्तौड़गढ़) :-यह बावड़ी चित्तौड़गढ़ किले के करीब स्थित है। यह एक सरल लेकिन सुरुचिपूर्ण शैली को दर्शाता है और इस क्षेत्र में जल संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

नाहरगढ़ की बावड़ी (जयपुर) :-नाहरगढ़ किले के भीतर स्थित यह बावड़ी सैनिकों और किले के अधिकारियों के लिए एक प्रमुख जल भंडारण संरचना थी। यह किलेबंद बस्तियों में जल संसाधनों की सावधानीपूर्वक योजना को उजागर करता है।

रानी की बावड़ी, पुष्कर :- पुष्कर में यह छोटी लेकिन सुंदर बावड़ी स्थानीय लोगों के लिए एक रानी द्वारा बनाई गई थी। यह उदारता और सामुदायिक कल्याण की देखभाल के प्रतीक के रूप में खड़ी है।

नवचोकिया बावड़ी (जोधपुर) :-पुराने शहर में स्थित यह छोटी लेकिन सुंदर बावड़ी मारवाड़ी

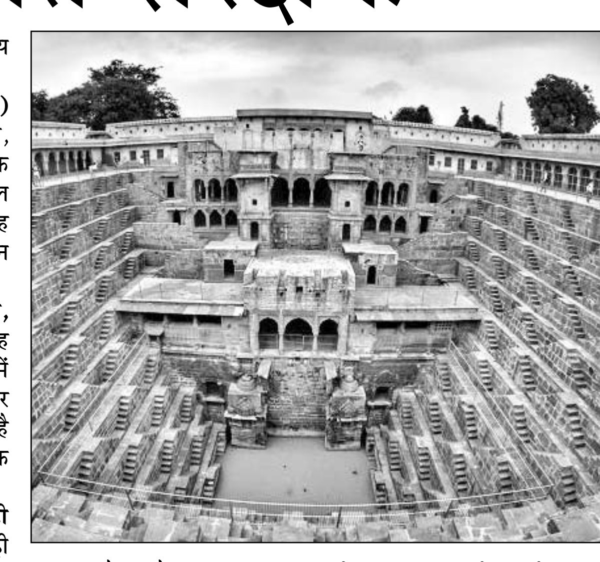

स्थापत्य शैली और नाटकीय जलवायु में जल संरक्षण की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है।

बड़ी बावड़ी (बीकानेर) :- बीकानेर की बड़ी बावड़ी थार रेगिस्तान में सामुदायिक जल भंडारण का एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

डाबरी कुंड (जैसलमेर) :- जैसलमेर का डाबरी कुंड एक छोटी लेकिन अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई बावड़ी है जिसे थार की गहरी घाटियों में पानी की कमी से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मोढेरा बावड़ी (अजमेर) :- अजमेर में कई छोटी बावड़ियां हैं। उनमें से सबसे प्रसिद्ध आना सागर के पास की बावड़ी है, जो मध्ययुगीन जल प्रबंधन तकनीकों को दर्शाती एक शांत जगह है।

मंडोर (जोधपुर) में बावड़ी :- मारवाड़ की प्राचीन राजधानी मंडोर में यह बावड़ी, अपने नाटकीय, ऐतिहासिक परिवेश में मिश्रित वास्तुकला का एक बेहतरीन नमूना है।

बाड़मेर में बावड़ी :-बाड़मेर क्षेत्र में कई छोटी बावड़ियां बंजर परिदृश्य में लोगों और उनके झुंडों दोनों के लिए पानी उपलब्ध कराती थीं। प्रत्येक बावड़ी जलवायु और संसाधनों के अनुकूल होने को दर्शाती है।

राजस्थान की बावड़ियां सिर्फ़ जल संग्रहण संरचनाएँ नहीं हैं, वे इस क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और स्थापत्य कला का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रत्येक बावड़ी अस्तित्व, रचनात्मकता और सांप्रदायिक एकता की कहानी बयां करती है।

अंजलिका पंवार,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
शोध एवं संदर्भ शाखा,
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग,
जयपुर

जल है तो कल है : समय की पुकार है जल संरक्षण

अविनाश जोशी

जल हमारे अस्तित्व की नींव है। भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक तत्व नहीं, अपितु एक जीवंत चेतना है-माँ गंगा, यमुना, सरस्वती के रूप में पूजित और जीवन का आधार। आज जब जल संकट एक वैश्विक आपदा का रूप लेता जा रहा है, तब जल संरक्षण केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बन चुका है। भारतवर्ष में प्राचीन काल से ही पंचतत्त्वों की उपासना की परंपरा रही है। जल उनमें प्रमुख है। वैदिक काल से ही जल संचयन की व्यवस्था, तालाबों, बावड़ियों, कुओं और झीलों के माध्यम से की जाती रही है। हमारे पुरखों ने प्राकृतिक संसाधनों के साथ सामंजस्य बिठाकर जीवन जिया, किंतु आज आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम इन परंपराओं से दूर हो गए हैं।

देश के अनेक हिस्सों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। कभी जल-संपन्न रहे गाँवों में अब पेयजल के लिए भी टैंकरों का सहारा लेना पड़ रहा है। शहरों में जल आपूर्ति पर बोझ बढ़ रहा है। इस स्थिति के पीछे हमारी लापरवाही, अनियंत्रित दोहन और जल संरक्षण के प्रति उदासीनता जिम्मेदार है।

जल संरक्षण की आवश्यकता अब केवल पर्यावरण की दृष्टि से नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी महसूस की जा रही है। कृषि, उद्योग, शहरी जीवन-हर क्षेत्र जल पर निर्भर है। इसलिए जल संरक्षण की दिशा में सार्वजनिक और व्यक्तिगत स्तर पर गंभीर प्रयास आवश्यक हैं।

वर्षा जल संचयन इस दिशा में एक प्रभावशाली उपाय है। घरों की छतों पर रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर हम वर्षा के पानी को उपयोगी बना सकते हैं। सामुदायिक जल संरक्षण योजनाएं, ग्रामीण तालाबों और झीलों का पुनरुद्धार, पारंपरिक जलस्त्रोतों की मरम्मत और जागरूकता अभियानों के माध्यम से हम व्यापक स्तर पर जल संकट से निपट सकते हैं।

हमें यह भी समझना होगा कि जल का अपव्यय केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, यह पूरी मानवता का संकट है। हमारे दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कदम-जैसे नल बंद रखना, गाड़ियों की धुलाई में बाल्टी का उपयोग, साफ-सफाई में पीने योग्य जल की जगह खारे या पुनर्निर्मित जल का प्रयोग-बड़ी मात्रा में जल की बचत कर सकते हैं।

भारतीय धार्मिक ग्रंथों में जल को जीवनदायिनी शक्ति कहा गया है। वरुण देव को जल के देवता के रूप में पूजा गया है। गंगा, यमुना, सरस्वती जैसी नदियों को मोक्षदायिनी माना गया है। कुम्भ जैसे पर्वों में करोड़ों श्रद्धालु जल में डुबकी लगाकर आत्मशुद्धि करते हैं। यह सब दर्शाता है कि जल भारतीय जीवन दर्शन का एक अभिन्न अंग है। आज विश्वभर में जल संकट के प्रति चेतना जागृत हो रही है। अनेक देश जल संरक्षण के सख्त कानून बना रहे हैं। रेनवाटर हार्वेस्टिंग, वाटर रीसायकलिंग और ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीकों को प्रोत्साहन मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जल संरक्षण को लेकर सहयोग और ज्ञान-साझा की दिशा में ठोस पहल हो रही है। भारत को भी इस दिशा में व्यापक, दीर्घकालिक और सशक्त रणनीति अपनानी होगी।

अंततः, जल संरक्षण केवल नीतियों और कानूनों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों की सहभागिता से ही संभव है। हमें यह समझना होगा कि यदि हमने आज जल के महत्व को नहीं समझा, तो आने वाली पीढ़ियों को हम केवल संकट की विरासत सौंपेंगे। यह समय है चेतने का-क्योंकि जल है, तभी कल है।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 23 जून, 2025

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र दिन 3:17 तक, धृति योग दिन 1:17 तक, गर करण दिन 11:46 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 3:17 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 10:10 से आरम्भ होगी। आज सोम प्रदोष व्रत और मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 7:20 तक, शुभ 9:03 से 10:46 तक, चर 2:11 से 3:54 तक, लाभ-अमृत 3:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:19

मेष

व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

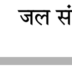

वृष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

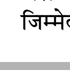

मिथुन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धन हानि का भय है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ बनी रहेगी।

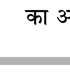

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

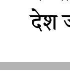

सिंह

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी।

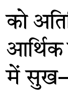

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

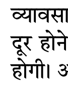

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

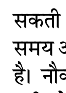

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

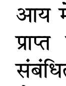

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

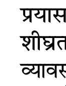

कुंभ

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

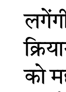

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में जन-आंदोलन बना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

प्रदेश में 1.30 लाख स्थानों पर योग कराते हुए 1.27 करोड़ लोगों की भागीदारी के साथ नया रिकॉर्ड बनाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 का आयोजन राजस्थान के लिए केवल एक दिवस नहीं, बल्कि इतिहास रचने का अवसर बन गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य ने योग को एक जन-आंदोलन का रूप दिया। पूरे देश में जहां योग दिवस मनाया गया, वहीं राजस्थान ने 1.30 लाख से अधिक स्थानों पर योग कराते हुए 1.27 करोड़ लोगों की भागीदारी के साथ नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यही नहीं, भारत सरकार के योग संगम पोर्टल पर सर्वाधिक 2.44 लाख प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ राजस्थान शीर्ष पर रहा। आयोजकों को अब तक 42 हजार से अधिक प्रशंसा प्रमाण पत्र मिल चुके हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। राज्य में एक साथ इतने बड़े स्तर पर योगाभ्यास कराए जाने की इस उपलब्धि को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन' में दर्ज करवाए जाने का प्रस्ताव भी है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिला सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- यही नहीं, भारत सरकार के योग संगम पोर्टल पर सर्वाधिक 2.44 लाख प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ राजस्थान शीर्ष पर रहा।
- मुख्यमंत्री ने जैसलमेर के रेतीले धोरों पर किया योगाभ्यास, आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया
- राज्य में एक साथ इतने बड़े स्तर पर योगाभ्यास कराए जाने की इस उपलब्धि को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन' में दर्ज करवाए जाने का प्रस्ताव भी है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिला सकता है।

21 जून को आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 11वें संस्करण में राजस्थान की रेत पर एक अद्भुत योग संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर के खुडी के रेतीले धोरों पर राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में भाग लिया। हजारों नागरिकों, बीएसएफ जवानों, छात्रों और अधिकारियों के साथ उन्होंने योगाभ्यास करते हुए 'स्वस्थ जीवन शैली' अपनाने का संकल्प दिलाया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशाखापट्टनम से दिया गया संदेश भी सुना गया, जिसमें उन्होंने 'मानवता के लिए योग 2.0' की शुरुआत का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग अब केवल व्यायाम नहीं रहा, यह शरीर, मन, आत्मा और बुद्धि को जोड़ने वाली सम्पूर्ण जीवनशैली बन चुका है। योग भारतीय संस्कृति की वह धरोहर है, जिसमें परंपरा और आधुनिकता, विज्ञान और अध्यात्म का मेल देखने को मिलता है। योग न केवल मेडिटेशन है, बल्कि मानसिक और शारीरिक समस्याओं का समाधान-मेडिकेशन भी है। उन्होंने योग को तनाव, प्रदूषण और अव्यवस्थित जीवनशैली से मुक्ति का प्रभावी माध्यम बताया।

योग दिवस के अवसर पर राजस्थान में पहली बार इतनी व्यापकता और भव्यता के साथ आयोजन हुआ। जोधपुर के ऐतिहासिक मेहरानगढ़ किले में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने योगाभ्यास किया। अलवर में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सामूहिक योग सत्र में भाग लिया। बांसवाड़ा में कागदी पिकअप वियर पर 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर जिला स्तरीय आयोजन हुआ।

जयपुर में मुख्यमंत्री के निर्देश पर सवाई मानसिंह स्टेडियम, अल्बर्ट हॉल, पत्रिका गेट, श्री गलता जी मंदिर, जलमहल, हवामहल, बिड़ला मंदिर, सेंट्रल पार्क, सिटी पार्क, आमेर फोर्ट, गोविंद देव जी मंदिर, जयगढ़ और सिटी पैलेस जैसे प्रमुख स्थानों पर एक साथ योगाभ्यास किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया।

भरतपुर के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, गंगा मंदिर, किशोरी महल, गौरव बेटी पार्क, लोहागढ़ स्टेडियम, अपना घर आश्रम बझेरा जैसे स्थलों पर भी जनसहभागिता के साथ योग दिवस मनाया गया। फलौदी दुर्ग में प्रभारी मंत्री मदन दिलावर की उपस्थिति में ऐतिहासिक योग आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर सांसद सीपी जोशी के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ, जबकि करौली के श्रीमहावीरजी मंदिर परिसर में राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने योगाभ्यास किया। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने स्वयं योग क्रियाएं कर आमजन को संकल्प दिलवाया और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इसी तरह हनुमानगढ़ के ऐतिहासिक भटनेर दुर्ग, कालीबंगा और गोगामेड़ी समाधि स्थल जैसे स्थानों पर भी जन सहभागिता के साथ योग कार्यक्रम आयोजित हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक मंच मिला है। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस का प्रस्ताव रखे जाने के बाद से यह आयोजन न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व का पर्व बन गया है। मोदी के नेतृत्व में भारत की आध्यात्मिक शक्ति का पुनः जागरण हुआ है। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल महालोक जैसी परियोजनाएं इसी दिशा में कदम हैं। इसी प्रेरणा से राजस्थान सरकार भी रामदेवरा और तनोट माता सहित कई धार्मिक स्थलों के विकास पर 100 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इस ऐतिहासिक आयोजन ने सिद्ध कर दिया है कि योग अब केवल स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक बन चुका है। जो व्यक्ति को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाता है।

जनसंघ के संस्थापक स्व. सुंदर सिंह भंडारी को पुष्पांजलि अर्पित

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को जनसंघ के संस्थापक सदस्य और कुशल संगठन शिल्पी सुंदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राठौड़ ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। राठौड़ ने कहा कि सुंदर सिंह भंडारी ने अपना सारा जीवन जनसेवा और राष्ट्रिनर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने पार्टी के प्रारंभिक वर्षों में जनसंघ के मजबूत पक्ष को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा आज की भाजपा को उन महान नेताओं द्वारा प्रतिपादित आदर्शों पर चलते हुए देश को उन्नित की राह पर अग्रसर करना चाहिए।

- स्व. भंडारी की दृढ़ निष्ठा, संगठन क्षमता तथा राष्ट्रप्रेम की भावना हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत :- मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि सुंदर सिंह भंडारी जी की दृढ निष्ठा, संगठन क्षमता तथा राष्ट्रप्रेम की भावना हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनके पदचिन्हों पर चलना ही भाजपा की मजबूत नींव बनाए रखने और देश को विकास एवं शक्ति की ओर अग्रसर करने का मार्ग है। इस मौके पर प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और विभिन्न विभागों के पदाचारियों सहित सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित किए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ,भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना सहित सभी कार्यकर्ताओं ने भंडारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

जमीदारा और आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधियों ने ली भाजपा की सदस्यता

जयपुर । भाजपा की रीति और नीति से प्रभावित होकर प्रदेश के कई विपक्षी दलों के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने ग्रहण करवाई सभी सदस्यों को पार्टी की सदस्यता

इस अवसर पर जमीदारा पार्टी और आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधियों को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। जमीदारा पार्टी से पूर्व में भाजपा में शामिल हुए श्योपत सिंह, भीम सिंह कासनिया और आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुए मयंक त्यागी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज देशवासियों के मन में बीजेपी के प्रति अटूट विश्वास बन रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ विपक्षी दलों से आने वाले लोगों में भी मोदी सरकार की नीतियों को लेकर गहरी प्रतिबद्धता दिखाई दे रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं सुदृढ़ और मजबूत हुई, इसके साथ ही देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधारों ने आम जनमानस के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है।

राठौड़ ने कहा कि आज देश की वित्तीय स्थिरता, विकसित बुनियादी ढांचा और सुशासन की छवि से भारत की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की राजनीतिक अनिश्चितता, नीति की विसंगतियां और विकास के प्रति आत्मविश्वास के अभाव ने आम जनता में असंतोष बढ़ाया है। ऐसे में जमीदारा पार्टी और आम आदमी पार्टी जैसे संगठन के कार्यकर्ता भी अब भाजपा के मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट विकास दृष्टिकोण और स्थिर राजनीतिक माहौल का हिस्सा बनने के लिए भाजपा परिवार में शामिल हो रहे हैं।

थाने में युवक की आत्महत्या मामले में परिवार और सरकार के बीच सहमति

छह पुलिसकर्मियों को लाइन भेजा, मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी के आश्वासन पर खत्म हुआ धरना-प्रदर्शन

जयपुर। सदर थाने में शनिवार रात को 28 वर्षीय मनीष नाम के एक युवक के फंदा लगाकर आत्महत्या करने के मामले में जयपुर पुलिस कमिश्नर ने थानाधिकारी सहित छह पुलिसकर्मियों को लाइन भेज दिया है। वहीं दूसरी तरफ मृतक का परिवार एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गया। इस दौरान कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास भी मौके पर पहुंच कर परिवार से बात की। परिवार ने जिम्मेदारों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद परिवार और सरकार के बीच सहमति बन गई है।

परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी और विप्र सेना विद्याधर नगर विधानसभा अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ने बताया कि सरकार ने मांगें मानी हैं। सामाजिक संगठन परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद करवा रहे हैं। सरकार से भी आर्थिक मदद का आश्वासन मिल गया है। जिम्मेदार अधिकारी को सस्पैंड कर दिया गया है। मनीष पांडे की पत्नी को संविदा पर नौकरी दी जाएगी। इन बातों पर सहमति हुई है। दरअसल सदर थाने में शनिवार शाम को मनीष पांडे ने आत्महत्या कर ली थी।

एसीपी (सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के रहने वाले मनीष (28) ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है जो वह मानसरोवर के मांग्यावास में किराए से रहता था। शराब के नशे का आदी होने के चलते मनीष वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। शनिवार दोपहर बाइक चोरी करते सदर इलाके में लोगों ने उसे पकड़ कर सदर पुलिस को सौंप दिया था। सदर थाने में केस दर्ज के शराब के नशे में होने के कारण एचएम रुम के पास बैठा दिया था। पुलिसकर्मियों के अपने काम में लगे होने पर मौका पाकर शराब के नशे में मनीष ने कपड़े का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों के कमरे में आने पर मनीष फंदे से लटका मिला था। रात को मनीष पांडे की पुलिस हिरासत में मृत्यु की सूचना के बाद विप्र सेना प्रदेश उपाध्यक्ष विपिन शर्मा, विप्र सेना विद्याधर नगर विधानसभा अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा , विप्र महासभा संस्थापक सुनील उदेईया और परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी एड अपने साथियों के साथ परिजनों के साथ धरने पर बैठ गये। धरने पर पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा व अन्य कई नेता पहुँचे और परिजनों से बात की । विधायक गोपाल शर्मा की मध्यस्थता से विप्र सेना प्रदेश उपाध्यक्ष विपिन शर्मा, विप्र सेना विद्याधर नगर विधानसभा अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ,विप्र महासभा संस्थापक सुनील उदेईया व परशुराम सेना अनिल चतुर्वेदी की पुलिस अधिकारी और प्रशासन से वार्ता के बाद माँगो पर सहमति बनी ।

प्रतापसिंह खाचरियावास ने एक्स पर लिखा कि सदर थाने में एक नौजवान मनीष पांडे, जिसकी 2 छोटी बेटियां है। वो पुलिस की दहशत से तंग आकर आत्महत्या कर लेता है। परिवार दुखी है। राजस्थान की गूंगी-बहरी सरकार से न्याय की गुहार लगा रहा है।

अब जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने इस संबंध में सदर थानाधिकारी सहित 2 एसआई, 2 हेड कॉन्स्टेबल और 1 कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस हिरासत में मौत हुई है। इसे लेकर जांच न्यायिक मजिस्ट्रेट से कराई जाएगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया विमल कटियार का जन्मदिन

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी विमल कटियार का जन्मदिवस अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। यह समारोह जन्मदिवस के साथ-साथ संगठन के समर्पित सेवक, विचारशील मार्गदर्शक और जनसम्पर्क के सशक्त स्तम्भ को सम्मान देने का भी अवसर बना।

कार्यक्रम में पार्टी के अनेक पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं कटियार जी के प्रशंसकों ने भाग लिया। सभी ने उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सशक्त जीवन की मंगलकामना की। समारोह में राजनीतिक समर्पण, संगठनात्मक नेतृत्व और मीडिया रणनीति में कटियार के बहुमूल्य योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख जनों में प्यारे लाल वर्मा, प्रेम नारायण, महेश जोशी, प्रदेश मीडिया कार्यालय प्रभारी चम्पालाल रामावत, योगेश सिंह सिसोदिया, निर्मल सैनी, मुकेश भारद्वाज, मुकेश जैमन, दर्शन सिंह नरूका, प्रिंस भटनागर, योगेश शर्मा, विरेन्द्र कुमार शर्मा, अरूण शर्मा, नयन माधानी, हरिओम वैष्णव, त्रिलोक शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, ओमप्रकाश छीपा, कृष्ण मुरारी शर्मा, सीताराम सैनी, बलराम सिंह शेखावत, गणेश सिंह शेखावत आदि प्रमुख से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर एक आत्मीय वातावरण, केक कटिंग, पुष्पगुच्छ भेंट, और संगठनात्मक विचार-विमर्श के साथ पूरा कार्यक्रम सौहार्द और प्रेरणा का केन्द्र रहा। आयोजन के अंत मे विमल कटियार ने कहा की भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, नैतिक और विचारधारात्मक परिवार है, जहाँ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, उनके अनुभव से सीखने की परम्परा और संगठन की सामूहिक भावना सर्वोपरि है।

भाजपा की सदस्यता 14 करोड़ होने पर मुख्यमंत्री ने बधाई दी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता का 14 करोड़ का ऐतिहासिक आंकड़ा पार करने पर सम्पूर्ण भाजपा परिवार को बधाई दी है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि प्राथमिक सदस्यता का यह नया रिकॉर्ड प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता के गहरे विश्वास को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन और संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता की अथक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता और पार्टी की विचारधारा से जुड़ा हर सदस्य मां भारती की सेवा में दिन-रात समर्पित है। हम सभी एक परिवार के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए काम कर रहे हैं।

- उन्होंने इस रिकॉर्ड को देश की जनता का प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्वास बताया

राष्ट्रीय लोकदल का सम्मेलन 11 को

जयपुर। राष्ट्रीय लोकदल का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन 11 जुलाई को जयपुर के बिरला सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अवसर पर केंद्रीय मंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने हेतु प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना के नेतृत्व में 51 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। समिति में एक कार्यक्रम अध्यक्ष भी नामित किया गया है। रविवार को जयपुर स्थित पार्टी कार्यालय (श्याम नगर) में अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना की अध्यक्षता में आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

बरसात में जनसुविधा बाधित न हो : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को सचिवालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक का मुख्य फोकस बरसात के मौसम में सड़कों व सरकारी भवनों की स्थिति की प्रभावी निगरानी और शिकायतों के त्वरित समाधान पर रहा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि "जनसुविधा में किसी प्रकार की बाधा न आए - यह हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।" उन्होंने निर्देश दिए कि बरसात के दौरान खराब हो रही सड़कों, जलभराव और भवनों की समस्याओं को लेकर राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम तत्काल प्रभाव से स्थापित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। राज्य कंट्रोल रूम बनाया गया। जिसमें नियुक्त अधिकारियों को कंट्रोल रूम का इंचार्ज नियुक्त किया गया है।

- उपमुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए

आमजन इन नंबरों पर संपर्क कर अपनी शिकायतें सीधे दर्ज करवा सकेंगे। केवल राज्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि हर जिले में भी स्थानीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं, जिससे समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने ज़िलाधिकारियों व पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे फील्ड विज़िट कर स्वयं हालात की समीक्षा करें। बैठक में निर्देश दिया गया कि सड़क और भवनों की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की बैठक ली।

कांग्रेस के समय प्रधानमंत्री तक को अहसास नहीं हुआ कि पद की ताकत कलम में निहित है या उसके बाहर : गजेन्द्र शेखावत

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री ने निशाना साधते हुए कहा कि, "कांग्रेस में रिमोट पर सरकार चलने की परंपरा रही है, परन्तु भाजपा में ऐसा नहीं है"

जयपुर । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस में रिमोट पर सरकार चलने की परंपरा रही है, तब तो प्रधानमंत्री तक को कई वर्ष तक यह अहसास नहीं हुआ कि पद की ताकत कलम में निहित है या उसके बाहर।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के प्रदेश भाजपा सरकार पर लगाए गए आरोपों पर रविवार को मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने दो टूक कहा कि कांग्रेस सरकार में कभी फैसले बदल दिए जाते थे, कभी फैसले प्रधानमंत्री और कैबिनेट पर थोप दिए जाते थे, कभी कैबिनेट के फैसलों को मीडिया और पब्लिक के सामने फाडकर उनका उपहास मनाया जाता था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उसकी वजह से कांग्रेस नेताओं को लगता है कि भाजपा की सरकार में भी ऐसा ही होता होगा, लेकिन भाजपा में ऐसी परम्परा नहीं है। जनता द्वारा संवैधानिक व्यवस्था से चुनी गई राजस्थान की डबल इंजन की सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप काम कर रही है।

- राजस्थान की डबल इंजन की सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप काम कर रही : शेखावत

राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र चुनावों को लेकर चुनाव आयोग पर उठाए गए सवालों पर शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी चुनाव में पराजय का रिकॉर्ड बना चुके हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस की जितनी भी पराजय हुई हैं, उसके बाद बेहयाई का लबादा ओढ़कर उसका ट्रीटमेंट करते हैं, केवल अपनी पराजय को छुपाने के लिए। शेखावत ने कहा कि पहले कुछ और कमेंट करते थे और बाद में ईवीएम को घेरना शुरू कर दिया, इस पर जब सुप्रीम कोर्ट की लताड़ लगी तो, वो अब चुनाव आयोग पर सवाल खड़े कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिन संस्थाओं पर जनता को पूर्ण विश्वास है, उन पर सवाल खड़े कर जनता में अविश्वास पैदा करना किसी भी रूप में उचित नहीं है। वह केवल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति करना चाहते हैं, लेकिन अब यह संभव नहीं है, क्योंकि देश की जनता जागरूक हो गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डोटासरा की स्थिति जब भी डमाडोल होती है, वह अपनी आवाज को ऊंची करने के लिए भाजपा और भाजपा सरकार की नीतियों को कोसना शुरू कर देते हैं। वह पहले खुद के गिरेबां में झांकें। शेखावत ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद दो चुनाव हुए, एक उप चुनाव, जिसमें भाजपा एक सीट से पांच सीट तक पहुंची, और दूसरा पंचायती राज के उपचुनाव हुए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता मिली। यहां तक कि डोटासरा के क्षेत्र में भी भाजपा की विजय हुई है।

शेखावत ने कहा कि डोटासरा लॉ इन ऑर्डर की बात करते हैं, अभी 2023 को बीते ज्यादा समय नहीं हुआ है, उस समय की स्थिति का आभास कर लें। राजस्थान में फेलियर ऑफ गवर्नमेंट को देखें तो 2023 से पहले की स्थिति को देखें, और जनता से 2023 से पहले के बारे में बात करें।

केंद्रीय मंत्री में पहलगाम के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों पर किए हमलों के संबंध में कहा कि दुनिया ने इस बात को स्वीकार किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी संप्रभुता की रक्षा की और पूरी दुनिया ने यह बात स्वीकारी।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने जर्मनी में किया योग

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सनातन संस्कृति से विश्व बंधुत्व की भावना का विकास होगा। उन्होंने कहा कि जर्मनी में निवास कर रहे प्रवासी भारतीयों को घरों में भारतीय संस्कृति का वातावरण बनाए रखना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने रविवार को बर्लिन में आयोजित एक समारोह में जर्मनी में भारतीयों के राष्ट्रवादी, सनातन और स्वयंसेवी संगठनों से मुलाकात की। जर्मनी के भारतीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्री देवनानी का अभिनंदन किया। देवनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल परंपरा ही नहीं है बल्कि यह मानव की जीवन शैली है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व को वसुधैव कुटुंबकम की भावना से जोड़ती है। देवनानी ने जर्मनी में प्रवासी भारतीयों का आव्हान किया कि वे भारतीय संस्कारों और मूल्य परंपराओं को सहजे और विश्व में भारत की गौरव गाथा को आगे बढ़ाएं।

धरातल पर उतरने लगी सीएम भजनलाल सरकार की घोषणाएं

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा 2025-26 की 50 प्रतिशत से ज्यादा की पालना पशुपालन विभाग ने महज चार माह में ही पूरी कर ली है। इसके लिए विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के प्रयास सराहनीय रहे हैं। उन्होंने बताया कि बजट वर्ष-2024-25 में पशुपालन विभाग के चिकित्सालयों के क्रमोन्नत या नए उप केंद्र खोलने की बात हो वे घोषणाएं शत-प्रतिशत पूरी हो चुकी हैं।

इसी तरह बजट 2025-26 की घोषणाओं की बात करें तो अब तक 50 फीसदी से ज्यादा घोषणाएं पूरी की जा चुकी हैं। बजट घोषणा-2025-26 के संबंध में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार पशुपालन विभाग ने अब तक 25 बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय, 50 पशु चिकित्सालयों के क्रमोन्नत की वितीय व प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी है। इसके तहत नागौर के डेगाना, डीडवाना कुचामन के मकराना, खैरथल तिजारा के मुंडावर, जालौर के सांचोर, भीलवाड़ा के शाहपुरा व गंगापुर, जयपुर के दूदू, झुंझुनु जिले के बगड़, धौलपुर जिले के गांव बाड़ी के प्रथम श्रेणी चिकित्सालय को बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया गया है। इन क्रमोन्नत बहुउदेशीय चिकित्सालयों के लिए उपनिदेशक, पशु चिकित्सा अधिकारी, कनिष्ठ सहायक, एक्स-रे टैक्नीशियन व पशुधन परिचर सहित कुल 116 पद सृजित किए गए हैं।

पशुपालन मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने बताया कि बजट वर्ष-2024-25 में 25 प्रथम श्रेणी से बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय, 50 पशु चिकित्सालय से प्रथम श्रेणी चिकित्सालय तथा 100 उप केंद्रों को पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया गया था। साथ ही प्रदेश में 500 नए उप केंद्र खोलने की स्वीकृति जारी की गई थी। जोराराम कुमावत ने बताया कि पशुपालन विभाग के शासन उप सचिव संतोष करोल ने 50 पशु चिकित्सा उपकेंद्रों को पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नत के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने क्रमोन्नत चिकित्सालयों के लिए पशु चिकित्सा अधिकारी व पशुधन परिचर के कुल 92 नए पदों की प्रशासनिक व वितीय स्वीकृत दे दी है।

खाद-बीज गोदाम पर छापा, 50 करोड़ से अधिक का डीएपी व अन्य उर्वरक बरामद

इतनी बड़ी मात्रा में खाद का गोदाम में होना संदेहास्पद है : कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा

- **अवैध रूप से स्टॉक की गई डीएपी के गोदाम में 32 हजार कट्टे बरामद हुए, कोरोमंडल कंपनी का डीएपी और अन्य उर्वरक बड़ी मात्रा में स्टॉक में मिला**
- **मंत्री मीणा डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने मौके पर ही कृषि विभाग के अधिकारियों को बुलाया, स्टॉक रजिस्टर और रिकॉर्ड जब्त करवाए**

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के सूरतगढ़ में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने रविवार सुबह सूरतगढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक खाद-बीज गोदाम पर छापा मारा। यह गोदाम इफ्को बाजार के नाम से संचालित है। यहां कोरोमंडल कंपनी का डीएपी और अन्य उर्वरक बड़ी मात्रा में स्टॉक में मिला। प्रारंभिक जांच में करीब 32 हजार कट्टे बरामद हुए। इनकी अनुमानित कीमत 50 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। यह वही खाद है जो किसानों को पहले ही वितरित की जानी थी, लेकिन यह गोदाम में दबा रखा गया। मंत्री मीणा ने मौके पर ही कृषि विभाग के अधिकारियों को बुलाया। स्टॉक रजिस्टर और रिकॉर्ड जब्त करवाए।

मंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में खाद का गोदाम में होना संदेहास्पद है। इसमें कालाबाजारी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस कार्रवाई से खाद-बीज कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। यह गोदाम सूरतगढ़ के रीको क्षेत्र में स्थित है। यहां पहले भी स्टॉक हेराफेरी और भंडारण अनियमितताओं की शिकायतें मिल चुकी हैं। कृषि विभाग की टीमें मौके पर रुककर रिकॉर्ड की जांच कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि मामले की गहराई से जांच होगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। डॉ. मीणा की यह कार्रवाई पिछले कुछ महीनों में की गई छापों की श्रृंखला का हिस्सा है। इसका उद्देश्य किसानों को राहत देना और बिचौलियों की कालाबाजारी पर रोक लगाना है। मंत्री की मौजूदगी और कार्रवाई के बाद प्रशासनिक अमला भी सतर्क हो गया है। अब खाद आपूर्ति की पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने की तैयारी शुरू हो गई है।

भीलवाड़ा में तीन खाद फैक्ट्रियों पर कार्रवाई

- **ओस्तवाल फास्केम लिमिटेड, गायत्री स्पिनर एवं मंगलम इंडियन पोटाश फैक्टरी के खाद कारखाने में सर्वे किया**
- **कारखाने में खाद बैग के रखरखाव में खामियां, खाद बैगों को बरसात के पानी से सुरक्षा में कमी पाई गई, कारण बताओ नोटिस जारी किया**

भीलवाड़ा में जयपुर और भीलवाड़ा की विभागीय टीम ने तीन खाद फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की।

भीलवाड़ा, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के निर्देशों के बाद भीलवाड़ा में जयपुर और भीलवाड़ा की विभागीय टीम ने तीन खाद फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की।

विनोद कुमार जैन संयुक्त निदेशक कृषि विभाग, भीलवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग की जयपुर एवं भीलवाड़ा के अधिकारियों द्वारा हमीरगढ़ क्षेत्र में स्थित ओस्तवाल फास्केम लिमिटेड, गायत्री स्पिनर एवं मंगलम इंडियन पोटाश फैक्टरी के खाद कारखाने में सर्वे कर सैंपल लिए गए। जयपुर में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक नवलकिशोर मीणा, राजपाल सिंह सहायक निदेशक तथा भीलवाड़ा कृषि विभाग के उपनिदेशक शंकर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में हुई जांच पड़ताल में कारखाने में खाद बैग के रखरखाव में खामियां, खाद बैगों को बरसात के पानी से सुरक्षा में कमी पाई गई, जिस पर विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ आईपीएल फैक्टरी से 38 हजार बैग की बिक्री पर रोक लगाई गई है। वहीं ओस्तवाल फैक्टरी पर कुछ बैग की बिक्री रोकने के साथ ही तीनों फैक्टरियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एक लाख का इनामी बदमाश चीमाराम मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

- **बदमाश इतना शातिर है कि छह बार पुलिस टीम को चकमा दे चुका था**
- **तस्कर के खिलाफ राजस्थान के विभिन्न थानों में 15 मामले दर्ज हैं, तीन बार जेल जा चुका है**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज की स्पेशल साइक्लोनर टीम ने एक लाख के इनामी बदमाश को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। तस्कर चीमाराम (30) पिछले 6 साल से फरार चल रहा था। बदमाश इतना शातिर है कि छह बार पुलिस टीम को चकमा दे चुका था। जब पुलिस पीछा करती तो गाड़ी तेज भगाकर पुलिस को उलझाता और पीछे से मादक पदार्थ की खेप पार करवा देता था। आरोपी मादक पदार्थ से भरे ट्रक को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 20 हजार से लेकर एक लाख रुपए तक लेता था। बड़े तस्कर चीमाराम को अपने साथ जोड़ने के लिए नीलामी करते थे। जो सबसे ज्यादा पैसे देता, बदमाश उसी के साथ काम करता था।

साइक्लोनर टीम ने उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाया। टीम के सदस्यों ने खुद को तस्कर का गुर्गा बताया और मादक पदार्थ की डील के बहाने होटल में बुलाया। बदमाश मिलने आया तो उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने पर बदमाश ने पहले अपनी पहचान छिपाई, लेकिन बाद में स्वीकार कर ली। पुलिस उसे लेकर जोधपुर पहुंची है। उससे पूछताछ की जा रही है। जोधपुर रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि साइक्लोनर टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में 6 साल से फरार चल रहे एक लाख रुपए के इनामी कुख्यात तस्कर चीमाराम (30) को पकड़ा है। साइक्लोनर टीम के गठन के बाद 116वां आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आया है। आईजी ने बताया कि तस्कर चीमाराम ने 5वीं तक पढ़ाई की। पढ़ाई में मन नहीं लगने पर पानी का टैंकर चलाने लगा। साथ ही ट्रैक्टर चलाकर करतब दिखाने लगा। इस दौरान वह तस्करों के संपर्क में आ गया। आरोपी इतना शातिर है कि नशे के वाहन को एस्कॉर्ट करता था। पुलिस को देखकर आरोपी गाड़ी तेज भगाकर ले जाता। पुलिस उसे पकड़ने में लगी रहती तब तक मादक पदार्थ की खेप पार हो जाती थी।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि तस्कर चीमाराम के खिलाफ राजस्थान के विभिन्न थानों में 15 मामले दर्ज हैं। वह तीन बार जेल जा चुका है। 2015 में धोरीमन्ना, 2016 में बाड़मेर सदर, 2018 में नागाणा और 2019 में पाली के सुमेरपुर और बाड़मेर के शिव इलाके में पुलिस पर फायरिंग भी कर चुका है। होटल में चाय पीते समय पुलिस टीम ने आरोपी से नशीले पदार्थों की डील की बातचीत की और फिर उसे गिरफ्तार किया। विकास कुमार ने बताया कि चीमाराम ने अपनी शुरुआत विरधाराम और श्रीराम बिश्नोई जैसे तस्करों के साथ की थी। उसका नेटवर्क मारवाड़ से मेवाड़ तक फैला था। आरोपी सिर्फ इंटरनेट कॉल का इस्तेमाल करता था और साउथ के राज्यों में छुपकर रहता था। आरोपी ट्रकों पर घूम-घूम कर तस्करी करता और आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करता था। जयपुर और उदयपुर रेंज पुलिस ने 50-50 हजार का इनाम घोषित किया था। कोर्ट ने स्थायी वारंट भी जारी किए थे। आईजी ने बताया कि पुलिस ने एक साल तक चले ऑपरेशन में कई बार दबिश दी। गृह प्रवेश, बेटे के जन्म पर गांव में, नीमच के होटल में, गुजरात में नए साल पर, नागपुर में ट्रक पर और जैसलमेर में बहन के ससुराल में दबिश दी, लेकिन हर बार वह बच निकला।

बीकानेर : एक ही दिन में कोरोना के पांच पॉजीटिव केस मिले

- **नर्सिंग हॉस्टल की अब तक पांच छात्राएं कोरोना पॉजीटिव आ चुकी हैं**

बीकानेर, (निसं)। कोरोना के एक दिन में पांच केस रिपोर्ट हुए हैं। इनमें चार पीबीएम हॉस्पिटल के नर्सिंग हॉस्टल की छात्राएं हैं, जिन्हें घर भेज दिया गया है। नर्सिंग हॉस्टल की अब तक पांच छात्राएं कोरोना पॉजिटिव आ चुकी हैं। यहा आई रिपोर्ट में एक युवती करणी नगर की रहने वाली है।

जिले में कोरोना अब तक 18 पॉजिटिव मरीज रिपोर्ट हो चुके हैं। बीकानेर का एक मरीज अप्रैल में जयपुर के एक निजी हॉस्पिटल में पॉजिटिव आया था। उसके बाद सभी केस मई और जून माह में आए हैं। पीबीएम के नर्सिंग हॉस्टल की पिछले दिनों एक छात्रा पॉजिटिव आई थी। उसे घर भेज दिया गया। उसके बाद 15 छात्राओं की जांच में से एक भी पॉजिटिव रिपोर्ट नहीं हुई। शुक्रवार को कुल 34 मरीजों की जांच हुई थी, जिनमें 31 नर्सिंग हॉस्टल की छात्राएं थीं। इनमें से चार के कोरोना पॉजिटिव आ गया। पांच छात्राएं कोरोना पॉजिटिव आने के बाद अन्य छात्राओं में चिंता बढ़ गई है। जीएनएम और बीएससी की मिलाकर हॉस्टल में करीब 170 छात्राएं हैं। जीएनएम स्कूल प्रिंसिपल एवं हॉस्टल प्रभारी अब्दुल वाहिद ने बताया कि पॉजिटिव आई छात्राओं को घर भेज दिया गया है। इसके अलावा जिन छात्राओं में सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी के लक्षण नजर आ रहे हैं उन सभी की जांचें कराई जा रही हैं। छात्राओं से कह दिया गया है कि वे चाहें तो अपने घर जाकर आराम कर सकती हैं। हालांकि, कोरोना का वायरस अब बिल्कुल नॉर्मल है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है।

एसीबी एसपी से हाइवे पर दो जिलों के पुलिसकर्मियों ने रिश्वत मांगी

- **पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को रोककर ड्राइवर से दो हजार रुपए की रिश्वत मांगी, ड्राइवर ने गाड़ी में बैठे एसपी के कहने पर कम-ज्यादा करवाकर पांच सौ रुपए थमा दिए**
- **वहीं चूरू जिले की सीमा में हाइवे पर पुलिसकर्मियों ने रिश्वत मांगी। ड्राइवर ने 500 का नोट थमाया तो एसपी गाड़ी पुलिसकर्मियों को हिदायत देकर रवाना हो गये, मामला सात दिन पहले का बताया**

बीकानेर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एसपी से बीकानेर और चूरू जिले में हाइवे पर पुलिसकर्मियों द्वारा दो जगह रिश्वत मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीकानेर एसपी ने चार पुलिसकर्मियों को लाइनहाजिर किया है।

एसीबी के एसपी प्रशासन निजी कार में सवार होकर बीकानेर से जयपुर जा रहे थे। हल्दीराम प्याऊ के पास पुलिसकर्मियों ने उनकी गाड़ी को रोका और ड्राइवर को धमकाकर दो हजार रुपए की रिश्वत मांगी। ड्राइवर ने गाड़ी में बैठे एसपी के कहने पर कम-ज्यादा करवाकर पांच सौ रुपए थमा दिए। उसके बाद ब्यूरो के एसपी गाड़ी से बाहर निकले और मौके पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों ने उन्हें देखा तो होश उड़ गए। एसपी ने पुलिसकर्मियों को लाइन में खड़ा कर उनको फटकार लगाई और उन्हें आमजन के साथ ज्यादती नहीं करने की हिदायत दी।

ब्यूरो के एसपी ने मामले को वहीं चलता किया, लेकिन टीआई को हालात बता दिए। उसके बाद एसपी चूरू जिले की सीमा में पहुंचे तो वहां भी हाइवे पर उनकी कार रोक ली गई और पुलिसकर्मियों ने रिश्वत मांगी। ड्राइवर ने 500 का नोट थमाया तो एसपी गाड़ी से बाहर निकले और पुलिसकर्मियों को हिदायत देकर रवाना हो गए। बाद में एसपी से रिश्वत मांगने की जानकारी बीकानेर एसपी कावेन्द्रसिंह सागर को मिली तो उन्होंने हेड कांस्टेबल कानदान, कांस्टेबल सुनील कुमार, शंकरलाल, मनोज कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने एसीबी के एसपी से रिश्वत मांगने का मामला छिपाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन मीडिया ने इसे आमजन के समक्ष उजागर कर दिया। इससे पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। मामले के सात दिन बाद पुलिसकर्मियों को केवल लाइन हाजिर करना पुलिस अधिकारियों पर भी सवाल खड़ा करता है।

हादसे में दो मिस्त्रियों की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। रिद्धि-सिद्धि प्रथम कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान का छज्जा गिर जाने से दो मिस्त्रियों की मौत हो गई। हादसा शाम पांच से छह बजे के बीच का बताया गया है। दोनों मृतक केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र के गांव अरायण निवासी हैं। जेसीबी के जरिए दोनों मिस्त्रियों को मलबे से बाहर निकाला। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। शव रात को घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। हालांकि हादसे की सूचना सदर पुलिस को नहीं दी गई। अरायण निवासी 55 वर्षीय मिट्ठूसिंह पुत्र बूटासिंह तथा 21 वर्षीय हरदीपसिंह पुत्र जोगेंद्रसिंह उर्फ भट्टी की इस हादसे में मौत हो गई है। बताया गया है कि रिद्धि-सिद्धि प्रथम में बाइपास की तरफ मकान का काम काफी दिनों से चल रहा है। इसकी दूसरी मंजिल का छज्जा शाम को अचानक गिर गया। हादसे में दोनों मिस्त्री मलबे में दब गए।

नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रागपुरा थाना पुलिस ने ठगी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। प्रागपुरा थाना पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला 30 सितंबर 2024 का है, जब दाताराम, रामनिवास, धर्मेंद्र उर्फ सड्डा ने पीड़ित रमेश कुमार को नौकरी दिलाने का झांसा दिया व 5 लाख रुपए हड़प लिए।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ राजन दुष्यंत ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए आसूचना संकलन करते हुए अभियुक्त धर्मेंद्र उर्फ सड्डा पुत्र लालाराम निवासी अजबपुरा थाना नारायणपुर, दाताराम पुत्र छीतरमल निवासी हाड़ापुरा की ढाणी तन मुंडावरा थाना नारायणपुर को गिरफ्तार किया गया है।

प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि 30 सितंबर 2024 को परिवादी रमेश कुमार पुत्र मुराराम निवासी चांदोली हाल रामविहार कॉलोनी पावटा ने मामला दर्ज करवाया था कि दाताराम, रामनिवास, धर्मेंद्र उर्फ सड्डा ने नौकरी दिलाने का झांसा दिया व पांच लाख रुपए हड़प लिए। जिस पर बीएनएस में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

तीन लाख की स्मैक पकड़ी

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से तीन लाख की 35 ग्राम स्मैक बरामद की है। आरोपियों से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि विशेष टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित बालाजी होटल के समीप नाकाबंदी कर शक्तिसिंह व पवन सैनी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 35 ग्राम स्मैक बरामद की है।

सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत

मोर्चरी में डीप फ्रिज नहीं होने से दो दिन शव को बर्फ पर रखना पड़ा

नारायणपुर, (निसं)। नारायणपुर-अलवर सड़क मार्ग पर गांव बैरावास के पास 20 जून की रात करीब 11 बजे हुए सड़क हादसे में एक ट्रक चालक की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को एंबुलेंस की मदद से नारायणपुर के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान नारायण लाल (31) पुत्र रामा बरगोट निवासी धावड़ा पाड़ा जगपुरा थाना मोटागांव जिला बांसवाड़ा के रूप में हुई है। वह जयपुर से ट्रक में सरिया भरकर अलवर जा रहा था। रास्ते में गांव बैरावास के पास ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे नारायण लाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस द्वारा सूचना देने के बावजूद मृतक के परिजनों को अपने गांव से नारायणपुर पहुंचने में दो दिन का समय लग गया। इस दौरान शव को पुलिस की निगरानी में नारायणपुर सीएचसी की मोर्चरी में रखा गया। पुलिस ने 22 जून की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

वहीं नारायणपुर की आदर्श सीएचसी में मोर्चरी में डीप फ्रिज की सुविधा न होने के कारण मृतक नारायण लाल के शव को गर्मी में सुरक्षित रखने के लिए बर्फ की सिल्लियों का सहारा लेना पड़ा। दो दिन तक शव के चारों ओर लगातार बर्फ लगाई जाती रही ताकि डेड बॉडी खराब न हो। स्थानीय लोगों ने मोर्चरी में तत्काल डीप फ्रिज सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

जालोर और पाली में तेज बारिश होने से सड़कों पर पानी भरा

- **रानीवाडा क्षेत्र में 50 मिमी बारिश से नदी-नालों और तालाबों में पानी की आवक**
- **धानोल की केरली नाडी लबालब भर गई और ओवरफ्लो हो गई**

पाली में बारिश से कस्बे की सड़कों पर जलभराव हो गया।

जालोर/पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में दो दिन से रिमझिम बारिश के बाद के रविवार दोपहर करीब एक घंटे जमकर बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया। शहर के लोढ़ा स्कूल रोड, बांगड़ हॉस्पिटल गेट, मांड्या रोड रामदेव रोड, आदर्श नगर शाहिद इलाकों में एक फीट तक पानी भर गया। दिनभर जिले में कई इलाकों में बारिश हुई व लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। तेज बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया। बारिश का दौर करीब एक घंटे तक चला।

बारिश से नदी नालों में पानी आने लगा :-जालोर जिले के रानीवाडा में रविवार को मानसून की दूसरी सबसे अच्छी बारिश दर्ज की गई। सुबह 6.15 बजे से शुरू हुई बारिश दोपहर 11 बजे तक रुक-रुक कर जारी रही। क्षेत्र में 50 मिमी बारिश से नदी-नालों और तालाबों में जोरदार आवक हुई। धानोल की केरली नाडी लबालब भर गई और ओवरफ्लो हो गई। जाखडी नदी और रामपुर सिलासन की नदी में भी पानी का तेज बहाव देखा गया।

सुबह 5.30 बजे से ही आसमान में घने बादल छाए रहे। इससे पहले अंधेरा छाया और फिर तेज बारिश शुरू हुई। बारिश से कस्बे की सड़कों पर जलभराव हो गया। इससे जनजीवन प्रभावित हुआ। क्षेत्र के सभी नदी-नालों में तेज बहाव से किसानों में खुशी का माहौल है। ग्रामीण अंचल के किसानों के चेहरों पर भी इस बारिश से मुस्कान देखी गई।

राज्य सरकार प्रदेश के विद्युत तंत्र को लगातार मजबूत कर रही है : ऊर्जा मंत्री

नागौर जिले में ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने एक साथ चार ग्रिड सब स्टेशनों का लोकार्पण और पांच जीएसएस का शिलान्यास किया।

नागौर। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के विद्युत तंत्र को लगातार मजबूत कर रही है। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपभोक्ताओं को ट्रिपिंग रहित विद्युत आपूर्ति के लिए सरकार कोई कमी नहीं रख रही है। नागर रविवार को नागौर जिले में 33/11 केवी के चार जीएसएस के लोकार्पण तथा पांच ग्रिड सब स्टेशनों के शिलान्यास समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने मात्र डेढ़ साल में ही प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। जिले में एक साथ 4 ग्रिड सब स्टेशन का लोकार्पण और 5 जीएसएस का शिलान्यास कर नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने हिलोड़ी गांव में नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस का लोकार्पण किया। ऊर्जा मंत्री नागर के साथ खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने ऊर्जा मंत्री का स्वागत किया।

अधीक्षण अभियंता अशोक चौधरी ने बताया कि हिलोड़ी में 1 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत से 33/11 केवी जीएसएस बनकर तैयार हुआ है। इस जीएसएस के बनने से हिलोड़ी और गोल्यासनी समेत आसपास के 2 दर्जन गांवों को फायदा मिलेगा। साथ ही सैनणी गांव की कई ढाणियों को भी सुचारू विद्युत आपूर्ति का फायदा होगा। पहले इन गांवों में संखवास पावर हाउस से बिजली सप्लाई की जाती थी, लेकिन अब हिलोड़ी में पावर हाउस बनने से बिजली का लोड भी कम होगा, जिससे ट्रिपिंग की समस्या भी खत्म होगी। हिलोड़ी में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री नागर ने झालों की ढाणी, भोमासर और साटिका खुर्द 33/11 केवी जीएसएस का भी लोकार्पण किया तथा खजवाना, भोजास, गोदारों की ढाणी, कालियास और मुंदियाड़ में 33/11 केवी जीएसएस का शिलान्यास किया। गौरतलब है कि अगले 6 महीने में ये 5 विद्युत सब स्टेशन बनकर तैयार होंगे।

जे.डी.ए. से रिलीव होने के 13 दिन बाद भी दिनेश कूकना ने नहीं संभाली जलदाय विभाग की कुर्सी

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव के आदेशों की पालना की भी परवाह नहीं की

-कार्यालय संवाददाता-

- **हाऊसिंग बोर्ड में भी एक्स.ई.एन. रामनिवास सिंघल और गीताराम मीणा कोर्ट स्टे की आड़ में पुरानी कुर्सी पर कार्यरत**
- **हैरानी की बात है कि पिछले 6 माह में जलदाय विभाग ने इन अफसरों द्वारा ट्रिब्यूनल से लिया गया स्टे खारिज करवाने का कोई प्रयास ही नहीं किया**

जयपुर । जेडीए से रिलीव होने के बाद भी जलदाय इंजीनियर दिनेश कूकना अपनी मनमर्जी चलाने में लगे है, शायद इसीलिए बीते 13 दिनों में उन्होंने अधिशाषी अभियंता, कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) का पदभार नहीं संभाला है। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे उन्हें जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के आदेशों की कोई परवाह ही नहीं है।

यूँ तो गत 15 जनवरी को ही जलदाय विभाग ने दिनेश कूकना समेत 234 अधिकारियों का तबादला किया था। परंतु इस आदेश की पालना करने के बजाय कुछ इंजीनियर्स कोर्ट स्टे लेकर अपनी पुरानी कुर्सी पर ही बने रहना चाहते थे। इनमें जेडीए के इंजीनियर दिनेश कूकना और राजस्थान आवासन मंडल के एक्स.ई.एन रामनिवास सिंघल और लखन सिंह मीणा थे। हालांकि करीब 5 माह बाद लखन सिंह तो अपने नए पद पर चले गए, परन्तु ट्रिब्यूनल स्टे की आड़ लेकर सिंघल वहीं रह गए। इसके साथ ही एक अन्य इंजीनियर गीताराम मीणा भी अब कोर्ट स्टे की आड़ में हाउसिंग बोर्ड में टिके हुए है, परन्तु इन सभी के खिलाफ ना तो जलदाय विभाग ने कोई एक्शन लिया और ना ही कोर्ट स्टे हटवाने का प्रयास किया।

उधर जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत की कड़ी नाराजगी और जेडीसी को लिखे पत्र के बाद, आयुक्त आनंदी ने गत 9 जून को दिनेश कूकना को जेडीए से रिलीव कर दिया था, परन्तु कूकना ने आज तक जलदाय विभाग के आदेश की पालना नहीं की। ऐसे में अधिशाषी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) जयपुर का पद आज भी खाली पड़ा हुआ है। पिछले 5 माह में कूकना ने अपना ट्रांसफर रुकवाने के लिए कई जतन किये। पहले "राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर" से स्टे लेना चाहा, वहां बात नहीं बनी तो राजस्थान उच्च न्यायालय पहुंच गए, वहां फटकार पड़ी तो रिट याचिका वापस ली। इस बीच अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत की नाराजगी के बाद जेडीए ने 9 जून को उन्हें रिलीव किया।

इस रिलीव आदेश में भी साफ़ लिखा था कि, "जलदाय विभाग के संयुक्त शासन सचिव प्रथम की ओर से 15 जनवरी के तबादला आदेश और अतिरिक्त मुख्य सचिव के 28 मई के पत्र की पालना में जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापित दिनेश कुमार कूकना को अधिशाषी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्लू) के लिए कार्य मुक्त किया जाता है।"

इसी प्रकार राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की बात करें तो वहां कार्यरत अधिशाषी अभियंता रामनिवास सिंघल का तबादला 15 जनवरी के इसी आदेश में आर.यू.आई.डी.पी. में किया गया था, परन्तु सिंघल भी यह कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते थे। इसलिए सिंघल ने जलदाय विभाग को आँखे दिखाते हुए तबादला आदेश के खिलाफ "राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर" में अपील दायर कर दी। इसमें सिंघल की ओर से कहा गया कि, वह राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं और जलदाय विभाग ने उनका तबादला आर.यू.आई.डी.पी. में करने से पूर्व उनसे सहमति प्राप्त नहीं की, जो कि गलत है। इस पर ट्रिब्यूनल अध्यक्ष विकास सीतारामजी भाले ने जनवरी माह के आदेश पर स्टे दे दिया, परन्तु उन्होंने साथ में यह भी कहा कि जलदाय विभाग नियमानुसार नए सिरे से स्थानांतरण करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिसमे यह स्थगन आदेश बाधक नहीं होगा। ऐसे में जलदाय विभाग के पास अन्य आदेश जारी करने की पूरी छूट दी, परंतु विभाग के अफसरों ने ऐसा कोई कदम ही नहीं उठाया।

जब इस पूरे मामले की भनक जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी को लगी तो उन्होंने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 15 जनवरी के तबादला आदेशों की 100 प्रतिशत पालना सुनिश्चित करवाने के आदेश दिए। जिस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत ने संयुक्त शासन सचिव को इस सम्बन्ध में एक्शन लेने को कहा।

परन्तु हैरानी की बात यह है कि 6 माह का समय बीत जाने के बाद भी जलदाय विभाग ने ना तो स्टे लेने वाले अफसरों के खिलाफ कोई अदालती पैरवी कर स्टे हटवाने का प्रयास किया और न ही इनके खिलाफ कोई एक्शन लिया। इसका असर यह हुआ कि राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने जब जलदाय विभाग के 3 इंजीनियर्स गीताराम मीणा, सुदर्शन दयाल और रामकेश मीणा की प्रतिनियुक्ति सेवाएं रद्द की तो उनमें से एक एक्सईएन गीताराम मीणा भी ट्रिब्यूनल से स्टे ले आए। अब हालत यह है कि कोर्ट स्टे की आड़ में यह इंजीनियर्स अपनी पुरानी कुर्सी ही संभाले बैठे है।

चलती ट्रेन से गिरने से युवक की मौत

जयपुर । बिंदायका इलाके में रविवार को रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव पडा मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की चलती ट्रेन से नीचे गिरने से पोल से सिर टकराने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवा कर मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। एसआई मोहन सिंह ने बताया कि हादसा धानक्या रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित रेलवे फाटक के पास हुआ। जहां रविवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास युवक की लहूलुहान हालत में लाश मिलने पर सनसनी फैल गई। मौके पर जुटी भीड़ ने पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। पुलिस ने सूचना पर पहुंचकर मौका-मुआयना किया। मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी।

विपिन गोयल बने संरक्षक

जयपुर । राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ की ओर से जयपुर के एक होटल में स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के कई जिलों से महासंघ के सदस्य और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। महासंघ प्रदेश अध्यक्ष रमन पारीक ने बताया कि समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों के सर्वसम्मत निर्णय अनुसार सरदारशहर निवासी निजी सचिव विपिन गोयल को महासंघ का आजीवन संरक्षक मनोनीत किया गया। संरक्षक मनोनीत होने पर गोयल ने महासंघ को पूर्व की भांति हरसंभव सहयोग करने की वचनबद्धता प्रकट की और 21 सितंबर 2025 को बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय संगम कार्यक्रम की सफलता का आव्हान किया। पारीक ने बताया कि विशेष अनुरोध पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डीओपी सेक्रेटरी के.के.पाठक और भाजपा प्रवक्ता अपूर्वा सिंह ने भी स्नेह मिलन समारोह में अतिथि के रूप में भाग लिया। महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार जटिया ने समारोह में पधारे हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया।

टूटी सड़कों पर पेचवर्क करवायेगा जे.डी.ए. प्रशासन

जयपुर । मानसून की पहली बारिश में उधड़ी सड़कों को सुधारने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन जुट गया है। जल्द ही शहरभर में पेचवर्क का कार्य शुरू किया जायेगा, ताकि आमजन को सड़कों में बने गड्ढों से निजात दिलाई जा सके।

आयुक्त आनंदी ने बताया कि जयपुर शहर में गत दिनों हुई वर्षा के चलते कई प्रमुख रास्तों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयी है, इससे आवागमन में लोगों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। इस स्थिति को देखते हुए क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए पेचवर्क करवाने के निर्देश दिए गए है। जेडीए की प्राथमिकता है कि शहरवासियों को बेहतर सड़कें उपलब्ध कराई जाएं। पेच रिपेयर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू संचालन हो रहा है।

तीन पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित 9 पर आरोग्य पथ जाम करने का मामला दर्ज

जयपुर । जोधपुर के डॉ. राकेश बिश्नोई खुदकुशी मामले को लेकर सरकार ने परिजनों की मांगें मान ली और उसके बाद मामला शांत हो गया है। लेकिन इस मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन करने वाले युवा नेताओं की मुश्किलें फिलहाल खत्म होती नहीं दिख रही है। सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने एसएमएस थाने में एक मुकदमा दर्ज किया है। इसमें तीन पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित नौ लोगों को आरोपी बनाया है।

एसएमएस थाने में दर्ज इस मामले की जांच मोतीडूंगरी थानाधिकारी अजयकांत रतूड़ी को सौंपी गई है। एसएमएस थानाधिकारी बलवीर सिंह ने बताया कि डॉ राकेश बिश्नोई की मौत के मामले में पिछले दिनों एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान 21 जून को पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी, अनिल चौपड़ा, विनोद जाखड़, श्रवण चौधरी, सोहन जांगिड़, शोएब, विकास विधुड़ी, कुलदीप चारण और जय राव ने अपने समर्थकों से आरोग्य पथ जाम करने का आव्हान किया। इसके बाद आरोग्य पथ करीब पांच घंटे जाम रखा गया। जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी हुई। गौरतलब है कि डॉ. राकेश बिश्नोई के खुदकुशी मामले में परिजनों को न्याय दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर पिछले दिनों एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान टैंट लगाने की बात को लेकर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी और पुलिस के बीच गहमा-गहमी भी हुई थी। हालांकि, बाद में परिजनों और सरकार के बीच सहमति बनने पर धरना-प्रदर्शन खत्म हो गया। धरना-प्रदर्शन को लेकर मुकदमा दर्ज होने के बाद निर्मल चौधरी सहित अन्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या

- **जयसिंहपुरा खोर इलाके में दिनदहाड़े हुई वारदात**

जयपुर । जयसिंहपुरा खोर इलाके में पत्थर से सिर कुचलकर एक युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने हत्या में प्रयोग किए खून से सने मिले मोटे पत्थर को जब्त किया है। पुलिस ने सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस जानकारी में सामने आया कि ड्यूटी पर जाते समय बदमाशों ने जानलेवा हमला किया था। हमला करने वाले बदमाश युवक की पत्नी के रिश्तेदार हैं, जो लव मैरिज करने से नाराज थे। पुलिस हत्या के शक में ससुराल पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर सैकंड) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर के पशु हटवाड़ा निवासी 27 वर्षीय गोविंद प्रजापत की हत्या हुई है। सालभर पहले उसने परसवाली ढाणी निवासी पायल सैनी से लव-मैरिज की थी। उसके बाद गोविंद अपनी पत्नी पायल के साथ परसवाली ढाणी के पास सप्तऋषि कॉलोनी में मकान बनाकर रह रखा था। गोविंद के घर और ससुराल में सिर्फ एक किलोमीटर की दूरी थी। पिछले लम्बे समय से गोविंद जलेब चौक के पास चाय की दुकान चला रहा था। जो शनिवार को रोज की तरह गोविंद बाइक लेकर घर से निकला था। दुकान पर जाते समय अज्ञात हमलवारों ने पशु हटवाड़ा चौकी के पास घेर कर गोविंद पर हमला किया। दिनदहाड़े हमलावरों ने रोड पर पटककर गोविंद से मारपीट करते हुए पत्थर से गोविंद का सिर कुचलकर हत्या कर दी। लोगों की सूचना पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही हत्यारे फरार हो गए। पुलिस को गोविंद के पास एक बैग मिला। जिसमें पासबुक, पैसे और गले में पहनने का जंतर है। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए। लाश के पास मिले खून से सने बड़े पत्थर को जब्त किया गया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। वहीं हत्या के संबंध में आरोपितों की पकडने के लिए एसीपी चंद्र प्रकाश के नेतृत्व में आधा दर्जन का गठन किया गया है और साथ ही सदिग्धों को हिरासत में लकर पूछताछ की जा रही है। इस मामले में जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करेगी। थानाधिकारी मुकेश मीना ने बताया कि मृतक की मां रजनी प्रजापत ने गोविंद के ससुराल पक्ष के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है कि गोविंद और पायल ने अपनी मर्जी से लव-मैरिज की थी। इससे पायल के घरवाले नाराज चल रहे थे। उन्होंने कई बार गोविंद और हमारे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। उन्हे शक है ड्यूटी जाते समय गोविंद ही हत्या रणजीत, ओमप्रकाश, अजय व उनके अन्य परिवार वालों ने मिलकर की है। पुलिस ने हत्या के शक में गोविंद के सुसराल पक्ष के कुछ लोगों को पकड़ा

आमसभा में होटल-रेस्टोरेंट प्रतिनिधियों ने किया संवाद

जयपुर (कासं)। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ने शनिवार को आईटीसी राजपुताना, जयपुर में अपने 35वें स्थापना दिवस और वार्षिक आम सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर राज्यभर से प्रमुख होटल व्यवसायियों, संरक्षकों, सरकारी अधिकारियों और सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला ने की, जिनके साथ वर्तमान अध्यक्ष तरुण बंसल, सचिव अधिराज शापुरा और कोषाध्यक्ष असीम पारख मंच पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ संरक्षक एच.एस. पाली, भिंम सिंह, एवं पूर्व अध्यक्ष अपूर्व कुमार, अजय अग्रवाल, अजीत बंसल और रिशीपाल भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अब तक की यात्रा और भविष्य के लिए अपने विचार साझा किए। राज्य के विभिन्न हिस्सों जैसे, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अलवर - से सदस्य विशेष रूप से इस आयोजन में भाग लेने जयपुर पहुंचे, जिससे एसोसिएशन की व्यापक पहुँच और एकजुटता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। आमसभा के दौरान वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें एसोसिएशन की उपलब्धियाँ, गतिविधियाँ, नीतिगत प्रयास, और सरकार के साथ सहयोगों की जानकारी दी गई। आगामी योजना और विज़न भी साझा किया गया।

सार-समाचार

बोहरा ने किया सामुदायिक भवन का लोकार्पण

जयपुर। जयपुर के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने किशनपोल विधानसभा क्षेत्र की आजाद नगर बस्ती में सांसद निधि की 20 लाख रुपए की राशि से संपन्न हुए सामुदायिक भवन के नवनिर्माण कार्य का लोकार्पण कर भवन क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। रामचरण बोहरा ने अपने पिछले कार्यकाल में क्षेत्र वासियों की मांग पर इस सामुदायिक भवन के नवनिर्माण के लिए अपने सांसद कोष से 20 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की थी। बोहरा ने कहा कि यह सामुदायिक भवन क्षेत्रवासियों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों हेतु एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगा। इस अवसर पर विधायक प्रत्याशी चंद्र मनोहर बटवाड़ा, राज नंदवाना, मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर सहित स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

ब्रह्मयोग शिविर में जुटे 500 साधक

जयपुर । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान, गुप्त वृंदावन धाम एवं पतंजलि योग समिति ने जगतपुरा स्थित मथुरा गार्डन में ब्रह्मयोग शिविर का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें 500 से अधिक योग प्रेमियों, साधकों, स्थानीय नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षक दीपिका जैन एवं प्रियकांत गौतम ने योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं जीवनशैली सुधार पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च के चिकित्सक, वरिष्ठ आचार्य एवं ट्रस्ट सदस्य व मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि यह अनूठा आयोजन न केवल योग का, बल्कि एक गहरे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बना, जिसने सभी प्रतिभागियों के हृदय को छू लिया व हर पल को यादगार बना दिया। ट्रस्ट प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य योग के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर स्वस्थ समाज की स्थापना करना रहा। इस अवसर पर डॉ. निर्मल जैन, सदस्य - राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद, परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली, डॉ. सरिता गुर्जर, राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति, विक्रम कांवत, दुर्गा वर्मा,संगीता सक्सेना, मनीष लालवानी, दिनेश आलोरिया, सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सिलाई प्रशिक्षण शिविर का समापन

जयपुर । प्रोफेसर डॉ. राधा गुप्ता एवं डॉ प्रहलाद कुमार गुप्ता द्वारा स्वयं के संसाधनों से संचालित शिक्षा सागर सेवा विद्यालय द्वारा भारत विकास परिषद्, जयपुर महानगर शाखा के सहयोग से 18 मई से संचालित सिलाई प्रशिक्षण शिविर के प्रथम बैच का समापन 21 जून को, अंतराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। दूसरे बैच प्रारंभ हो गया है जिसमें सिलाई प्रशिक्षण प्रतिदिन सांयकाल 4 से 6 बजे तक होगा। शिविर में 13 बालिकाओं ने सिलाई (समीज,सलवार कुर्ता, टापर, अम्ब्रैला कट फ्रांक, प्लाजो, ब्लाउज, पाजामा, अंडरवीयर, पेटीकोट, फाल लगाना, पीकू करना, रफू करना, पैबंद लगाना, कटे-फटे कपड़े को हाथ से व मशीन से सिलना, काज- बटन, तुरपन, बखिया आदि) सीखी। इनको भारत विकास परिषद् द्वारा प्रमाण पत्र, सिलाई किट एवं स्टील की पानी की बोतल उपहार में दिए गए। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी बच्चों ने एड़ी से नेत्रों तक के सभी जोड़ों के सरल व्यायाम, 40 तरह के आसनों एवं सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया। समारोह में उपस्थित सभी बच्चों व अभिभावकों को मिल्करोज एवं बिस्किट्स वितरित किए। डॉ. प्रहलाद कुमार गुप्ता ने बताया कि सेवा विद्यालय में निर्धन परिवारों के 4 वर्ष से 12 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिदिन सांयकाल 2 घंटे निशुल्क अध्यापन, योगासन एवं भारतीय संस्कारों की शिक्षा दी जाती है।

"यूनिटी मॉल और राजस्थान मंडपम किसी वन क्षेत्र में नहीं, बल्कि रीको की जमीन पर बनाया जा रहा है"

- **रीको प्रशासन का कहना है कि "यूनिटी मॉल" केन्द्र सरकार की परियोजना है, जो कि "वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट" को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है।**
- **इसी प्रकार "राजस्थान मंडपम" की घोषणा राज्य सरकार द्वारा गत बजट में की गई थी। यह राज्य का एक ऐसा कन्वेन्शन सेंटर होगा, जो जयपुर को वैश्विक व्यापार और सम्मेलन मानचित्र पर स्थापित करेगा। यहां एक ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर की भी योजना है।**
- **रीको प्रशासन का कहना है कि, "यह जमीन शुरू से निजी खातेदारी की थी, वर्ष 1982 से 1984 के बीच हितधारकों को राज्य सरकार द्वारा मुआवजा देकर रीको को सौंपी गई थी। कुछ लोग इसे वन क्षेत्र बताकर भ्रामक अफवाह फैला रहे हैं"**

जयपुर (कासं)। राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन लि. (रीको) द्वारा जयपुर में दो महत्वपूर्ण सार्वजनिक परियोजनाएं "यूनिटी मॉल" और "राजस्थान मंडपम" विकसित की जा रही है। यूनिटी मॉल, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना है, जबकि राजस्थान मंडपम राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसकी घोषणा गत बजट में की गयी है।

रीको प्रशासन ने बताया है कि, इन दोनों परियोजनाओं को लेकर कुछ लोगों द्वारा भ्रामक प्रचार किया जा रहा है कि, यह परियोजनाएँ वन भूमि या जैव विविधता युक्त क्षेत्र में निर्मित हो रही हैं और हजारों पेड़ काटे जा रहे है। रीको प्रशासन ने इन दोनों योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की है।

रीको प्रशासन के मुताबिक, जिस भूमि पर दोनों परियोजनाएँ विकसित हो रही हैं, वह कभी भी वन भूमि, आरक्षित भूमि या जैव विविधता क्षेत्र घोषित भूमि नहीं रही हैं। यह जमीन प्रारंभ से ही निजी खातेदारी भूमि है, जिसे राजस्थान भूमि अर्जन अधिनियम 1953 के प्रावधानों के 214 अन्तर्गत औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए रीको के अनुरोध पर राजस्थान सरकार ने हितधारियों को मुआवजा भुगतान कर अधिग्रहित करके रीको सौंपा गया था। यह भूमि न तो कभी राजस्व रिकॉर्ड में वन के रूप में दर्ज थी और न ही किसी वन अधिनियम के अंतर्गत आती है।

रीको प्रशासन के मुताबिक, संबंधित भूमि की अधिग्रहण प्रक्रिया राजस्थान भूमि अर्जन अधिनियम, 1953 के अंतर्गत वर्ष 1982 से 1984 के बीच ही संपन्न हो चुकी थी। वर्ष 1988 में यह भूमि जैम स्टोन औद्योगिक पार्क के लिए औद्योगिक उपयोग हेतु आवंटित की गई थी, परन्तु आवंटन व लीज निरस्त कर दी गयी। इस भूमि को बाद में जयपुर के मास्टर प्लान 2025 में आवासीय उपयोग के लिए दिखाया गया। रीको ने मास्टर प्लान के विरुद्ध आपत्ति दर्ज कराई और वर्ष 2017 में पुनः इसे औद्योगिक उपयोग के रूप में अधिस्वीकारित किया गया। इन परियोजनाओं के विकास में मास्टर प्लान, भवन उपनियमों अथवा अन्य कियी कानूनी या पर्यावरणीय प्रावधानों का उल्लंघन नहीं किया जा रहा है।

पिछले दिनों से कुछ लोगों द्वारा भ्रामक अफवाह फैलायी जा रहा है कि, इस भू-भाग पर "हजारों पेड़" लगे हैं और यहां "सैकड़ों वन्य जीव" निवास करते हैं और इन परियोजनाओं के निर्माण से पर्यावरण को विनाश होगा। यह तथ्य पूरी तरह आधारहीन एवं मनगढन्त है। लंबे समय तक भूमि का उपयोग नहीं होने से कुछ पौधे व झाड़ियां स्वतः उग आयी हैं तथा कुछ पेड पूर्व से ही अवस्थित हैं। मौके पर जो पेड अवस्थित हैं, उन्हें विधिवत प्रक्रिया अपनाकर शिफ्ट करने की अनुमति सक्षम स्तर से ली जाकर ही किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को अपनाकर ही निर्माण किया जायेगा। जिस स्थान पर "यूनिटी मॉल" का निर्माण किया जा रहा है, वह सम्पूर्ण भूमि मौके पर खाली है, वहां कोई जैवविविधता नहीं है। भूमि पर लगे वृक्षों की यथासंभव सुरक्षा की जा रही है एवं परियोजना को डिजाइन इस प्रकार किया गया है कि अधिकाधिक वृक्षों को यथास्थान रखा जा सके। जिन वृक्षों को हटाना परियोजना के लिये आवश्यक है,उन्हें हटाते हुये माननीय राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेशों के अनुसार 10 गुणा पेड लगाये जायेंगे।

इस संदर्भ में यह स्पष्ट किया जाता है कि इस भूमि को वन भूमि आदि घोषित करवाने के उद्देश्य से एक जनहित याचिका डी.बी. सिविल रिट संख्या 14635/2023, उनवान "लोक संपत्ति संरक्षण संस्थान बनाम राज्य सरकार एवं अन्य राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में प्रस्तुत की गई थी। इस याचिका को उच्च न्यायालय ने 27 सितंबर 2024 को यह स्वीकार करते हुये कि प्रश्नगत भूमि औद्योगिक श्रेणी की है, खारिज कर दिया गया। साथ ही, याचिकाकर्ता पर भ्रामक और महत्वपूर्ण तथ्यों को छुपाते हुए याचिका दायर करने के कारण एक लाख रूपये का जुर्माना भी लगाया गया।

इसके अतिरिक्त एक अन्य प्रकरण संख्या 115/2023, उनवानी कोमल श्रीवास्तव एवं अन्य बनाम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं अन्य, माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.), भोपाल के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इस प्रकरण को भी अधिकरण द्वारा 18 सिंतबर 2023 को निस्तारित किया जा चुका है तथा वन एवं जैव विविधता के तथ्य को नहीं माना गया है।

गौरतलब है कि राज्य के वर्ष 2021-22 के बजट में जयपुर को देश में फिनटेक सिटी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से फिनटेक पार्क की घोषणा की गई थी, जिसकी पालना में इसी भूमि पर फिनटेक पार्क स्थापित किया जाना प्रस्तावित था।

यहां यह उल्लेखनीय है कि यूनिटी मॉल एक राष्ट्रीय महत्त्व की प्रमुख परियोजना है, जो "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट" (ओ.डी.ओ.पी.) को बढ़ावा देने और संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। यूनिटी माल राजस्थान के सभी जिलों के उत्पादों, टैग प्राप्त वस्तुओं, पारंपरिक कला, शिल्प और संस्कृति को प्रदर्शित व विपणन करने के लिए एक केंद्रीय मंच प्रदान करेगा। इससे स्थानीय कारीगरों, उद्यिमयों और को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच और स्थायी आजीविका के अवसर मिलेंगे। निर्माण और संचालन दोनों चरणों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह परियोजना वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों को भी मजबूती देगी।

वहीं राजस्थान मंडपम, राज्य का एक ऐसा कन्वेन्शन सेंटर होगा जो जयपुर को वैश्विक व्यापार और सम्मेलन मानचित्र पर स्थापित करेगा। यहां एक ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर की भी योजना है, जहां अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने बैकएंड कार्यों का संचालन करेंगी, जिससे राजस्थान में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। इससे राजस्थान के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और उन्हें अन्य महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पडेगा। यह राजस्थान का पहला ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर होगा।

रीको प्रशासन का कहना है कि, इन परियोजनाओं के बारे में फैलाई जा रही भ्रामक या तथ्यहीन जानकारी पूर्णतः असत्य एवं प्रेरित है। रीको इन परियोजनाओं को सभी कानूनी और पर्यावरणीय नियमों का पूर्ण पालन करते हुए कार्यान्वित कर रहा है, ताकि राजस्थान का औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक विकास तीव्र गति से हो सके।

गाँधी, जिन्ना, अंबेडकर व आजादी की किताब पर चर्चा

जयपुर । भारत की आज़ादी की कहानी के तीन प्रमुख पात्रों गांधी, जिन्ना और अंबेडकर को एक बार फिर नई दृष्टि से देखते हुए आई श्रमजीवी पत्रकार प्रतुल सिन्हा की पुस्तक "गांधी जिन्ना अंबेडकर और आजादी" पर रविवार को राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति में गोलमेज संवाद आयोजित किया गया।

साहित्यगार द्वारा प्रकाशित प्रतुल सिन्हा की किताब "गांधी, जिन्ना, आंबेडकर और आजादी" पर चर्चा में राजस्थान विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ.सी. पी. जोशी ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश की आजादी के लिए आम आदमी को मोबिलाइज किया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के साथ ही देश भर में घूम-घूम कर यह महसूस किया कि अंग्रेजों को कैसे हराया जा सकता है और उसी के अनुरूप उन्होंने सत्य अहिंसा और सत्याग्रह जैसे हथियारों का उपयोग किया। पूर्व मंत्री डॉ.बी. डी. कल्ला ने कहा कि इस शोधपरक पुस्तक में इतिहास को नए नजरिए से प्रदर्शित किया गया है.महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों को वोट का अधिकार दिलाया और उन्होंने देश में वैज्ञानिक रूप से कार्य कर आजादी दिलाई। विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने पुस्तक का विश्लेषण करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व के 70 साल के कालखंड को लेखक ने पूरी निष्पक्षता के साथ सच को ढूंढ कर निकालने का प्रयास किया है, पुस्तक में महात्मा गांधी की तारीफ और गलतियों को बेबाकी के साथ लिखा है।

ARBIT it happens here...

It is Public Service Day

Did you know that every year, we have a special day to thank those who dedicate their lives to serving us all? That's right! It's Public Service Day. This day is like a big 'thank you' card spread across the globe for everyone working in public service. Imagine giving a high-five to firefighters, teachers, healthcare workers, and all those amazing folks who work behind the scenes to make our lives better. Celebrating Public Service Day offers an excellent opportunity to recognize and honour public servants' hard work and dedication in our communities.

#KNOW IT

Agra's Leather Industry Has Roots in *Hing*!

To preserve its strong aroma, hing was transported in animal bladders and hides.

When people think of Agra, the image that instantly comes to mind is the awe-inspiring Taj Mahal. But beyond the white marble and grand Mughal architecture lies another fascinating legacy, Agra's world-renowned leather industry. What many don't know is that this legacy doesn't begin in India at all. It actually stretches back to the bustling trade routes of Iran, Afghanistan, and even involves a pungent kitchen spice: *hing*, or asafoetida.

Yes, you read that right.

Join Sohail, a local historian and storyteller, as he traces the surprising journey of how Agra transformed into a leather powerhouse during the Mughal era. The story begins centuries ago, when Central Asian artisans, particularly from Persia (modern-day Iran) and Afghanistan, began migrating to northern India. They didn't just bring goods; they brought traditions, skills, and a deep understanding of leather tanning and craftsmanship. These techniques blended with local practices and found fertile ground in Agra, a city that quickly grew under Mughal patronage.

But here's the twist that few history books mention: the humble *hing*. Asafoetida was a valuable commodity brought to India via trade caravans from Iran and Afghanistan. To preserve its strong aroma and prevent spoilage, hing was often transported in dried animal bladders and hides. This unconventional packaging introduced Indian traders and artisans to new ways of treating and preserving leather. Over time, the techniques evolved, were refined locally, and laid the foundation for what would become one of India's most robust leather industries.

Under the Mughals, Agra flourished as a cultural and economic hub. The royals demanded high-quality saddles, tents, shoes, and armor, much of which was crafted from leather. Local workshops, known as *karkhanas*, buzzed with activity, producing everything from royal *mojris* (embroidered leather shoes) to practical goods for trade.

Even today, Agra's leather industry is a major contributor to India's exports, known globally for its craftsmanship and quality. The legacy of those ancient routes and unusual methods still lives on in every stitched product. So, next time you're in Agra and see a handcrafted leather bag or shoe, remember: it's not just fashion, it's centuries of cross-cultural history stitched together by trade, tradition, and a little bit of *hing*.

The Stonewall uprising galvanized the modern LGBTQ+ rights movement, challenging systemic oppression and inspiring activism worldwide. First Pride March: On June 28, 1970, the first anniversary of the Stonewall Uprising, the Christopher Street Liberation Day March was held in New York City, considered the first Pride parade. Similar marches in Chicago, Los Angeles, and San Francisco followed, establishing June as a time to commemorate Stonewall and advocate for equality.

Meet Your June Pride...

Geetha Sunil Pillai

Pride Month, observed annually in June, is a global celebration of the LGBTQ+ community's identity, culture, and ongoing struggle for equality and acceptance. It commemorates the historic fight for LGBTQ+ rights, honours the community's resilience against discrimination, and fosters visibility for diverse sexual orientations and gender identities. Celebrated with parades, festivals, and advocacy events, Pride Month holds special significance in June due to its historical roots in the Stonewall Uprising.

What is Pride Month?

Pride Month is a dedicated time to celebrate the contributions, culture, and identities of lesbian, gay, bisexual, transgender, queer, asexual, and other diverse communities (LGBTQ+). It serves multiple purposes.

Pride Month honours the diversity of sexual orientations and gender identities, fostering self-acceptance and community pride through events like parades, cultural festivals, and art exhibitions. It provides a platform to raise awareness about LGBTQ+ rights, addressing issues like discrimination, legal inequalities (e.g., same-sex marriage), and societal stigma. It remembers the historical struggles of the LGBTQ+ community, particularly the activism that challenged oppressive laws and norms. Pride events promote understanding and allyship, encouraging dialogue about inclusivity and challenging stereotypes.

In India, Pride Month is marked by events like the Delhi Queer Pride Parade, Mumbai's Kashish Queer Film Festival, and Chennai's Rainbow Pride Walk, which highlight both celebration and activism in a country where legal progress (e.g., 2018 decriminalization of Section 377) coexists with social challenges.

Why is Pride Month Celebrated in June?

THE CHOICE OF JUNE FOR PRIDE MONTH IS DEEPLY TIED TO THE STONEWALL UPRISING, A PIVOTAL MOMENT IN THE GLOBAL LGBTQ+ RIGHTS MOVEMENT.

The Stonewall Uprising: The Stonewall Inn, a gay bar in New York City's Greenwich Village, was a frequent target of police raids due to laws criminalizing homosexual behaviour. On June 28, 1969, at approximately 1:20 AM, eight plainclothes and uniformed police officers from the New York Police Department's First Precinct raided the Stonewall Inn, citing illegal liquor sales. Around 200 patrons were inside, enjoying a typical night of dancing and socializing.

Police began checking IDs, arresting patrons for cross-dressing (a violation of New York's sumptuary laws), and detaining bar staff. Unlike previous raids, patrons were not released immediately but held outside, drawing a crowd of onlookers. The mood shifted as police manhandled patrons, particularly a lesbian patron (possibly Stormé DeLarverie) who resisted arrest, shouting, 'Why don't you guys do something?'

As tensions boiled, the crowd began throwing coins, bottles, and debris at the police, mocking their authority. Transgender women like Marsha P. Johnson and Sylvia Rivera, along with drag queens and homeless youth, were among the first to fight back. The riots continued for five more nights, with thousands joining protests in Greenwich Village. Demonstrators clashed with police, distributed flyers, and graffitied slogans like 'Legalize Gay Bars' and 'We Are Everywhere.' The protests were chaotic but united diverse groups, gay men, lesbians, transgender individuals, and allies. This uprising galvanized the modern LGBTQ+ rights movement, challenging systemic oppression and inspiring activism worldwide.

First Pride March: On June 28, 1970, the first anniversary of the Stonewall Uprising, the Christopher Street Liberation Day March was held in New York City, considered the first Pride parade. Similar marches in Chicago, Los Angeles, and San Francisco followed, establishing June as a time to commemorate Stonewall and advocate for equality.

Global Adoption: The Stonewall Uprising's impact resonated globally, leading to June being recognized as Pride Month in many countries. Events like parades, rallies, and festivals in June honour this history while addressing contemporary issues like marriage equality, transgender rights, and anti-discrimination laws.

#PRIDE MONTH

Globally, Pride Month is celebrated with diverse events.

Parades and Festivals: Cities like New York, London, and Sydney host massive pride parades, drawing millions. In 2025, WorldPride will be held in Washington, D.C., emphasizing global solidarity.

Legal Advocacy: Countries like Canada and Germany use Pride Month to push for policies like marriage equality (legalized in 2015 and 2017, respectively). In contrast, nations with restrictive laws (e.g., Uganda) see Pride Month as a time for underground activism.

Corporate and Social Support: Global brands and organizations, such as Google and the United Nations, promote Pride Month campaigns, though critics note the risk of 'pinkwashing' (superficial support for profit).

Pride Month in India

In India, Pride Month is a vibrant blend of celebration and activism, reflecting both progress and challenges.

Legal Milestones: The 2014 NALSA judgment recognized transgender individuals as a third gender, and the 2018 decriminalization of Section 377 marked a turning point. Pride Month amplifies calls for further reforms, like marriage equality and anti-discrimination laws. Major cities host pride parades (e.g., Delhi Queer Pride since 2008, Chennai Rainbow Pride since 2009), while smaller towns like Bhubaneswar and Guwahati have seen growing participation. The Kashish Queer Film Festival, held in June, showcases films like *Badhaai Do* (2022) to promote inclusivity.

Challenges: Despite legal gains, societal stigma persists, particularly in rural areas. Transgender individuals face violence, and queer couples lack legal protections for marriage or adoption. Pride Month serves as a platform to address these gaps.

Cultural Context: India's ancient acceptance of gender and sexual diversity, evident in the *Mahabharata* (e.g., Shikhandi) and temple art, contrasts with colonial-era stigma from Section 377. Pride Month reclaims this heritage, celebrating figures like Anjali Ameer, a transgender actor.

Transgender Trailblazers in Indian Politics, Cinema, and Justice

INDIA'S TRANSGENDER COMMUNITY HAS MADE REMARKABLE STRIDES IN BREAKING BARRIERS ACROSS POLITICS, CINEMA, AND THE JUDICIARY, CHALLENGING SOCIETAL STIGMA AND ADVOCATING FOR EQUALITY. HERE ARE PROFILES OF FEW TRANSGENDER INDIVIDUALS WHO HAVE ACHIEVED SIGNIFICANT MILESTONES IN THESE FIELDS, HIGHLIGHTING THEIR CONTRIBUTIONS, STRUGGLES, AND IMPACT ON QUEER JUSTICE IN INDIA.

Shabnam Mausi Bano: India's First Transgender MLA

Shabnam Mausi Bano, a hijra activist, made history as India's first transgender Member of the Legislative Assembly (MLA), elected from the Sohagpur constituency in Madhya Pradesh's Shahdol-Anuppur district from 1998 to 2003. Born visibly intersex, she was abandoned by her father, a police superintendent of the Brahmin caste, to protect his social image. With only two years of formal schooling, she learned 12 languages during her travels and is a trained classical dancer. She was elected in 2000, defeating candidates from both the Bharatiya Janata Party (BJP) and Congress, marking a historic moment for transgender representation.

Her victory inspired the formation of the transgender-led political party 'Jeeti Jitayi Politics' (JJP) in 2003, which released an eight-page manifesto to advocate for transgender rights. She actively participated in AIDS/HIV education with NGOs, challenging the marginalization of hijras, who were traditionally relegated to roles like dancing, begging, or sex work. Her life inspired the 2005 Bollywood film *Shabnam Mausi*, directed by Yogesh Bharadwaj, with her role played by actor Ashutosh Rana. She faced significant discrimination, including being denied Congress party membership twice due to her gender identity. In 2023, she was booked for violating the model code of conduct for failing to deposit a pistol during elections, highlighting ongoing scrutiny.

Joyita Mondal: India's First Transgender Judge

Joyita Mondal holds the esteemed distinction of being India's first transgender judge in a National Lok Adalat, a remarkable achievement that is poignantly depicted in the highly acclaimed documentary 'I am Joyita.' This film, garnering widespread acclaim on the National Geographic Channel on the OTT platform, beautifully portrays Joyita's journey from her birth name, Jayant Mondal, to her transformative role as Judge Joyita Mondal.

Born into a traditional Hindu household, she faced severe discrimination, dropping out of school after class 10 and resorting to begging on streets. She later pursued a law degree through correspondence. She became India's first transgender judge, appointed to a Lok Adalat (civil court) in Uttar Dinajpur on July 8, 2017.

"The transgender community is subjected to derogatory labels such as 'Chhakka,' 'Hijra,' or 'Kinnar,' further exacerbating our marginalized status as untouchables. Despite the legal recognition of transgender individuals as the third gender following the NALSA judgment by the Supreme Court in 2014, our lives have remained largely unchanged. Even today, if I seek to relocate, it would take an arduous two months to find a new residence since landlords are reluctant to offer rentals, financial institutions do not give loans to us," Joyita states with sadness in her voice. Joyita founded *Dinajpur Notun Aalo* (Dinajpur New Light), an organization supporting thousands of marginalized individuals, including transgender persons, sex workers, and trafficking victims.

Anjali Ameer: First Transgender Lead Actor in Indian Cinema

Anjali Ameer, a transgender actress from Kerala, made history as the first transgender woman to play a lead role in a mainstream Indian film, *Peranbu* (2018), a Tamil-Malayalam bilingual drama. Originally from Kozhikode, she faced family rejection and societal prejudice before pursuing acting. In Peranbu, Anjali played opposite Mammootty, earning critical acclaim for her portrayal of a complex character navigating love and identity. Her performance highlighted transgender lives with authenticity and depth. She became the first transgender contestant on Bigg Boss Malayalam, increasing visibility for the community in mainstream media.

She worked in Tamil and Malayalam cinema, advocating for authentic transgender representation and challenging the casting of cisgender actors in trans roles. Anjali's breakthrough role in Peranbu shifted perceptions of transgender individuals in Indian cinema, emphasizing the need for authentic representation. The lack of roles written for transgender actors remains a barrier, with Bollywood often casting cisgender actors like Akshay Kumar (*Laxmii*, 2020) or Vijay Raaz (*Gangubai Kathiawadi*, 2022) in trans roles. Her presence in mainstream media has bolstered queer justice by showcasing transgender talent and resilience, inspiring future generations of actors.

rajeshsharma1049@gmail.com

#ADDICTIONS

Comfort In Food

Potatoes were the 1970s original "comfort food," when the phrase still appeared in quotation marks in newspaper lifestyles sections

Anuradha Narula

A Let's pause to give a moment's thanks to Liza Minnelli. In 1970, the young actress was perhaps the first-and certainly the most glamorous-to coin the modern usage of the now-well-worn phrase, comfort food. "Comfort food is anything you just yum, yum, yum," she told syndicated newspaper food columnist Johna Blinn, smacking her lips together. She was daydreaming of a hamburger with all the fixins.

Potatoes were the 1970s original "comfort food," when the phrase still appeared in quotation marks in newspaper lifestyles sections. Minnelli preferred hers baked with sour cream, pepper, and butter. Philadelphia Inquirer food writer Elaine Tait opted for boiled with bacon, slices of hard-boiled egg, and ripe tomato. And Gerry Brown, a home economics teacher in a small town in Oregon, told the Capital Journal that she swore by potatoes mashed with plenty of butter and cream. Chicken soup also quickly earned the title, a soothing meal with appeal that cut across demographic divides. But from there, tastes diverged.

People confessed to craving butter and sweet onions on rye, sardines straight from the can, brown sugar sandwiches, salted peanuts and milk, and soggy cornflakes.

People confessed to craving butter and sweet onions on rye, sardines straight from the can, brown sugar sandwiches, salted peanuts and milk, and soggy cornflakes. In the pages of Bon Appétit, M.F.K Fisher rhapsodized about milk toast, a dish that "seems to soothe nerves and muscles and mind all together." She published the only recipe for comfort food anyone will ever need. You can debate the merits of buttered toast drowned in warm milk seasoned with salt, pepper, and paprika, but not the final step in its preparation. Before eating, she writes, "walk gently to wherever you have decided to feel right in your skin."

Giving these sometimes-unusual dishes the label comfort food was a bit of permission to admit to one's indulgences-at least until the diet industry tried to claim the term. Their idea of comfort had always been a little bit different. In a 1966 book titled "The Thin Book by a Formerly Fat Psychiatrist," Theodore Rubin listed tea as his top comforting food. Now the diet-conscious warned of the dangers of eating for emotional gratification, ensuring that our favorite dishes would henceforth be served with a side of guilt. It might have been the wrong tactic: By the turn of the decade, "mood food" swung from savory to sweet. The country sought sinful solace in ice cream, pudding, pie, and, of course, chocolate.

The 1970s and early 1980s gave us plenty of foods we've all but forgotten-fondue, bread bowls, raspberry vinaigrette-and at first, comfort food followed the same trajectory: from popularity to commodification to backlash.

Next came the restaurants. For years, countless diners and cafeterias had been serving the type of 1950s middle-class, Midwestern cuisine that was, by the mid-1980s, what people meant when they said "comfort food." By the early 1980s, the country's top chefs wanted a taste. The Los Angeles Times marveled at the attention lavished on rice pudding by kitchens better known for their caviar.

Meanwhile, the food writer Jane Stern despaired at the phone calls from high-end restaurants she and her husband, Michael, fielded after publishing their cookbook on the topic. These dishes didn't belong in fancy dining rooms, especially not at twice the price. "The point is that food is more than food-it's heart strings-it's memory," she said. In 1988, the decidedly upscale Food & Wine magazine declared comfort food to be "hot."

The dueling diet trends of the 1990s should have spelled the end for comfort food. The decade began with low-fat and then no-fat products crowding the supermarket shelves and ended with its mirror image: the low-carb dictates of Atkins. The 1993 debut of the Food Network, too, should have doomed the trend. Bobby Flay and Emeril Lagasse turned every home cook into a professional chef, experimenting with new ingredients and creating picture-perfect plates. Gerry Brown's humble, monochromatic mashed potatoes had no place in this new world. And yet, in the aftermath of 9/11, we found ourselves reaching for the same foods we relied on in the weeks after Black Monday, in 1987. We rallied around comfort food again during the 2008 financial crisis, and we are stocking up on it today.

Science has tried to explain this persistent draw. One straightforward answer offered by a team of food scientists writing in the Proceedings of the National Academy of Sciences credits comfort food's appeal to its nutritional make up. Many dishes are high in fat or sugar, substances that the body can process into temporary stress relief. Psychologists have explored a more complicated connection between food and individual memory, theorizing that well-loved dishes can evoke the same feelings of security or contentment they did when the diner was younger.

THE WALL

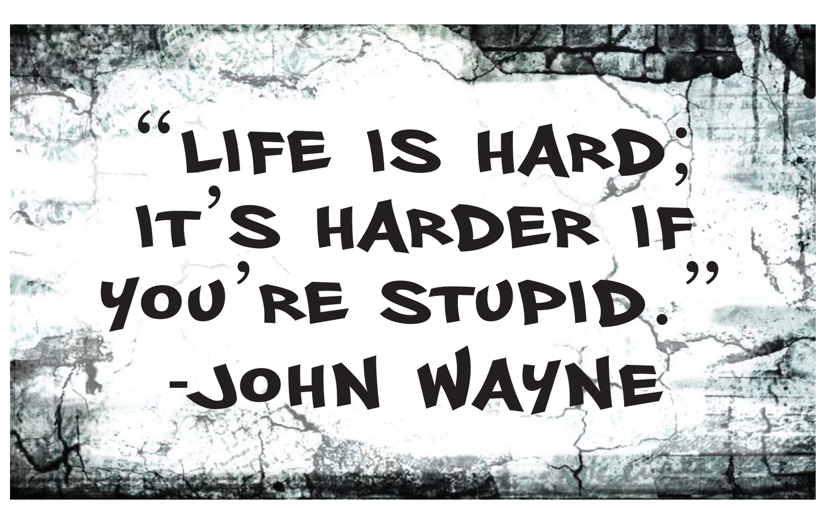

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भरतपुर शहर के सर्राफा व्यवसायी को लॉरेंस गैंग के शूटर के नाम से धमकी मिली

तिलकधारी ज्वेलर्स के मालिक से दो दिन में 20 लाख रुपये की डिमांड की

तिलकधारी ज्वेलर्स के मालिक राजकुमार गोयल ने व्यापारियों के साथ थाने में शिकायत दी।

भरतपुर, (निसं)। शहर के जाने-माने नामी सर्राफा व्यवसायी तिलकधारी ज्वेलर्स के मालिक को फोन पर लॉरेंस गैंग के शूटर के नाम से धमकी मिली है। व्यापारी से दो दिन में 20 लाख की डिमांड की गई है। रविवार दोपहर पीड़ित व्यापारी सर्राफा बाजार के कुछ व्यापारियों के साथ थाने पहुंचा और शिकायत दी। इस मामले में अटलबंद पुलिस थाना पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के बाद तिलकधारी ज्वेलर्स के मालिक को पुलिस की ओर से सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है।

जानकारी के अनुसार मामला अटलबंद थाना इलाके का है। यह धमकी तिलकधारी ज्वेलर्स के मालिक राजकुमार गोयल सर्राफ को दी गई है। धमकी कॉल और वॉट्सऐप मैसेज के जरिए शनिवार शाम और रात में दी गई। रविवार दोपहर 3 बजे व्यापारी ने अटलबंद थाने में लिखित शिकायत दी।

सर्राफा व्यापारी राजकुमार ने बताया कि मैं कल (शनिवार) वृंदावन गया हुआ था। वहां लायंस क्लब का एक कार्यक्रम था। कल शाम 6.30 बजे बेटे शेखर का फोन आया। उसने बताया कि एक धमकी भरा कॉल आया है। उसने मैसेज करके भी धमकी दी है और 20 लाख रुपए की डिमांड की है। बेटे ने बताया कि उसके फोन की बैटरी डाउन थी, इसलिए कॉल पर पूरी बात नहीं हुई। बीच में ही फोन स्विच्ड ऑफ हो गया। इसके बाद कॉलर ने वॉट्सऐप पर एक के बाद एक पांच मैसेज किए। ये मैसेज कल शाम 6.49 बजे किए गए हैं। इनमें लिखा है कि लॉरेंस गैंग, तेरे बारे में सब जानते हैं। दो दिन में तुझे पैसा देना है 20 लाख रुपए। किसी तरह की गलतफहमी में मत रहना। तेरे पीछे अपने बंदे लगे हुए हैं, याद रखना। तेरे घर-परिवार के बारे में सब जानते हैं।

व्यापारी ने बताया कि इसके बाद रात 9.50 बजे फिर 2 मैसेज आए। इनमें लिखा था कि 'तेरे घर परिवार के बारे में सब जानकारी है। लॉरेंस गैंग। बाकी तेरी मर्जी।' व्यापारी ने कहा कि मैंने बेटे से दोनों स्क्रीन शॉट मांगे। मैसेज पढ़कर हम घबरा गए। सुबह (रविवार) मैं लौटा और हमने 100 नंबर पर पुलिस को कॉल किया। लेकिन लाइन व्यस्त आ रही थी। इसके बाद मैं सर्राफा बाजार गया और साथी व्यापारियों से इस घटना का जिक्र किया। इसके बाद हम 5-7 व्यापारी मिलकर अटलबंद थाने पहुंचे। हमने लिखित में पुलिस को शिकायत दी है। हम सब व्यापारियों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। भरतपुर के बाजार में पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं। पूरे बाजार को पुलिस की सुरक्षा मिलनी चाहिए। अगर व्यापारी डर कर रहेगा तो कैसे काम चलेगा।

व्यापारी राजकुमार ने बताया कि डेढ़ साल पहले भी मुझे लॉरेंस गैंग के नाम से 10 लाख की फिरौती के लिए

- **धमकी कॉल और वॉट्सऐप मैसेज के जरिए शनिवार शाम और रात में दी गई, व्यापारी ने अटलबंद थाने में लिखित शिकायत दी**

धमकी मिली थी। जानकारी मिली कि धमकी देने वाले को पकड़ लिया गया। पुलिस ने उस वक्त काफी मदद की थी। मेरे घर पर एक और दुकान पर चार सुरक्षाकर्मी लगाए थे। मेरे मना करने के बाद ही पुलिस ने सुरक्षा घेरा हटाया था। मुझे पुलिस और व्यापार संघ पर पूरा यकीन है। अधिकारियों का कहना है कि वे जल्द ही धमकी देने वाले को पकड़ लेंगे।

इस मामले पर सीओ पंकज यादव ने बताया कि थाना अटलबंद पर सर्राफा बाजार के व्यापारी राजकुमार गोयल के बेटे शेखर गोयल के फोन पर लॉरेंस ग्रुप के नाम से 20 लाख की फिरौती की धमकी मिलने की शिकायत आई है। जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में जल्दी ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की जांच कर रहे हैं।

गंगनहर में पानी छोड़ने की मांग को लेकर धरना जारी

महिलाओं ने क्रमिक अनशन शुरू किया, जिले की सभी अनाज मंडियां आज बंद रहेंगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां गंगनहर में 2500 क्यूसेक सिंचाई पानी की मांग को लेकर किसान-मजदूर-व्यापारी संघर्ष समिति के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन धरना सातवें दिन भी जारी है। आंदोलन को अब किसान आरपार की लड़ाई के मूड में नजर आ रहे हैं। रविवार को धरना स्थल पर महिलाओं ने मोर्चा संभाला है। वे न केवल मंच का संचालन कर रही हैं, बल्कि क्रमिक अनशन पर भी बैठी हैं। महिलाओं ने राजस्थानी गीतों के माध्यम से आंदोलन को जनभावनाओं से जोड़ने का प्रयास भी कर रही हैं।

आंदोलनकारियों ने कहा कि आंदोलन को राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा। बिजाई के लिए केवल 15 दिन बचे हैं और नहर में पानी नहीं है। सरकार यदि 24 जून से पहले पानी नहीं देती, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है और अंजाम तक पहुंचकर ही

- **धरने को जन-जन तक पहुंचाने के लिए समिति ने 24 जून को 'प्रशासन ठप' आंदोलन की घोषणा की**

खत्म होगा। जिले की सभी अनाज मंडियां 23 जून को बंद रहेंगी। वहीं 24 जून को बार एसोसिएशन, अधिवक्ता संघ, धानका तौला यूनियन ने हड़ताल का ऐलान किया है। धरने को जन-जन तक पहुंचाने के लिए समिति ने 24 जून को 'प्रशासन ठप' आंदोलन की घोषणा की है। इसके तहत जिलेभर में संपर्क अभियान शुरू किया गया है। विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर, सोहन नायक, सांसद कुलदीप इंदौरा, रामस्वरूप मांझू, कालू थोरी, मनिंद्र सिंह मान, रविंद्र तरखान, अवतार सिंह संधु, निशान सिंह मान, सोना देवी बावरी, महेंद्र सिंह बराड़, राकेश शर्मा, सतविंदर अटवाल और इंद्राज पूनिया सहित अन्य पदाधिकारियों की बैठक में 30 जनसंपर्क टीमें गठित की गई हैं, जो गांवों में जाकर किसानों से 24 जून को गंगानगर पहुंचने की अपील कर रही हैं। विधायक रूपिंदर कुन्नर करनपुर, सांसद इंदौरा और विधायक सोहन नायक, डूंगराराम गेदर व पूर्व विधायक राजेंद्र भादू अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क में जुटे हैं। आंदोलन को ग्रामीण किसान मजदूर समिति ने भी समर्थन दिया है। धरनास्थल पर विधायक डूंगरराम गेदर के साथ कांग्रेस के दो दर्जन कार्यकर्ता अनशन पर बैठे हुए हैं। इनमें परसराम भाटिया, जगदीश गोदारा, जयप्रकाश गिला, बलराम वर्मा, प्रवीण गोयल, अनिल रोकणा, मंगीलाल बेनीवाल और सुदेश मोर सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। इनके साथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष कमला विश्नोई, विधायक सोना देवी बावरी, गोगा देवी नायक, दुर्गा स्वामी सहित दो दर्जन महिलाएं भी अनशन पर बैठीं।

मेडिकल स्टोर संचालक की मौत, मृतक का वीडियो सामने आया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना इलाके में पटेल नगर कॉलोनी के निवासी मेडिकल स्टोर संचालक में गत दोनों फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। इस मामले में अब मृतक युवक के सुसाइड से पहले बनाया गया एक सनसनीखेज वीडियो सामने आया है, जिसमें उसने अपने ही दोस्तों को धोखे के कारण आर्थिक तंगी से परेशान होकर खुदकुशी करने की बात कही है। सुसाइड नोट और वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की जांच का दायरा बढ़ गया है। अब पुलिस सुसाइड नोट में शामिल लोगों के खिलाफ एक्शन की तैयारी में है।

- **वीडियों में अपने ही दोस्तों को धोखे के कारण आर्थिक तंगी से परेशान होकर खुदकुशी करने की बात कही है**

जानकारी के अनुसार पटेल नगर निवासी देवेंद्र पुत्र राधेश्याम जयसवाल का मीरा सर्किल पर मेडिकल स्टोर है। देवेंद्र की पत्नी बच्चों की छुट्टियों के चलते बच्चों सहित पीहर गई हुई थी। इस दौरान देवेंद्र घर पर अकेला था। शुक्रवार सुबह देवेंद्र ने घर में ही रस्सी का फंदा गले में डाला और जंगले से लटक गया और खुदकुशी कर ली। कई देर जब पड़ोसियों को देवेंद्र की आवाज सुनाई नहीं दी तो उन्होंने झांककर देखा और मंजर देखकर पैरों तले जमीन खिसक गई। पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को फंदे से उतार कर महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंचाया, जहां उसका पीएम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अब मौत से पहले मौत के कारणों का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुटी है। वीडियो में मृतक मेडिकल संचालक ने अभिषेक शर्मा और सत्यनारायण शर्मा को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

सूने मकान से लाखों की नकदी व जेवर चोरी

सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर वारदात 15 जून की रात में होने की बात सामने आई

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित आरसी व्यास कॉलोनी में एक ठेकेदार के किराये के मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की नकदी व सोने-चांदी के जेवर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर वारदात 15 जून की रात में होने की बात सामने आई है। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरु कर दी।

सुभाषनगर पुलिस ने बताया कि जिले के गुलाबपुरा थाने के जयसिंहपुरा निवासी भैंरूलाल जाट महाराष्ट्र में सड़क निर्माण कार्य के ठेकेदार है। उनकी पत्नी व बच्चे भीलवाड़ा में आरसी व्यास कॉलोनी में रहते हैं। भैंरूलाल की पत्नी की 11 जून को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे उपचार के लिए परिजन जयपुर ले गये। इसके चलते उनका आरसी व्यास कॉलोनी स्थित किराये का मकान सूना था। इसका फायदा उठाकर चोरों ने मकान के ताले तोड़ अंदर रखे करीब चार लाख रुपये की नकदी, एक किलो चांदी व दो तोला सोने के जेवरात चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुभाषनगर पुलिस ने बताया कि जयपुर से लौटने के बाद जब परिजनों को वारदात का पता चला तो मामला थाने पहुंचा और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू की।

एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत छह जने गिरफ्तार

विराटनगर पुलिस थाना टीम ने छह जनों को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन के अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन करने वाले 4 व 2 वांछित वारंटी गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ राजन दुष्यंत ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत अतिरिक्त पुलिस

- **सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन करने वाले चार व दो वांछित वारंटी गिरफ्तार किये**

अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपर विजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित विशेष दो टीमों द्वारा कार्रवाई करते हुए वांछित 2 गिरफ्तारी वारंटी प्रकाश पुत्र रामनिवास निवासी कांदोलाई की ढाणी विराटनगर, महेंद्र पुत्र गोकुल निवासी बिलवाडी विराटनगर व सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन करने व अपराधियों का महिमा मंडन करने वाले 4 असामाजिक तत्वों जीतू पुत्र गोपाल निवासी वार्ड न.14 विराटनगर, गोपाल पुत्र बाबूलाल वार्ड नं.18 शीशवाली ढाणी विराटनगर, किशनलाल पुत्र कालूराम निवासी बिछावाली थाना विराटनगर, प्रकाश पुत्र गोदाराम निवासी मेड थाना विराटनगर को गिरफ्तार किया।

पदोन्नत 255 जिला शिक्षा अधिकारियों को पोस्टिंग दी

बीकानेर, (निसं)। आखिरकार नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले शिक्षा विभाग को जिला शिक्षा अधिकारी मिल गए हैं। 11 फरवरी को हुई डीपीसी में चयनित 255 पदोन्नत जिला शिक्षा अधिकारियों के पदस्थापन आदेश राज्य सरकार ने जारी कर दिए हैं। राज्य में जिला शिक्षा अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने के लिए राज्य सरकार की ओर से 11 फरवरी को 2023-24 व 2024-25 की डीपीसी में प्रदेश के 336 प्रिंसिपल का डीईओ पदों पर चयन किया गया था।

शिक्षा ग्रुप 2 विभाग के संयुक्त शासन सचिव ने इनमें से पदोन्नत हुए 329 डीईओ के चयन आदेश जारी किए हैं। इनमें से 64 शिक्षा अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि डीपीसी में चयनित 10 प्रिंसिपल ने पदोन्नति का परित्याग कर दिया है। शिक्षा ग्रुप 2 विभाग ने प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग की अनुमति से 255 जिला शिक्षा अधिकारियों के पदस्थापन आदेश जारी किए हैं।

इनमें से 17 जिला शिक्षा अधिकारियों को बीकानेर में पोस्टिंग दी गई है। राज्य के शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा अधिकारी के कुल 552 पद स्वीकृत हैं। पदोन्नत डीईओ को पोस्टिंग मिलने के बाद 487 पद भर जाएंगे। लगभग 65 पद फिर भी रिक्त रहेंगे। जिन्हें वर्ष 2025-26 की डीपीसी से भरा जाएगा।

दो महिलाओं का नेत्रदान कराया

कोटा, (निसं)। शाइन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से दो महिलाओं के नेत्रदान हाड़ौती संभाग में संपन्न हुए। कल शाम संस्था के ज्योति मित्र मनोज मुनौत ने डॉ. कुलवंत गौड़ को सूचना दी कि मोहन निवास कॉलोनी, स्टेशन रोड निवासी, अतुल और राजीव चौरडिया की माता सुशील चौरडिया का आकस्मिक निधन हुआ हैं। करीबी मित्र मनोज के अनुरोध पर परिजनों ने नेत्रदान के लिए सहमति दी है। सूचना प्राप्त होते ही संस्था के सहयोग से नेत्रदान का कार्य परिवार के सदस्यों के बीच निवास स्थान पर संपन्न हुआ। इसी क्रम में रविवार को बारां निवासी पुत्र राजेंद्र, महेंद्र और पुत्रियां निर्मला, लीला और उषा की माता शांति देवी गोयल का आकस्मिक निधन हुआ। पुत्र आशीष, अरविंद और अक्षत ने शाइन इंडिया फाउंडेशन को कोटा में संपर्क किया और नेत्रदान की प्रक्रिया को संपन्न कराया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में 24 घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना विराटनगर क्षेत्र में 20 जून को इस घटना का मामला दर्ज हुआ था।

पीड़िता के परिजनों की शिकायत के अनुसार अनीष चौधरी (20) पुत्र रामचंद्र ने नाबालिग को बहला फुसलाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने तुरंत पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। जिला कोटपुतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने रविवार को आरोपी को पकड़ लिया।

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों की पोस्टिंग अगले सप्ताह तक

शिक्षक संघ राष्ट्रीय के पदाधिकारी शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल से मिले, शिक्षा सचिव ने आश्वासन दिया

बीकानेर, (निसं)। ग्रीष्मावकाश खत्म होने को है एक जुलाई से राज्य के स्कूल वापस शुरू हो जाएंगे, लेकिन अभी तक महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में चयनित शिक्षकों का पदस्थापन नहीं हुआ है। चयन परीक्षा में सेलेक्ट हुए शिक्षकों की पोस्टिंग में विलंब से शिक्षक समुदाय में नाराजगी है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय के पदाधिकारी इस मसले पर शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल से मिले। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रमेश पुष्करणा ने नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले

- **पदस्थापन के लिए चयन परीक्षा में शामिल हुए शिक्षक पिछले 6 माह से पोस्टिंग का इंतजार कर रहे हैं**

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में चयनित शिक्षकों के पदस्थापन कार्रवाई पूरी करने की मांग की।

प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य ने बताया कि पिछले साल अगस्त में परीक्षा हुई जिसका परिणाम दिसंबर में घोषित कर दिया गया है। बावजूद इसके अब तक पदस्थापन नहीं मिलने से शिक्षकों में नाराजगी है। यदि शिक्षा विभाग की ओर से जल्द आदेश जारी नहीं हुए तो विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। वार्ता में शिक्षा सचिव ने संगठन पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि जल्द ही पदस्थापन की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। इस संबंध में तैयारी चल रही है।

छह माह से पोस्टिंग का इंतजार :- महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पदस्थापन के लिए चयन परीक्षा में शामिल हुए शिक्षक पिछले 6 माह से पोस्टिंग का इंतजार कर रहे हैं। चयनित शिक्षकों को अभी तक जिला आवंटन नहीं किया गया है। आक्रोशित शिक्षकों ने शिक्षा निदेशालय के सामने धरना भी लगा रखा है। ऐसे में संभावना है कि अगले सप्ताह तक इन्हें पोस्टिंग के लिए जिला आवंटन किया जा सकता है।

शहीद पवन प्रजापति का अंतिम संस्कार

शहीद पवन प्रजापति को सैनिक सम्मान के साथ अन्तिम विदाई दी गई।

झालावाड़, (निसं)। जिले के असनावर तहसील स्थित खारेखेड़ा गांव के सपूत पवन प्रजापति शनिवार को सेना की ड्यूटी से लौटते समय सड़क दुर्घटना में शहीद हो गए। इस दुखद समाचार से गांव व जिलेभर में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, पवन प्रजापति भारतीय सेना में असम में तैनात थे। वह अपनी छुट्टियां बिताकर 15 जून को वापस ड्यूटी पर लौट रहे थे, तभी रास्ते में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें वे शहीद हो गए।

अकेला रह गया परिवार :- हादसे की खबर मिलते ही खरेखेड़ा गांव में सन्नाटा छा गया। शहीद पवन प्रजापति के परिजनों को जैसे ही सूचना मिली, वे तुरंत असम के लिए रवाना हो गए। परिवार गहरे सदमे में है, क्योंकि पवन अपने पीछे दो छोटे-छोटे बच्चे छोड़ गए हैं। उनका बड़ा बेटा करीब 5 साल का है, जबकि छोटा बेटा महज 6 महीने का है।

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब :- सेना के प्रोटोकॉल के अनुसार शहीद पवन प्रजापति का पार्थिव शरीर पहले असम से हवाई मार्ग से जयपुर फिर रविवार को झालावाड़ लाया गया, जिसके बाद सेना के जवान पवन प्रजापति की अंतिम यात्रा झालावाड़ मेडिकल कॉलेज से खारेखेड़ा गांव के लिए रवाना हुई। जिसमें लोग भारत माता की जय और पवन प्रजापति अमर रहे के नारे लगाते रहे। इस दौरान हर किसी की आंखें नम थीं। रिमझिम बारिश में बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए सड़क किनारे खड़े

- **शहीद का शव तिरंगे में लिपटा देख पत्नी बेसुध हुई, पांच साल के बेटे ने पिता को मुखाग्नि दी**

थे। शहीद का पार्थिव शरीर घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजन फूट-फूट कर रोने लगे। इसके बाद, उनके पार्थिव शरीर को पैतृक गांव खरेखेड़ा लाया गया। जहां उनकी पत्नी पूजा तिरंगे में लिपटे पति के शव को देखकर बेसुध हो गई। जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। पांच साल के बेटे ने पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार स्थल पर शहीद की रेजिमेंट के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया और 21 तोपों की सलामी दी गई। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सांसद दुष्यंत सिंह, खानपुर विधायक सुरेश गुर्जर, मनोहर थाना विधायक गोविंद रानी पुरिया समेत कई नेताओं ने शहीद को श्रद्धांजलि दी।

ठगी के 100 करोड़ का 13 खातों में ट्रांजेक्शन

बीकानेर, (निसं)। क्रिप्टो करेंसी और फॉरेक्स ट्रेडिंग के जरिए ठगी कर कमाए 100 करोड़ के ट्रांजेक्शन मामले में गिरफ्तार गांव खारड़ा निवासी कृष्ण कुमार शर्मा की करणी ट्रेडिंग कंपनी के दो बैंक खातों से बीकानेर में 13 अलग-अलग फर्मों के खातों में रुपए ट्रांसफर हुए हैं। पार्टनर घनश्याम ने आरोपी से उसके खातों को उधार ले रखा था ताकि वह ठगी के रुपयों को अलग-अलग खातों में जमा करवा सके। बदले में आरोपी को मोटे कमीशन का लालच दिया गया था। खारड़ा गांव का घनश्याम अभी फरार है। पुलिस टीम आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अब यह मालूम करने में जुटी है कि ये सभी खाते किन लोगों के हैं। मामले में कृषि उपज मंडी लूणकरणसर से भी डिटेल जुटाई जा रही है। घनश्याम की गिरफ्तारी के बाद ही मालूम चलेगा कि ठगी के इस धंधे में कौन लोग शामिल हैं।

स्विफ्ट कार ने दो युवकों को चपेट में लिया, मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। बदनोर थाने के अंतर्गत नेशनल हाइवे 158 पर देर रात्रि बारह बजे लगभग बदनोर की ओर से आ रही स्विफ्ट कार ने होटल से घर जा रहे दो युवकों को चपेट में ले लिया। वहीं टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार दोनों को 100 मीटर दूर तक घसीटते हुए ले गई हुई। मध्य रात्रि होने के कारण वाहनों का आवाजमान ज्यादा होने के कारण ऊपर से वाहन निकलते रहे। जिससे दोनों युवक बुरी तरह से कुचल दिए गए। वहीं बदनोर पुलिस मौके पर पहुंची एवं युवकों की पहचान में जुट गई। जिसके बाद पास में ही ग्रेड के सामने निवास करने वाले परा निवासी कमलेश गुर्जर पुत्र नारायण लाल गुर्जर के रूप में पहचान हुई। वहीं पत्नी ने चप्पलों के आधार पर शव की पहचान की। दूसरा शव मदन लाल अहीर वर्ष निवासी सकतपुरिया हमीरगढ़ जिला भीलवाड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को बदनोर मोचरी में रखवाया एवं परिजनों के रिपोर्ट के आधार पर पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मध्य रात्रि बारह बजे सूचना मिली कि सड़क दुर्घटना में युवकों की मौत हो गई है।

संक्षिप्त

पखवाडा 24 जून से 09 जुलाई तक

कोटपूतली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदान कर उसका जीवन स्तर उंचा उठाने की मंशा से प्रदेश भर में 24 जून से 09 जुलाई तक पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा मनाया जायेगा। इसके तहत हर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर शिविर आयोजित होंगे। इनमें राजस्व, बिजली, पानी सहित सभी विभागों की विभिन्न सेवायें मौके पर ही प्रदान की जायेगी। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल के निर्देशन में टीम कोटपूतली-बहरोड़ अभियान को सफल बनाने के लिये तैयारियां कर रही हैं।राजस्व मंडल द्वारा तलब अभिलेखोंध्पत्रावलियों को प्रेषित करना, लंबित नोटिस को तामील करना, लंबित पत्थरगढ़ी और सीमाज्ञान प्रकरणों का निस्तारण, लंबित कुर्रेजात रिपोर्ट तैयार करना, लंबित नामान्तरणों का निस्तारण, रास्तों के प्रकरणों का निस्तारण, आपसी सहमति से बंटवारे करना, बजट घोषणाओं के लंबित भूमि आवंटन के प्रस्ताव तैयार करना, अप्रयुक्त विभागीय भवनोंध्भूमि का उपयोग एवं आवंटन करना, अटल ज्ञान केन्द्र के लिये जगहध्भवन चिन्हित करना आदि।

गार्गी पुरस्कार के लिए चयनित बालिकाओ का किया सम्मान

श्रीमाधोपुर। निकटवर्ती गाँव जोरावरनगर की राउमावि मे अध्ययन कर बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली बालिकाओ का गार्गी पुरस्कार में चयन होने पर विद्यालय द्वारा सम्मान किया गया। शाला प्रधान महावीर चौपड़ा ने बताया कि जनप्रतिनिधियो, ग्रामीण जनों की उपस्थिति में विद्यालय में अध्ययन कर गार्गी पुरस्कार प्राप्त करने वाली बालिकाए पलक मीना, मोनिका मीना, खुशबू कंवर, नेहा कुमावत, निकिता कंवर का माला, साफा पहनाकर एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर इंचार्ज सुभाष कुमार, पूर्व उपप्रधान बनवारी लाल यादव, हीरालाल डूडी, हरिसिंह शेखावत, प्रभु सिंह, दौलत शर्मा, गीगराज वर्मा सहित विद्यालय का स्टाफ उपस्थित था।

निःशुल्क होम्योपैथिक पाक्षिक कैंप का आयोजन

श्रीमाधोपुर ।रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज़ द्वारा "निशुल्क पाक्षिक होम्योपैथी कैंप" का 458 वां कैंप चौधरी नाथूराम भामु रोटरी भवन में लगाया गया, जिसमे 127 मरीजों ने लाभ उठाया ।इससे पहले कैंपो में 49,000 से भी ज्यादा मरीजों ने लाभ उठाया है। रविवार को रोटरी भवन में आयोजित किये जाते है। इनमे डॉ. एस. एल. चौधरी द्वारा सभी तरह की पथरी, प्रोस्टेट, चर्म रोग, पेट रोग, दमा-श्वास, सोरोसिस, साइटिका, नजला, जुखाम, टोंसिल्स, एलर्जी, माइग्रेन, फंगल इनफेक्शन , जोडो का दर्द एवं अन्य कई रोगों से ग्रसित मरीजो को निशुल्क परामर्श दिया तथा क्लब कि ओर से 14 दिनों की दवाइयां निशुल्क दी गई। इस होमियोपैथी कैंप में डॉ. एस. एल. चौधरी के साथ क्लब के चार्टर अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद कसेरा, विजय कुमार कसेरा एवं क्लब के और सदस्यों ने अपनी सेवाए दी।

योग का अभ्यास करवाया

शाहपुरा। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग गुरु मंगल आर्य के निर्देश में भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री जगदीश सैनी(गुड्डू सैनी) द्वारा जयपुर देहात उत्तर के त्रिवेणी मंडल के चिमनपुरा ग्राम पंचायत के श्री हरदारामजी महाराज के मन्दिर परिसर में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सरदारमल यादव, त्रिवेणी मंडल अध्यक्ष रामकरण संगाबास, अक्षय शर्मा, ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री रवि सैनी, सहित कई कार्यकर्ता के साथ योगाभ्यास किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'नगर पालिका की बंद फाइल को बाहर निकाल कर अधिकारी शहर को जल भराव से निजात दिलाऐगे ?'

किशनगढ़ बास में समय रहते अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया तो गंज रोड पर पूर्व की तरह ऐसा नजारा देखेंगे।

■ मानसून को देखते हुए औपचारिकता पूरी करने में लगी है किशनगढ़ बास नगर पालिका।

किशनगढ़ बास। मानसून की दस्तक के साथ शहर में लोगों की चिन्ताए बढ़ना शुरू हो गई है। हर वर्ष की भांति इस बार भी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण गंज रोड, मुख्य बाजार , बत्रा कालोनी अनाज मंडी के सामने मुख्य सडक पर भरने वाले पानी से होने वाली त्रासदी का सामना करने को लेकर लोग परेशान हैं।

वैसे नगर पालिका ने 7 दिन में दो बार रिक्शे से प्रचार कराकर पानी निकासी के नालों व रास्तों पर अतिक्रमण को हटाने के लिए चेतावनी दे दी है। परंतु नगर पालिका की इस चेतावनी का असर दूर-दूर तक ना तो पानी निकासी के रास्तों को अवरुद्ध करके रखने वालों पर अभी तक हुआ है और ना ही अभी तक नगर पालिका ने अलमारी में रखी जादुई फाईल को बाहर निकाला है जिसमें में अतिक्रमण करके रखने वालों की जन्मपत्री छपी पड़ी है।

वैसे नगर पालिका ने मानसून को देखते हुए हर बार की तरह खानापूर्ति करने के लिए शहर में नालों की सफाई का कार्य शुरू करा दिया है जो एक औपचारिकता है इससे शहर में ना तो पहले पानी भराव की समस्या का समाधान हुआ है और ना ही होने वाला है जब तक की नगर पालिका बंद अलमारी में से अतिक्रमण करने वालों की फाईल को बाहर निकाल कर उस पर कार्रवाई नहीं करती है। इस जादुई फाईल को लेकर लोगों का यह भी कहना है कि यह फाईल केवल अतिकर्मियों को डराने के लिए बाहर निकाली जाती है करवाई कोई नहीं करना चाहता है।

शहर में इन दिनों मानसून को देखते हुए हों रहीं नालों की सफाई पर बात करें तो तोप सर्किल व सरकारी स्कूल के पास फ्रूट ठेले वालों के नीचे से जो सफाई की गई उसका एक बार अधिकारी मौका निरीक्षण करें तो उन्हें सफाई की हकीकत पता लगे लेकिन अधिकारी कमरों से बाहर ही नहीं निकलना चाहते हैं अगर देखने गए तो असलियत सामने आ जाएगी। जिससे ठेकेदार का नुक़सान होगा जो अधिकारी चाहते नहीं है। क्योंकि इसमें उनका भी नुकसान है। अनाज मंडी के सामने सड़क व मंडी के मुख्य गेट के आगे पानी भरता है। अनाज मंडी के बराबर बराबर में दो गेट है एक गेट के पास नाले को साफ करा दिया और दुसरे गेट के पास दुकान मालिक के नाले पर कब्जे को देखकर छोड़ दिया गया। ऐसे और भी कई स्थान हैं जहां कब्ज़ा होने पर सफाई नहीं की जा रही है। वहीं चर्चा है कि दुकानदार खुद की जेब से पैसे देकर अपने आगे नालों की सफाई करा रहे हैं यह वही दुकानदार है जिन्होंने नालों पर पटाव रखकर अपना कब्जा किया हुआ और डर है कि जेसीबी से पटाव टूट नहीं इसलिए खुद की जेब से पैसे देकर सफाई कराने में लगे है।

सफाई में भेदभाव करने व बीच बीच में आधा अधूरा नाला साफ करने से पानी नालों से निकलेगा यह मंथन अधिकारियों को जरूर करना होगा। वरना नालों की सफाई पर खर्च हो रहा लाखों रूपया खराब है।

अलवर में 25 करोड़ रूपये की शहरी जल प्रदाय योजना को मिली तकनीकी स्वीकृति

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री व अलवर विधायक संजय शर्मा की अनुशंसा पर अलवर शहर में पेयजल समस्या के निस्तारण हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बजट घोषणा वर्ष 2025-26 में घोषित शहरी पेयजल जलप्रदाय योजना हेतु 25 करोड़ की राशि की तकनीकी स्वीकृति जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जारी की दी गई है।

शहर में दो स्थानों लक्ष्मी नगर एवं स्कीम 4 में स्वच्छ भूतल जलाशय सीडब्ल्यूआर एवं शहर के पेयजल समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में आमजन को पानी उपलब्ध कराने हेतु निम्न पांच स्थानो स्कीम 4, शिवाजी पार्क, बस स्टैंड, बापू बाजार, गिराज दर्शन कॉलोनी, अंबेडकर नगर में उच्च जलाशय का निर्माण कराया जाएगा, साथ ही पानी उत्पादन हेतु 50 नए 3 फेज बोरिंग सूर्य नगर, विजय मंदिर रोड, रणजीत नगर, सुभाष नगर, राठ नगर, सिल्वर ऑक के पास जयपुर रोड, कटी घाटी, बुर्जा आदि क्षेत्रों में लगाए जाएंगे।

सहकारी बैंक कर्मियों का जिला सम्मेलन सम्पन्न

भरतपुर (निस)। भरतपुर में प्रदेष के सहकारी साख आंदोलन में पैक्स, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों, राज्य सहकारी बैंक, भूमि विकास बैंकों में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों का राज्यव्यापी बहुमत से प्रतिनिधित्व कर्ता संगठन ऑल राजस्थान को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन एवं ऑल राजस्थान को-ऑपरेटिव बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के आह्वान पर धौलपुर, डींग व भरतपुर जिले के सहकारी बैंक कर्मचारियों व अधिकारियों का जिला सम्मेलन, जिला अध्यक्ष हरीष चन्द्र मीणा की अध्यक्षता में भरतपुर में आयोजित किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा जयपुर से उपस्थित रहे।

सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि सहकारी बैंकों की आर्थिक सुदृढ़ता, सक्षमता एवं प्रषासकीय कुषलता के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्रीय सहकारी बैंकों में प्रबन्ध निदेषक नियुक्त किये जाने के लिए योग्य एवं उचित मानदण्ड के साथ पात्रता / योग्यता निर्धारित की गई है। सहकारी बैंकों को वाणिज्यिक, ग्रामीण एवं निजी बैंकों की प्रतिस्पर्धा में बनाये रखने व कारोबार विस्तार के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में प्रबन्ध निदेषक के पद पर बैंकिंग व वित्तीय पेषेवर ज्ञान रखने वाले योग्य एवं उचित अधिकारी लगा कर जवाबदेही एवं जिम्मेदारी निर्धारित किये जाने की आवष्यकता है। यूनियन ने सरकार व सहकारी विभाग से राज्य के किसानों व सहकारी बैंकों के हित में रिजर्व बैंक के उचित एवं योग्य मानदण्ड के आधार पर स्वच्छ छवि के अधिकारी प्रबन्ध निदेषक पद पर लगाये जाने की मांग की है।

सहकार नेता आमेरा ने राज्य सरकार से सहकारी बैंकों व पैक्स की आर्थिक मजबूती के लिए साथ ही किसानों को पर्याप्त व सस्ती ब्याज दर पर फसली ऋण उपलब्ध करवाने के लिए राज्य में टू-टीयर सहकारी बैंकिंग व्यवस्था लागू किया जाना समय की मांग एवं आवष्यकता बताई। उन्होनें कहा कि भारत सरकार के बैंकिंग एवं वित्त मंत्रालय द्वारा "एक राज्य एक ग्रामीण बैंक" का निर्णय लागू कर ग्रामीण बैंकों का आपसी विलय किया गया है। उसी तर्ज पर राज्य में एक मजबूत व बड़ा सहकारी बैंक बनाने के लिए जिले के सभी केन्द्रीय सहकारी बैंकों को राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) में विलय कर "एक राज्य एक सहकारी बैंक" बनाये जाने की आवष्यकता है। सहकारी बैंकों के विलय से आर्थिक साधनों, संसाधनों का अपव्यय रोकने, प्रषासकीय खर्चें कम होने एवं ब्याज मार्जिन की एक लेयर खत्म होने से सीधा-सीधा किसानों की आय दुगूनी करने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक व नाबार्ड ने भी टू-टीयर सहकारी बैंकिंग व्यवस्था लागू करने के लिए केन्द्रीय सहकारी बैंकों को राज्य सहकारी बैंक में मर्जर किये जाने की सहमति एवं राज्य सरकारों को सलाह जारी की गई है।

भरतपुर में वॉक पर जाते समय महिला करंट की चपेट में आई

भरतपुर (निस)। भरतपुर में एमएसजे कॉलेज के पास एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। महिला सुबह करीब 5 बजे घूमने के लिए पार्क जा रही थी। इस दौरान वह एक बिजली के पोल की चपेट में आ गई। नगर निगम की स्ट्रीट लाइट के पोल से बिजली के तार निकले हुए थे। जिससे महिला को करंट लग गया। हालांकि परिजनों ने महिला के शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाया है।

विष्णु दत्त शर्मा निवासी मडरपुर रोड़ ने बताया कि मेरी मां स्वराज शर्मा (71) सुबह घूमने के लिए गई थी। एमएसजे कॉलेज के सामने सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। वहां पर एक नगर निगम की स्ट्रीट लाइट के पोल से तार निकले हुए थे। वह जाते समय बिजली के तार की चपेट में आ गई। जिससे उनकी मौत हो गई। करीब 10 दिन पहले वहां एक सांड की भी मौत हो गई थी। उसके बाद वहां पर प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया।

कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस की एरिया डोमिनेशन कार्यवाही

■ 44 पुलिस टीमों ने एक साथ 207 स्थानों पर दी दबिश, 91 गिरफ्तार

कोटपूतली। राज्य सरकार व पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेश भर में जिला स्तर पर अपराध एवं आपराधिक प्रवृति के लोगों पर सख्त लगाम लगाने हेतु एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही अभियान चलाकर की जा रही है। इसी क्रम में कोटपूतली- बहरोड़ जिला पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देष पर जिले भर में एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत विभिन्न गैंग, हिस्ट्रीशीटर व आदतन अपराधी, आर्म्स, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी, डकैती, रंगदारी, स्थाई वारंटी, उद्घोषित व ईनामी बदमाश एवं आमजन में भय कारित करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ-साथ सोशियल मीडिया पर हथियारों की पोस्ट करने वाले एवं गैंगस्टरों को फॉलो व लाईक करने वाले तत्वों के विरूद्ध विशेष धरपकड अभियान चलाया गया। जिसके तहत एएसपी कोटपूतली वैभव शर्मा, एएसपी नीमराणा शालिनी राज, डीएसपी कोटपूतली राजेन्द्र बुरडक, डीएसपी नीमराणा सचिन शर्मा, बहरोड डीएसपी कृतिका यादव, बानसूर डीएसपी दशरथ सिंह, विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत के नेतृत्व में अलग-अलग 44 पुलिस टीमों के 258 पुलिसकर्मियों ने 207 ठिकानों पर दबिश देते हुये 91 अपराधियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान आबकारी अधिनियम के 07 प्रकरण दर्ज कर कुल 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया एवं 01 प्रकरण एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने आदतन व वांछित अपराधियों के मकानों पर दबिश देकर अवांछनीय वस्तुओं व गतिविधियों की गहनता से जॉच करते हुये तलाशी भी ली। पुलिस की अचानक हुई कार्यवाही से अभियुक्तों में भय का माहौल बन गया। बडी संख्या में अपराधी ईलाका छोडकर भूमिगत भी हो गये। उल्लेखनीय है कि एसपी दुष्यंत के नेतृत्व में जिले की पुलिस निरन्तर अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध कडी कार्यवाही कर रही है। साथ ही समय-समय पर अपराधियों की धरपकड हेतु दबिश भी दी गई है। जिससे अपराधियों के हौंसले पस्त हैं। एसपी दुष्यंत ने बताया कि राजस्थान पुलिस के ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास एवं अपराधियों में डर को चरितार्थ करने हेतु पुलिस की कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

शाकंभरी माता में मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

■ भारतीय संस्कृति का हिस्सा है योग : वैद्य समीरा आर्य

फुलेरा। क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम कोरसिणा में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के तत्वाधान में धार्मिक स्थल शाकंभरी माता परिसर में सामूहिक योग अभ्यास किया गया। गौरतलब है कि उक्त योगाभ्यास विद्यालय के प्रधानाचार्य फूलचन्द मीणा के नेतृत्व में शारीरिक शिक्षक दिनेश कुमार द्वारा सरकारी स्कूल परिसर और शाकंभरी माता परिसर में योगाभ्यास किया गया। इस दौरान वैद्य समीरा आर्य ने कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। साथ ही उन्होंने कहा कि योग प्राणायाम न केवल शारीरिक सक्रियता के लिए जरूरी है बल्कि आज के समय में सामान्य बिमारियों एवं शरीर के अंदरूनी दर्द को दूर करने के लिए भी उपयोगी है।

वहीं प्रधानाचार्य फूलचन्द मीणा ने बताया कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा है कि योग प्राणायाम आपको इस स्थिति में ले जाता है। जब एक नितांत निर्जन रेगिस्तान में आप एक क्रियाशील व्यक्ति की तरह काम कर सकते हैं एवं अंधाधुंध भागते हुए शहर में एक मानसिक शान्त व्यक्ति की तरह काम कर सकता है। इसी तरह शारीरिक शिक्षक दिनेश कुमार ने उपस्थित सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम अपने नित्य काम में से 15-20 मिनट प्रतिदिन हमारे शरीर के लिए निकल कर योगा करें तो बेहतर होगा। इस मौके पर प्रधान सहदेव गुर्जर, आयुर्वेदिक औषधालय के नोडल अधिकारी रामप्रकाश शर्मा, सहायक नोडल अधिकारी समीरा आर्य, फूलचन्द मीणा, दिनेश कुमार सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

समाज की बैठक का आयोजन : सामाजिक कुरीतियों के मिटाने पर की चर्चा

शाहपुरा । साईवाड़ मोड स्थित बलाई समाज छात्रावास के सभागार में सामाजिक चिंतक कैलाश खाडिया की अध्यक्षता में रविवार को बलाई समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बलाई समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों का त्याग पर विचार विमर्श किया गया तथा समाज में नशा प्रवृति के त्याग करने का संकल्प लिया गया ।अनुशासन और अच्छी आदतों के विकास के बारे में जानकारी दी गई। समाज में मृत्यु भोज,दहेजप्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को बन्द करने की सहमति बनाने पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर बैठक की अध्यक्षता करते हुए कैलाश खाडिया ने कहा कि नशा प्रवृति व सामाजिक कुरीतियों का त्याग करने, शिक्षा को बढ़ावा देने,युवाओं के रोजगार व उनके केरियर निर्माण के बारे में जानकारी देते हुए समाज सुधार के कार्य करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया।

बलाई समाज की बैठक का आयोजन किया ।

शिक्षक जगदीश निझर,अशोक कुमार वर्मा,सुरेश कटारिया ,अशोक आजाद,पूरणमल नैनावत आदि ने कहा कि मादक पदार्थों और शराब का नशा, मृत्युभोज, प्री-वेंडिंग शूट, जन्मोत्सव, दहेज प्रथा, हल्दी-मेहंदी की रस्म जैसी कुप्रथाएं समाज को कमजोर कर रही हैं। इन बुराइयों को बंद कर गरीब और पिछड़े बच्चों की आर्थिक मदद करनी चाहिए। नशा घर-परिवार को बर्बाद करता है।आने वाली पीढ़ी को बेघर कर देता है। इससे बचने के लिए समाज का शिक्षित होना जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति इन निर्णयों की अवमानना करने की कोशिश करते हुए पाया जाएगा तो पहले समाज के लोगों की ओर से समझाइश की जाएगी, फिर भी नहीं मानने पर कानूनी सहायता ली जाएगी।

सेवानिवृत्त सुबेदार रामजीलाल बुनकर,डॉ.पूरणमल बुनकर,पूर्व पार्षद लक्ष्मी नारायण गोठवाल,वरिष्ठ शिक्षक रिछपाल बंगाली आदि ने कहा कि सामाजिक रीति-रिवाजों के नाम पर समाज में अनेकों सामाजिक कुरीतियों का जन्म हो गया है, जो समाज के लिए कलंक है। इससे समाज की आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। गजानंद नैनावत, सोहनलाल चौहान, मनीन्द्र वर्मा, सुनील कडेला,डॉ.रोहिताश जिलोवा आदि ने कहा कि समय और आवश्यकता के अनुसार अगर समाज को आगे लाना है तो सामाजिक कुरीतियों को त्यागना होगा एवं प्रतिभाशाली जरूरतमंद व्यक्तियों की मदद कर उनको जीवन में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने होंगे। तभी ही समाज का विकास हो पाएगा। सीकर,विराटनगर,शाहपुरा, जमवारामगढ़,जयपुर आदि से आये समाज बंधुओं ने समाज में प्रचलित कुरीतियों को दूर करने पर चर्चा की ।

सार-समाचार

तहसील ब्राह्मण सभा की बैठक आयोजित

कोटपूतली। तहसील ब्राह्मण सभा (ब्राह्मण समाज) की आम सभा बैठक रविवार को कस्बा स्थित भगवान श्री परशुराम मंदिर में पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक पं. किशोरी लाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विगत 18 जून को हुई बैठक के प्रस्तावों पर निर्णय लेते हुये तहसील स्तर पर प्रस्तावित प्रतिभा सम्मान समारोह पर चर्चा की गई। महामंत्री वी के नवल शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि तहसील स्तर पर सत्र 2023-24 व 2024-25 के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है। जिनमें बोर्ड कक्षाओं, स्नातक व स्नातकोत्तर में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले एवं नीट व इंजीनियरिंग में चयन होने सहित राजकीय सेवाओं में स्थान बनाने वालों को सम्मानित किया जायेगा। आगामी 24 अगस्त को होने वाले समारोह में 31 जुलाई तक के आवेदनों पर ही विचार किया जायेगा। इसको लेकर सेवानिवृत डीईओ सुभाष चंद शर्मा की अध्यक्षता में कमेटी का गठन करते हुये सेवानिवृत प्रधानाचार्य शिवप्रकाश शर्मा, नागेन्द्र वैद्य, मिथलेश शर्मा, नागरपाल कौशिक को सदस्य व हरिशंकर शर्मा गिरदावर को संयोजक बनाया गया है। उक्त कार्यक्रम भामाशाहों के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। इसको लेकर आगामी 31 जुलाई तक अग्रसेन तिराहा स्थित शर्मा ज्यूस सैंटर, मुख्य चौराहा स्थित शर्मा हार्डवेयर, गुलशन पान भण्डार, पण्डित मेडीकल व श्री परशुराम मंदिर में आवेदन दिये जा सकते है। बैठक में तहसील अध्यक्ष नवरतन शर्मा, संरक्षक सूर्यकान्त शर्मा, मूलचंद शर्मा, महामंत्री वी के नवल, हरिशंकर शर्मा, शशिकांत शर्मा, ब्रह्मनन्द गौड़, रमाकांत शर्मा, सज्जन जोशी, अनिल शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, धंशीराम शर्मा, सतीश शर्मा, टिंकु पहलवान, प्रभुदयाल, रमेश शर्मा, महेश शर्मा, सुरेश शर्मा, प्रदीप शर्मा, सचिन गौड़, सज्जन शर्मा बडाबास, ललित शर्मा, मुकेश शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

जल प्रदाय योजना को मिली तकनीकी स्वीकृति

अलवर । वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा की अनुशंसा पर अलवर शहर में पेयजल समस्या के निस्तारण हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नेतृत्व में बजट घोषणा वर्ष 2025-26 में घोषित शहरी पेयजल जल प्रदाय योजना हेतु 25 करोड़ की राशि की तकनीकी स्वीकृति आज जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जारी की दी गई है। उन्होंने बताया कि पेयजल योजना अंतर्गत स्वीकृत राशि से अलवर शहर में दो स्थानों लक्ष्मी नगर एवं स्कीम 4 में स्वच्छ भूतल जलाशय एवं शहर के पेयजल समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में आमजन को पानी उपलब्ध कराने हेतु निम्न पांच स्थानो स्कीम 4, शिवाजी पार्क, बस स्टैंड, बापू बाजार, गिराज दर्शन कॉलोनी, अंबेडकर नगर में उच्च जलाशय का निर्माण कराया जाएगा, साथ ही पानी उत्पादन हेतु 50 नए 3 फेज बोरिंग सूर्य नगर, विजय मंदिर रोड, रणजीत नगर, सुभाष नगर, राठ नगर, सिल्वर ऑक के पास जयपुर रोड, कटी घाटी, बुर्जा आदि क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उक्त राशि अंतर्गत शहर के 35 किलोमीटर के एरिया में पाइप लाइन बिछाने एवं विभिन्न पंप हाउसों पर नई मशीनरी सेट बदलने का कार्य कराया जाएगा, शीघ्र ही जलदाय विभाग अलवर द्वारा उक्त स्वीकृत स्थलों पर जलाशयों के निर्माण एवं ट्ययूबवेलों को लगाने, सहित स्वीकृत अन्य कार्यो हेतु निविदा संबन्धी कार्यवाई शुरू की जावेगी। पेयजल समस्या के निराकरण हेतु स्वीकृत राशि की तकनीकी स्वीकृति जारी करने पर वन एवं पर्यावरण मंत्राी संजय शर्मा ने मुख्यमंत्राी भजन लाल शर्मा एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्राी कन्हैयालाल चौधरी का आभार व्यक्त किया है।

पानी की पाइप लाइन लीकेज होने से व्यर्थ बहता रहता है हजारों लीटर पानी

मनोहरपुर। कस्बे के तोपचिवाड़ा में कई दिनों से पेयजल पाइपलाइनलीकेजहोने से हर रोज हजारों लीटरपानीसड़क पर व्यर्थ बह रहा था। जिससे खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है।पाइप लाइनलीकेजहोने से कई स्थानो परपानीकी समस्या बनी हुई है। तोपचिवाड़ा निवासी अली खान ने बताया कि तोपचिवाड़ा नेशनल पब्लिक स्कूल के पास कई दिन सेपानीकी लाइनलीकेजहो रही थी। जिससे पाईप से प्रतिदिन हजारों लीटरपानीफव्वारे के रूप में व्यर्थ बह जाता है। पूर्व में यहां धीरे धीरेपानीका रिसाव होता था। ग्रामीणों और व्यापारियों नेलीकेजपाइप लाइनके बारे में विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया है। इस दौरान इस मार्ग की ओर जल भराव होने लगा है जिससे आमजन इस समस्या से परेशान हो गए हैं। वही विद्यार्थियों व राहगीरों को भी आने जाने में परेशानी हो रही है।पानीकेलीकेजमें व्यर्थ बह जाने से कई स्थानो पर प्रेशर सेपानीनहीं पहुंच रहा। जिससे मोहल्लें में पीने केपानीकी किल्लत बनी हुई है। मोहल्ला वासियों ने जलदाय विभाग से जल्दपाइप लाइन को ठीक करवानेकी मांग की है।जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता जयराम सैनी का कहना हैं की आज सोमवार को सुबह जल्द ही लीकेज पाइप लाइन को ठीक करवा दिया जाएगा।

वार्षिकोत्सव आयोजित

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम बामनवास में प्रतिवर्ष की तरह जीण माता का 16 वॉ वार्षिकोत्सव बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जहॉ हजारों की संख्या में श्रद्धालूओं ने शिरकत करते हुये जीण माता के धोक लगाकर विशाल भण्डारे में पंगत प्रसादी ग्रहण की। वहीं विभिन्न कलाकारों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुये पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने कहा कि सामाजिक व धार्मिक आयोजन आपसी एकता व भाईचारे को बढ़ावा देते है। कसाना ने शिक्षा पर जोर देते हुये कहा कि हर युग व समय का अपना महत्व होता है। आज के समय में प्रतिस्पर्धा करनी है तो किसान परिवारों को अपने बेटे- बेटियों को अच्छी व गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा दिलानी चाहिये। कसाना ने कहा कि देश -विदेश में प्रगति के अवसर उपलब्ध है, लेकिन जो अच्छी पढ़ाई करेगा उसी को वह अवसर मिलेगा। जो शिक्षा प्राप्त नहीं करेगा वह प्रतिस्पर्धा के इस युग में पिछड जायेगा। मुख्य अतिथि कसाना का बडी संख्या में ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

भैंरू हुल्डा ने 51 लाख रुपये का किया सहयोग

कोटपूतली। आधुनिक विकसित भारत के निर्माण में युवा जन शक्ति का शिक्षित होकर रचनात्मक और सृजनात्मक कार्य में अपनी योग्यता क्षमता का प्रदर्शन करना बहुत आवश्यक है।

नाम परिवर्तन

मेरा नाम जगदीश प्रसाद पुत्र श्री बच्चू लाल से बदलकर जगदीश प्रसाद बैरवा कर लिया गया है। भविष्य में मुझे इस नाम से जाना और पहचाना जाये। P.24, बैरवा मौहल्ला, सुजानपुरा, टोडाभीम, करौली राजस्थान

::सार्वजनिक सूचना:: सर्व साधारण को सूचित किया जाता कि मे.केअर, S-4, प्लाट नं. F-3, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302001 जो कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स के द्वारा रजिस्ट्रेशन नं. RF/JPU/2018/2127 दि. 04.06.2018 से रजिस्टर्ड है का पुनर्गठन रिकोन्सटिट्यूसन ऑफ पार्टनरशिप डीड दि.23.01.2025 के अनुसार किया गया है। मे.केअर का पुनर्गठन निम्नानुसार हुआ है:- भागीदार 1. श्रीमती आरती शंकर वेदुला पत्नी श्री वी.एस.रवि किरन व 2. श्री नारायणलाल शर्मा पुत्र स्व. श्री महादेव प्रसाद शर्मा ने भागीदार के पद को दि.23.01.2025 को त्याग दिया है। नये भागीदार 1.सुश्री महक शंकर पुत्री श्री शंकर वैकुंठम व श्री विकास यादव पुत्र श्री जितेन्द्र यादव ने मे.केअर का संपूर्ण दायित्व पूरी देनदारियों व जिम्मेदारियों के साथ दि.01.02.2025 से ग्रहण कर लिया है। नये भागिदारों ने मे.केअर, को नये एड्रेस फ्लैट नं.-1402, अरगस होम्स, गोपालपुरा, टोंक रोड, जयपुर-302018 पर स्थानांतरित कर लिया है। अतः दोनों पद त्यागित भागीदार मे.केअर की संपूर्ण देनदारियों और जिम्मेदारियों से दि.01.02.2025 को पूर्ण रूप से मुक्त हो गए है। यदि किसी को भी इस सूचना से कोई आपत्ति हो तो वह दि.30.06.2025 तक अपनी आपत्ति को प्रमाण के साथ श्री नरेन्द्र जैन CA, 404, श्याम अनुकम्पा, अशोक मार्ग, सी-स्कीम,जयपुर-302001 के समक्ष प्रस्तुत करें।

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
सार्वजनिक सूचना
क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2025-26/4766-767 दिनांक : 16.06.2025

आवेदक श्री अशोक कुमार गुप्ता पुत्र श्री शिवचरन लाल एवं श्रीमती नीलिमा गुप्ता पत्नी श्री अशोक गुप्ता निवासी - गोवर्धन गेट, भरतपुर द्वारा ख.नं. 1112, 1113, 1114, 1115 चक नं. 2 में भरतपुर में स्थित 3 बीघा भूमि जो कि इण्डस्ट्रीज में रूपान्तरित है, में से क्षेत्रफल 833.33 वर्गमीटर का उपविभाजन कर संस्थानिक में भू-उपयोग परिवर्तन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ इण्डस्ट्रीज में रूपान्तरित लीज डीड दिनांक 24.12.1981, अपंजीकृत वसीयतनामा श्रीमती किरन देवी पत्नी श्री शिवचरन लाल दिनांक 18.12.1994 की प्रति, बयनामा श्री फतेहसिंह पुत्र श्री गुरुमुख सिंह व श्री मक्खन सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह द्वारा श्रीमती किरन देवी पत्नी श्री शिवचरन लाल के पक्ष में दिनांक 19.05.1973 की प्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र श्रीमती किरन देवी व श्री शिवचरन लाल की प्रति, उपविभाजन मानचित्र की 4 प्रति, टोटल स्टेशन सर्वे की 3 प्रति, गूगल मैप सुपर इम्पोज की 2 प्रति, आधार कार्ड आदि दस्तावेज की प्रतियां तथा भू-उपयोग परिवर्तन कराने हेतु 3 साइट प्लान प्रस्तुत किए हैं। भू-उपयोग आवेदन पत्र व मानचित्र में अंकित आवेदित भूखण्ड का क्षेत्रफल 833.33 वर्गगज का उपविभाजन कर संस्थानिक में भू-उपयोग परिवर्तन चाहा गया है। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि 7 दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें। अन्यथा गुजरने म्याद संस्थानिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन करने की अग्रिम कार्यवाही की जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी, स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

संक्षिप्त

कार्यकारिणी का गठन

श्रीमाधोपुर। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर की सम्पन्न आम सभा में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सीताराम सैनी को पांचवीं बार पुनः क्लब का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सैनी के अनुसार अनिल कुमार मारवाल सचिव पद संभालेंगे तथा ललित कुमार सैनी कोषाध्यक्ष रहेंगे, इसके अलावा बजरंग लाल कुमावत को प्रथम उपाध्यक्ष , डॉक्टर मंगल यादव को द्वितीय उपाध्यक्ष एवं सागरमल सैनी को तृतीय उपाध्यक्ष , रमेश चंद सैनी को सहसचिव एवं डॉक्टर विनय खंडेलवाल को सहकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी क्लब के संरक्षक रहेंगे, इस मौके पर क्लब के परमानंद सोनी, डॉ सुरेंद्र सिंह शेखावत, डां: नीलकंठ कयाल, राजेंद्र प्रसाद जांगिड़, सागरमल हवाई, रेवत सिंह, मानक चंद तिवारी, निरंजन कुमार अग्रवाल, प्रकाश चंद शर्मा, विक्रम सैनी, बनवारी लाल कुमावत, मनोज मालपानी, रामावतार वर्मा, श्रीराम कुमावत, आदि उपस्थित रहे।

लक्ष्मी यादव बनी राजस्थान नर्सेज एसोशियशन की जिला उपाध्यक्ष

निवाई। राजस्थान नर्सेज एसोशियशन (एकीकृत)के प्रदेशाध्यक्ष पवनकुमार व प्रदेश उपाध्यक्ष पीएम मीणा निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष त्रिलोकचन्द मीणा ने कार्यकारणी का विस्तार किया है। जिलाध्यक्ष त्रिलोकचन्द मीणा ने कार्यकारणी का विस्तार करते हुए कार्यकारणी में नर्सिंग ऑफिसर मूंडिया लक्ष्मी यादव को जिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष त्रिलोकचन्द मीणा, कार्याकारी जिलाध्यक्ष श्योजीलाल यादव व ब्लॉक अध्यक्ष टीकाराम शर्मा व उपाध्यक्ष सुरेश शर्मा ने नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी यादव को नियुक्ति-पत्र देकर कार्यकारणी में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए निर्देशित किया है।

तलाई वाले बालाजी से बारिश के लिए सामूहिक अरदास

सांभरझील, (निसं)। यहां तलाई वाले बालाजी से क्षेत्र में अच्छी बारिश की कामना को लेकर सांभर टेंट एंड इवेंट व हलवाई संगठन की तरफ से शनिवार को सामूहिक अरदास की गई। बालाजी की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर में सजावट की गई। हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संध्या आरती के बाद बालाजी को चूरमा, बाटी, दाल का भोग लगाया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को पंगत प्रसादी दी गई। इस मौके पर टेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष हनुमान जी कुमावत, संगठन के छीतर लाल तंवर, वकील सुनील शर्मा, बनवारी लाल सिंघानिया, सुबराती, अहसान, बालकिशन सिंघानिया, मुकेश कुमार प्रजापत, धनंजय शर्मा सहित काफी संख्या में भक्तगणों की उपस्थिति रही।

अवैध चेजा पत्थरों से भरे हुए ट्रैक्टर ट्राली जब्त

निवाई। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध रूप से चेजा पत्थरों का परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया है। थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान सोहेला रोड़ पर अवैध चेजा पत्थरों से भरे हुए ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया है। ट्रैक्टर ट्राली में करीब 2 टन चेजा पत्थर भरे हुए थे। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली को मय पत्थरों के थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा करवा दिया है।

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर में 55 रोगी लाभान्वित

श्रीमाधोपुर। स्वर्गीय चंद्र मणि शर्मा धर्मार्थ चिकित्सा संस्थान श्रीमाधोपुर में दोपहर 2 से 4 बजे तक निःशुल्क न्यूरोलॉजी चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। संस्थान के युगल किशोर शर्मा जोशी तथा समाजसेवी छाजूराम खेड़ीवाल के अनुसार शिविर में डॉ कपिल खंडेलवाल न्यूरो फिजिशियन ने लकवा, न्यूरो, सर्वाइकल , मिर्गी , स्पाइन, नर्वस बीमारी से ग्रसित 55 मरीजों को निःशुल्क परामर्स दिया।

विजय बने वैज्ञानिक

श्रीमाधोपुर। पर्यावरण प्रेमी सोमेश राजोरिया ने बताया कि विजय कुमार कुमावत, पुत्र सुभाष कुमावत, पौत्र स्व .मदनलाल कुमावत जिला सीकर (राजस्थान) का भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक अधिकारी पद पर चयन हुआ है।

सरकार प्रत्येक व्यक्ति के समग्र कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है : भूपेंद्र यादव

- केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने रामगढ़ में चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया।

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने रविवार को रामगढ़ में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सा शिविर में प्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा आमजन को दी जा रही चिकित्सकीय परामर्श, जांच एवं निःशुल्क दवाइयों की सुविधाओं की सराहना की।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में स्वस्थ एवं सशक्त भारत की परिकल्पना भी शामिल है। इसी दिशा में स्वास्थ्य सेवाओं एवं आधारभूत ढांचे का निरंतर सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा रामगढ़ क्षेत्र में भी चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है।

चिकित्सा शिविर का फीता काटकर शुभारंभ करते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव व उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बेरवा सहित अतिथि गण।

सांसद संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'टीबी मुक्त भारत' संकल्प के तहत टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के निर्माण का आ ान किया जा रहा है। सरकार टीबी को जड़ से समाप्त करने के लिए संकल्पबद्ध है। इस हेतु टीबी रोगियों को निःशुल्क दवा के साथ-साथ प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है।

यादव ने कहा कि सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को लाभांश की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में प्रेषित की जा रही है। केंद्र सरकार प्रत्येक व्यक्ति के समग्र कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से भी आमजन तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है।

इस मौके पर रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, प्रधान दौलतराम, नसरू खां, वीरमति देवी, पूर्व विधायक राजेंद्र गंडुरा, इंद्रजीत सिंह पाटा, संजय नरूका, इंद्र यादव, मुन्नी देवी, ललित रायपुरा, डॉ. राकेश रैसवाल, डॉ. हेमंत कुमार, मुरारी दहिया, सुरेश नागपाल, भगवान सैनी सहित चिकित्सा टीम, मेडिकल स्टाफ एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इससे पूर्व भूपेंद्र यादव ने नौगांवा स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र का दौरा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल नवाचार, डेयरी विकास, मशीनीकरण और उद्यिमता के प्रयासों से किसानों को उच्च आय, जलवायु सहनशीलता और बाज़ार तक बेहतर पहुँच जैसे दीर्घकालिक लाभ मिल रहे हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री अलवर सांसद भूपेंद्र यादव अलवर में राईका समाज एवं श्री वीर हडमल जी राईका सेवा समिति द्वारा आयोजित राईका गौरव दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शिरकत की।

मनोहरपुर के फिरोज खान ने रचा इतिहास

मनोहरपुर। कस्बे के अमन कॉलोनी निवासी फिरोज खान का चयन राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/विशेष शिक्षा) सीधी भर्ती परीक्षा-2022 में हुआ है। यह परीक्षा 28 फरवरी 2023 को आयोजित की गई थी और परिणाम 27 जनवरी 2025 को घोषित किया गया था। फिरोज खान ने अपनी मेहनत और लगन से इस परीक्षा में सफलता हासिल की है, जो उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है। उनका चयन उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक के पद पर हुआ है, जो एक प्रतिष्ठित और सम्मानजनक पद है, जिसमें वे अपने समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्रदान करेंगे। फिरोज खान अब अपने समुदाय के बच्चों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और समाज में सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया

- उपखंड अधिकारी अनीता खटीक के निर्देशानुसार सरपंच सीमा बैरवा व आयुर्वेद अधिकारी रविन्द्रकुमार शर्मा के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग शिविर पर दक्ष प्रशिक्षक समोदरा मीणा द्वारा शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों व लोगों को योगाभ्यास करवाया
- एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए ही योग थीम को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों ने किया योगाभ्यास किया

निवाई। ग्राम पंचायत खणदेवत में उपखंड अधिकारी अनीता खटीक के निर्देशानुसार सरपंच सीमा बैरवा व आयुर्वेद अधिकारी रविन्द्रकुमार शर्मा के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग शिविर पर दक्ष प्रशिक्षक समोदरा मीणा द्वारा शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों व लोगों को योगाभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर उप सरपंच राजेश खटाणा, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अनंतकुमार शर्मा, अखलेश बैरवा, एएनएम प्रतिभा मीणा, आशा सहयोगिनी नैना बारेठ, पूर्व वार्ड पंच जगदीश नायक, जाहिद खां, गोविंद स्वामी, सीताराम जाट, रमेशचंद बैरवा, गिर्राज एवं हेमराज शर्मा सहित कई वार्ड पंच एवं ग्रामीण मौजूद थे। इसी प्रकार एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए ही योग थीम को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों ने किया योगाभ्यास किया। गोविंद माधव ग्लोबल स्कूल में प्रधानाचार्य ने शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को एकजुट होकर सामूहिक योगाभ्यास करने के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रधानाचार्य विनय ओझा ने अध्यापकों अभिभावकों और बच्चों को नियमित योग का संकल्प दिलाया। इसी प्रकार राजकीय महाविद्यालय में नोडल महाविद्यालय एवं कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर दीपकराज जैन ने प्रधानमंत्री के योग पर उद्बोधन के सीधे प्रसारण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। योग शिक्षक अशोक लांगडी द्वारा दोनों महाविद्यालय के समस्त कार्मिकों व छात्र-छात्राओं को सूर्य नमस्कार, वज्रासन, ताड़ासन, अनुलोम विलोम, कपालभाति इत्यादि योगाभ्यास करवाया गया। योग नोडल अधिकारी राजेशकुमार मीणा ने योग दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसी प्रकार कृषि महाविद्यालय झिलाय में 11 वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। अधिष्ठाता डॉ रामस्वरुप मीना ने बताया कि योग मनुष्य के मन, आत्मा और शरीर को आपस में जोडने का काम करता हैं। इसलिए योग का महत्व ओर अधिक बढ जाता हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी आकाश तंवर ने अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, कपालभांति एवं ऊज्जाई आदि प्राणायाम एवं बटरफ्लाई, वज्रासन, चक्रासन और शीर्षासन आदि आसनों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. आरएल मीणा, डॉ. कृष्णअवतार मीणा, डॉ. भगवानसिंह धाकड, आकाश तंवर एवं अशैक्षिणक कर्मचारी रमेश गौत्तम, सुनील वर्मा, तरुण बागडी, श्योजीलाल सैनी, पारस चन्द माली, आत्मा राम मीणा, सुनीता जाजोरिया, नेहा मौर्या, चन्द्रप्रकाष स्वर्णकार व गौरव नेमिया सहित कई विद्यार्थी मौजूद थे।

सम्मान समारोह में 171 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

नारायणपुर। कस्बे के पुरुषोत्तम दास आश्रम में रविवार को वीर तेजाजी जाट सेवा समिति के तत्वावधान में तृतीय जाट समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महामंडलेश्वर जनार्दन दास महाराज द्वारा तेजाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई। समारोह में अतिथि के रूप में विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, जयपुर ग्रामीण से पूर्व सांसद प्रत्याशी अनिल चोपड़ा, डॉ. पीसी जाट, डॉ. पूरण मल चौधरी, लीलाराम चौधरी, उपप्रधान रामनिवास भादू, जिला पार्षद खामोश देवी, सरपंच गणेश चौधरी सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों का समिति द्वारा माला पहनाकर व पारंपरिक साफा बांधकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुरेश कपूरिया ने कुशलता से किया, वहीं समिति के अध्यक्ष रोशन भोंकर ने समिति की वार्षिक गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में शिक्षा, खेलकूद और सरकारी सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले जाट समाज की 121 प्रतिभा तथा 36 राजकीय

वीर तेजाजी जाट सेवा समिति के तत्वावधान में तृतीय जाट समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया

सेवाओं में चयनित युवाओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त समाज सेवा एवं आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले 19 भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक कुलदीप धनकड़ ने समाज की एकजुटता और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में समाज की प्रतिभाएं देश और राज्य का नाम रोशन कर रही हैं। वहीं अनिल चोपड़ा ने समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं के आत्मविश्वास को और भी मजबूती प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की सफलता में समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

इस सम्मान समारोह ने जाट समाज की एकजुटता और समाज सेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को एक नई पहचान दी है। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हरिराम जाखड़, डॉ. भीमसिंह सनवाल, महेन्द्र जाट, संदीप नागा, हरिसिंह, सतवीर डूडी, कैलाश चंद, सुरेश गिठाला, रोहिताश, रामजीलाल, विक्रम, विकास, राजेन्द्र उपसरपंच, महेश सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सांभर डाकघर ने 23 रुपए अधिक वसूले, अब देने होंगे 25 हजार

- विपक्षीगण, परिवादी को उससे अधिक वसूल की गई राशि 23/-रूपये व इस राशि पर परिवाद दायर करने की तारीख से अदायगी तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज अदा करें

सांभरझील, (निसं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय, जयपुर पीठासीन अधिकारी ग्यारसी लाल मीना अध्यक्ष व श्रीमती हेमलता अग्रवाल सदस्या ने परिवादी नवल किशोर सोनी पुत्र भंवरलाल केयर ऑफ एन. के ज्वैलर्स नया बाजार, बाजार, ए.टी.एम के सामने सांभरलेक की ओर से प्रस्तुत परिवाद को स्वीकार कर पोस्ट मास्टर, पोस्ट ऑफिस सांभर लेक, अधीक्षक, डाकघर जयपुर देहात मण्डल, शास्त्री नगर, जयपुर व पोस्ट मास्टर जनरल राजस्थान सर्किल, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर के खिलाफ अन्तर्गत धारा 35 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत आदेश दिया है कि विपक्षीगण, परिवादी को उससे अधिक वसूल की गई राशि 23/-रूपये व इस राशि पर परिवाद दायर करने की तारीख से अदायगी तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज अदा करें।

इसके अलावा विपक्षीगण, परिवादी को मानसिक संताप की क्षितपूर्ति क 15000/- रूपये व परिवाद व्यय के 10000/- रूपये, कुल 25000/- अक्षरे पच्चीस हजार रूपये आज से एक माह में अदा करें। एक माह में अदा नहीं करने पर परिवादी इस राशि पर आज की तारीख से वसूली तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज प्राप्त करने का अधिकारी होगा। परिवादी वकील ने बताया कि लोक सूचना अधिकारी एवं उप पंजीयक मुख्यालय फुलेरा मुकाम सांभरलेक से सूचना के अधिकार में कुछ सूचना प्राप्त करने के लिए दिनांक 04.04.2016 को एक लोकल स्पीड पोस्ट विपक्षी सं0 1 के यहां से करवायी थी। परिवादी द्वारा उक्त स्पीड पोस्ट की राशि कम सं0 1 को 40/- रूपये का भुगतान करते समय यह पूछा गया कि 20 ग्राम के 17/- रूपये होते है इसमें 15/-रूपये पोस्टेज चार्ज व सर्विस टैक्स 2.0 पैसे होते है जबकि उससे विपक्षी सं0 1 ने 20 ग्राम के 40/- रूपये प्राप्त कर लिये। विपक्षी सं0 1 द्वारा परिवादिया से 23/- रूपये अधिक प्राप्त करना नाजायज है जो कि सेवादोष कारित करना दर्शाता है।

ओवरलोड परिवहन को प्रतिबंधित किये जाने के बावजूद भी जारी है ओवरलोड परिवहन

- न्यायालय ने वाहन की क्षमता से ज्यादा सामान किसी भी स्थिति में लोड नहीं किये जाने के दिये थे स्पष्ट आदेश
- ओवरलोड परिवहन के चलते हजारों करोड़ रुपयों की लागत से बनी सड़के क्षतिग्रस्त होने के साथ साथ आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में हो रही है भारी जन धन की हानि

कोटपूतली। राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर व एनजीटी भोपाल द्वारा प्रमुख रूप से कोटपूतली व आसपास के जिलों में उच्च स्तर पर हो रहे ओवरलोड परिवहन के खिलाफ सख्ताई दिखाते हुये वाहनों में क्षमता के अनुसार ही माल लोड किये जाने के स्पष्ट निर्देश दिये थे। लेकिन उसके बावजूद भी कोटपूतली और उसके आसपास के जिलों में उच्च स्तर पर ओवरलोड परिवहन जारी है। जिससे उच्च न्यायालय और एनजीटी के निर्देशों की खुले तौर पर अवहेलना हो रही है। गौरतलब है कि सामाजिक कार्यकर्ता नित्येन्द्र मानव द्वारा कोटपूतली में ओवरलोड परिवहन पर प्रतिबंध लगाने तथा ओवरलोड से क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष जनहित याचिका 9595ध2015 दायर कर कोटपूतली तहसील और आसपास के क्षेत्र में उच्च स्तर पर हो रहे ओवरलोड परिवहन पर अंकुश लगाने के साथ साथ ओवरलोड परिवहन के चलते क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के पुनर्निर्माण की मांग की थी। जिस पर सुनवाई करते हुये पूर्व में उच्च न्यायालय द्वारा संपूर्ण राजस्थान राज्य में मुख्यतः कोटपूतली और आसपास के क्षेत्र में उच्च स्तर पर हो रहे ओवरलोड परिवहन पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण को लेकर राज्य सरकार को निर्देश दिये थे। न्यायालय ने तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव एवं परिवहन आयुक्त शैलेन्द्र अग्रवाल को ओवरलोड वाहनों एवं अवैध वाहनों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही करते हुये हर हाल में ओवरलोड वाहनों एवं अवैध वाहनों के संचालन पर स्थाई रूप से प्रतिबन्ध लगाया जाने, पकड़े गये सभी ओवरलोड वाहनों को ऑफलोड करवाकर ही छोड़े जाने, महाप्रबंधक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जयपुर और सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान सरकार को सड़कों पर चलने वाले वाहनों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रोपर्टी एक्ट 1984 धारा 03 के तहत सड़कों पर चलने वाले ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सम्बंधित थानों में मुकदमें दर्ज करवाने, सभी कंपनियों, सीमेंट फैक्ट्रियों, खान मालिकों, क्रेशर मालिकों आदि को वाहन की क्षमता के अनुसार ही रवन्ना बिल्टी आदि जारी करने के निर्देश देते हुये ओवरलोड से क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण किये जाने के लिये भी पाबंद किया था।

साथ ही नित्येन्द्र मानव द्वारा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष अवैध खनन को रोके जाने को लेकर जारी दायर जनहित याचिका पर भी सुनवाई करते हुये ट्रिब्यूनल ने ओवरलोड परिवहन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया था। मानव ने बताया कि देश के दो शीर्ष न्यायालयों द्वारा ओवरलोड परिवहन को पूरी तरह प्रतिबंधित किये जाने के बावजूद भी भारी तादात में ओवरलोड वाहनों का संचालन होना और इनके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाओं का होना तथा हजारों करोड़ रुपयों की लगात से बनी सड़कों का क्षतिग्रस्त होना दुर्भाग्य का विषय है। खान विभाग द्वारा वाहन की क्षमता से कहीं ज्यादा वजन के ई रवन्ना जारी किये जा रहे हैं। जिससे ओवरलोड को बढ़ावा मिल रहा है और उच्च न्यायालय व एनजीटी के आदेशों की खुले तौर पर अवहेलना हो रही है।

कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

भरतपुर (निस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का ट्रेन द्वारा जयपुर से आगरा जाते समय भरतपुर रेलवे स्टेशन पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में जिले भर के कांग्रेसियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूर्व सांसद स्वर्गीय निहाल सिंह जैन की द्वितीय पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आगरा जा रहे थे। ट्रेन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा भी गहलोत के साथ भरतपुर तक आए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गहलोत को सूत की माला पहनाकर तथा साफा तथा बुके भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर साहब सिंह एडवोकेट, धर्मेंद्र शर्मा, शहर अध्यक्ष दयाचंद पचौरी, जगदीश बंजी, राजीव कुम्हेर,श्रीभगवान कटारा, रामेश्वर सैनी, मनोज पटेल,रेनू गौरावर,चंद्रकेश राजावत, दीनदयाल जाटव, राजेंद्र सारस्वत,निरंजन जघीना,मेघसिंह सरपंच,मुकेश जाटव, अशोक तांबी, प्रेम प्रजापत,दिगंबर खटाना, शहीद खान, अवधेश शर्मा,हंसराम गुर्जर, आदि मौजूद थे।

सार-समाचार

कंटेनर ने बोलेरो को टक्कर मारी, राहगीर व सवारी घायल

पावटा। भाबरू थाना इलाके के राष्ट्रीय राजमार्ग 48 स्थित ढाणी गैसकान के पास रविवार शाम 4 बजे एक चाय पीने के लिए खड़ी बोलेरो सवार लोगों की गाड़ी के पीछे से कंटेनर ने टक्कर मार दी। इससे बोलेरो टक्कर लगने के बाद बोलेरो नाले में जा घुसी। इस घटना में बोलेरा गाड़ी में बैठी सवारियां घायल हो गई। वही एक महिला ज्यों कि वहां सर्विस रोड पर खड़ी थी वो भी इस हादसे में घायल हो गई। घायलों को भाबरू थाना पुलिस ने एंबुलेंस के द्वारा उपजिला अस्पताल शाहपुरा में भर्ती करवाया। जहां बोलेरो चालक अनिल कुमार दूसरी सवारी विष्णु के कोई चोट नहीं आई व गाड़ी में बैठी तीन सवारी मनमोहन, अशोक व हेमराज के घायल होने पर तथा गायत्री देवी जो सर्विस रोड पर खड़ी थी उसके भी चोटे आई जिन में मनमोहन व गायत्री देवी को शाहपुरा अस्पताल से जयपुर रैफर कर दिया तथा अशोक व हेमराज को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। भाबरू थाना पुलिस से ग्यारसी लाल ने बताया कि बोलेरो गाड़ी मानेसर की तरफ जा रही थी। ढाणी गैसकान के पास रविवार शाम 4 बजे एक चाय पीने के लिए रुके इस दौरान तेज गति से आ रहे कंटेनर ने बोलेरो के पीछे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो नाले में घुस गई। कंटेनर चालक कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंचे भाबरू थाना पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। वही क्षितग्रस्त वाहनों को क्रेनों की सहायता से एकतरफा करवाकर यातायात सुचारु करवाया।

सफाई की व्यवस्था हुई नाकाम

पावटा। नगरपालिका क्षेत्र पावटा प्रागपुरा में 60 मिनिट की बरसात में सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा दो सप्ताह से अधिक सर्विस रोड और कस्बे के मुख्य बाजारों में नालों की सफाई कार्य किया गया था। लेकिन 60 मिनट की बरसात में सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। नगर पालिका द्वारा सफाई कार्य का अंदाज़ इस चीज से लगाया जा सकता है कि बरसात के बाद सुभाष चौक और पावटा के मुख्य कस्बे से गुजरने वाली सर्विस लाइन जलमग्न हो गई। जयपुर से आने वाली सवारियों को जल मग्न सर्विस रोड पर घुटनों तक भर पानी में आने की मजबूरी का सामना करना पड़ रहा है। कई लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने किए गए सफाई कार्य का परीक्षण करने की जरूरत नहीं उठाई। सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद जल भराव की परेशानी का सामना यात्री,आमजन और व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है। मानसून आने से पूर्व जिला कलेक्टर द्वारा सभी विभागों को मानसून पूर्व तैयारी के निर्देश दिए गए थे। लेकिन जल भराव की स्थिति से ऐसा लगता है कि कलेक्टर के आदेश सिर्फ मीटिंग तक ही सीमित रहे। सफाई व्यवस्था से संबंधित विभाग के अधिकारियों के लापरवाही आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। सर्विस लाइन पर इंजन तक मोटरसाइकिल पानी में डूबी रही तथा चौपाइयां वाहनों को भी जल भराव के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आपातकालीन स्थिति में जल भराव के कारण फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस व्यवस्था भी प्रभावित होने का अंदेशा बना रहता है।

प्रवेश की अंतिम तिथि आज

निवाई। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 11वीं मे प्रवेश के लिए रिक्त सीटों प्रवेश प्रक्रिया के लिए सोमवार तक आवेदन कर सकते है। प्रधानाचार्य कुंभाराम चौधरी ने बताया कि राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार जिला स्तर पर गठित प्रवेश समिति की ओर से नियमानुसार प्रवेश दिए जाएंगे। रिक्त सीटों पर पात्र आवेदकों से 23 जून तक आवेदन लिए जाएंगे। विज्ञान संकाय के अंतर्गत गणित एवं जीव विज्ञान विषय के इच्छुक विद्यार्थी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र कार्यालय प्रभारी निकलेश सेन से विद्यालय समय 7:30 से 11:30 के मध्य निःशुल्क प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान में कक्षा 10वीं उत्तीर्ण छात्रों को न्यूनतम 55 प्रतिशत व संबंधित विषय में 60 प्रतिशत तथा अन्य बोर्ड से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए 60 प्रतिशत व संबंधित विषय में 65 प्रतिशत अंकों की अनिवार्यता है। 26 जून को चयनित आवेदकों की सूची जारी की जाएगी तथा 30 जून तक चयनित आवेदकों से समस्त वांछित दस्तावेज प्राप्त कर प्रवेश दिया जाएगा। 1 जुलाई से कक्षा 11वीं में नियमित अध्ययन प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने बताया कि समस्त विद्यार्थियों को विद्यालय में निःशुल्क पाठ्य पुस्तके उपलब्ध कराई जाएगी। प्रवेश नीति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के प्रवेश के पश्चात रिक्त सीटों पर शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मान

मनोहरपुर । दा ब्राइट फ्यूचर फाउंडेशन के तत्वावधान में शनिवार को तोपचिवाड़ा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जामा मस्जिद सदर जमील खान चौहान रशीद अहमद एचएफएम,हाजी सईद अहमद, इस्माइल खान, हाजी गफ्फार खान,हाजी रज्जाक खान पडियार, हाजी शब्बीर अहमद, हाजी सरदार खान, हाजी सरदार खान पडियार,डॉ.शाहिद अहमद रहे। इस दौरान कार्यक्रम में आए हुए मेहमानों का इस्तकबाल किया गया। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए हाजी सईद अहमद ने कहा कि इल्म की शमा से ही मुस्तकबिल रोशनी होती है, लिहाजा अपनी ताकत को इस इल्म को हासिल करने में खर्च करें। इस दौरान जामा मस्जिद सदर जमील खान चौहान ने कहा कि मुस्लिम समाज अब शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ नहीं है, क्योंकि यह समाज भी शिक्षा व विकास के कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहा है। उन्होंने कहा कि दा ब्राइट फ्यूचर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में 38 प्रतिभाओं का सम्मान होना बड़े ही गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इतनी संख्या में बालक बालिकाओं का भी सम्मान होने से निश्चित रूप से लोगों में जागरुकता आई है। इस दौरान कक्षा 10 व 12 के विद्यार्थियों का भव्य सम्मान किया गया।कक्षा दसवीं और बाहरवी के 38 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया है। जिसमें बताया कि दसवीं के बीस और 12 वी के 18 विद्यार्थी हैं जिसमें 12वी के परिणाम में उच्च अंक प्राप्त करने वाले फैजान पुत्र फरीद खान ने 100 प्रतिशत व कक्षा दसवीं में अक्षरा पुत्री इब्राहिम खान ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने शहर का मान बढ़ाया है। उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को फाउंडेशन की ओर से प्रशंसा पत्र मोमेंटो व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

नाथ समाज की बैठक संपन्न

निवाई। गांव सीदडा में नाथ समाज की सामुहिक बैठक प्रकाशनाथ महाराज जाटावती सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में की गई। जिसमें नाथ समाज छात्रावास निवाई निर्माण, प्रतिभा सम्मान समारोह व रक्तदान शिविर का आयोजन करने सहित घुमंतू जाति प्रमाण पत्र को लेकर सामुहिक चर्चा की गई। छात्रावास निर्माण के स्वैच्छिक सहयोग राशी की घोषणा भी की गई। बैठक में सभी समाज बंधुओ व ग्रामवासियों ने छात्रावास निर्माण में सहयोग करने की सहमति जताई। बैठक में बद्रीनाथ दहलोद, निर्मलकुमार योगी, बाबूलाल योगी श्योसिंहपुरा, कालूराम योगी जामडोली, चिरंजीलाल योगी सिरोही, संजीव योगी सिरोही, सुरेश योगी सिरोही, कमल योगी गुड्डा आनंदपुरा, श्योजी नाथ, छीतर नाथ, सीताराम योगी, सूरजमल योगी, प्रहलाद नाथ, कैलाश नाथ व हरपाल नाथ सहित कई लोग शामिल थे।

छात्रावास निर्माण व सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

निवाई। रैगर महासभा आपके द्वार अभियान के तहत जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल के सानिध्य में समाज के लोगों को समाज में व्याप्त कुप्रथाओं को बंद करने के लिए जागरूक किया। जिला महामंत्री रामभज वर्मा बगड़ी ने बताया कि महासभा आपके द्वार अभियान को लेकर बहुउद्देशीय कार्यक्रम के तहत तृतीय चरण में तहसील के 28 गाँवों में सामाजिक कुरुतियों को बंद करने, समाज की जनगणना, नशाखोरी से दूर रहने, ग्रामवार इकाई का गठन करने एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए सामाजिक जागरूकता एवं एकता का सन्देश दिया गया। इस दौरान जिला महामंत्री रामभज वर्मा, जिला सचिव महेन्द्र बांसोटिया, शहर अध्यक्ष कालूराम माछलपुरिया, देहात अध्यक्ष प्रहलाद कुरडिया, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिराम परसोया, प्रमुख शिक्षाविद रामपाल बाँसोंटिया, छोटूलाल करावलिया व पूर्व तहसील अध्यक्ष किशन संवासिया सहित कई पदाधिकारियों द्वारा छात्रावास निर्माण व सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

उस दौर ने मुझे वास्तव में प्रेरित किया। मैं सुंदर चेन्नई में साथ खेलने के हमारे युवा दिनों से जानता हूं। इससे मुझे लगा कि मैं भी उनके जैसा ही रास्ता अपना सकता हूं। भगवान उनका भला करे।

– साई सुदर्शन

भारतीय बल्लेबाज, वाशिंगटन सुंदर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — आर्यना सबालेंका

बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पत्र लिखकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ पर की गई गैर पेशेवर टिप्पणियों के लिए मंगलवार को माफी मांग ली। गॉफ ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका को इस महीने की शुरुआत में फ्रेंच ओपन के फाइनल में 6-7 (5-7) 6-2 6-4 हराया था। मैच के बाद सबालेंका ने कहा था कि यह मेरा फाइनल मैच में सबसे खराब प्रदर्शन रहा और मेरी गलतियों के कारण गॉफ ने खिताब जीता। सबालेंका ने आज कहा कि उन्हें अपनी टिप्पणियों पर खेद है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

बुमराह ने अकेले निपटा दिया इंग्लैंड की आधा टीम को, कपिल देव की बराबरी की, इंग्लैंड आउट

नई दिल्ली, 22 जून। जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी की बदौलत टीम इंडिया ने इंग्लैंड को पहली पारी में 465 रन पर ऑलआउट हो गई। भारतीय टीम ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत के शतकों की बदौलत 471 रन बनाए थे। अब भारतीय टीम को 6 रन की मामूली बढ़त मिल गई है। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 83 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड के ऑलआउट होते ही अंपायर्स ने टी टाइम घोषित कर दी।

इंग्लैंड ने 100.4 ओवर की बल्लेबाजी में 465 रन बनाए। ओली पोप ने सबसे ज्यादा 16 रन तो हैरी ब्रूक ने 99 रनों की पारी खेली। भारत के लिए सिराज ने 2 और कृष्णा ने 3 विकेट हासिल किए। शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा को कोई सफलता नहीं मिली। इस पारी में बुमराह ने 5 विकेट लेकर कपिल देव के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। कपिल देव ने विदेशी सरजमीं पर 12 बार 5 विकेट हाल पूरा किया था। बुमराह ने भी अब तक 5 बार 5 विकेट हाल पूरा कर लिया। अनिल कुंबले तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं तो ईशान शर्मा 9 बार 5 विकेट हाल पूरा करके चौथे स्थान पर हैं।

अनिल कुंबले ने 10 बार 5 विकेट हाल पूरा किया था। जाहिर खान 8 और इरफान पठान 7 बार विदेशों में 5 विकेट हाल पूरा कर चुके हैं। पठान ने सिर्फ 15 मैच खेले थे तो बुमराह ने 34 मैचों में यह कारनामा किया है। कपिल देव ने 66 मैच खेले थे।

तीसरे दिन 206 रन पर 3 विकेटे से आगे खेलते हुए इंग्लैंड को ओली पोप के रूप में जल्दी झटका लगा। हालांकि वह 106 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद बेन स्टोक्स भी 20 रन बनाकर आउट हो गए। जेमी स्मिथ और हैरी ब्रूक ने भारतीय गेदबाजों की खूब खबर ली और इंग्लैंड की स्थिति मजबूत करने का काम किया। स्मिथ 40 रन बनाकर आउट हुए ते ब्रूक शतक से चूक गए और 99 के स्कोर पर प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार हुए। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने जोश टंग और क्रिस वॉक्स को आउट कर इंग्लैंड की पहली पारी पर विराम लगा दिया।

इंग्लैंड के लिए टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाला क्रिकेटर हो जाता है बुमराह के आगे बेबस

नई दिल्ली, 22 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ल में खेला जा रहा है। भारतीय टीम के धाकड़ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन हेडिंग्ल में उम्मीदों के मुताबिक है। इस मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज और इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले धाकड़ बल्लेबाज जो रूट के बीच 22 गज की पिच पर रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। हालांकि इस बार भी इंग्लैंड के इस 34 वर्षीय खिलाड़ी पर जसप्रीत बुमराह भारी पड़े। उन्होंने जो रूट को महज 28 रन पर पवेलियन भेजा और टीम की उम्मीदों पर खरे उतरे। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब जो रूट भारतीय स्पीड स्टार के आगे बेबस नजर आए हों। इससे पहले भी उन्होंने जो रूट के सामने मुश्किलें खड़ी की है। टेस्ट क्रिकेट में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और इंग्लैंड के धाकड़ क्रिकेटर जो रूट 25 इनिंग एक-दूसरे के सामने आए हैं। इन मुकाबलों में जो रूट ने जसप्रीत बुमराह की कुल 570 गेंदों का सामना किया और 29 की औसत से कुल 290 रन बनाए हैं।

कनाडा दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई

2026 टर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली 13वीं टीम, भारत-श्रीलंका में खेला जाएगा विश्वकप

नई दिल्ली, 22 जून। कनाडा ने भारत-श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। कनाडा दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, कनाडा ने अमेरिका क्वालिफायर में बहामास के खिलाफ जीत हासिल करके टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। टीम की यह लगातार पांचवीं जीत रही।

कनाडा ने रविवार को खेले गए मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए बहामास को 57 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कनाडा क्वालिफाई करने वाली 13वीं टीम बनी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। कनाडा अगले साल होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली 13वीं टीम बनी। मेजबान भारत और श्रीलंका के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान पहले ही पहुंच चुके हैं। इसमें 20 टीमें हिस्सा लेंगी, ऐसे में 7 टीमों की जगह खाली है।

2024 वर्ल्ड कप में आयरलैंड को हराया था इसके अलावा 2024 में कनाडा ने अमेरिका में अपने पहले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया था। इसमें उसने आयरलैंड के खिलाफ एक मैच जीता, लेकिन भारत के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द हो गया और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

छह भारतीय मुक्केबाज सेशेल्स नेशनल डे बॉक्सिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक के लिए करेंगे प्रतिस्पर्धा

माहे (सेशेल्स), 22 जून। सेशेल्स नेशनल डे बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2025 में भारत के छह मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। आज यहां माहे के पैराडाइज एरिना में खेले गये मुकाबलों में छह भारतीय मुक्केबाजों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। उत्तर प्रदेश के आदित्य प्रताप (65 किग्रा) ने स्थानीय जोवानी बौजिन पर तीसरे दौर में आरएससी जीत से प्रभावित किया। विजेता नीरज (75 किग्रा) ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर आरएससी दूसरे दौर में जीत दर्ज की। हरियाणा के हिमांशु शर्मा (50 किग्रा) ने मॉरीशस के मैथ्यू सूपरायन के खिलाफ अंकों के आधार पर 4:1 से आत्मविश्वासपूर्ण जीत हासिल की। 55 किग्रा के मुकाबले में मौजूदा राष्ट्रीय संयुक्त चैंपियन उत्तर प्रदेश के आशीष मुदशानिया ने मॉरीशस के ही गिलौम फ्रांसिस पर 4:1 से पराजित किया। हरियाणा के अनमोल (60 किग्रा) ने सेशेल्स के डारियो गेबरियल के खिलाफ 4:1 के अंतर निर्णय से जीत हासिल की। कार्तिक दलाल (70 किग्रा) ने एक करीबी मुकाबले में हिम्मत दिखाई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के ब्लेसिंग नज़ियाना से अंकों के आधार पर 1:4 से हार गए। स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले भारतीय दल में सर्विसेज के गौरव चौहान (90 प्लस किग्रा) वर्ग के अनुभवी हेवीवेट मुक्केबाज हैं।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड

जयपुर-श्रीगंगानगर फाइनल में पहुंचे, सुमित गोदारा का दोहरा शतक

जयपुर, 22 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के जयपुर में खेले जा रहे मल्टी डेज सेमीफाइनल मैच के अंतिम दिन श्रीगंगानगर व जयपुर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर मैच में जीत हासिल कर प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। सुमित गोदारा ने दोहरा शतक जमाया, अजय राज सिंह का शतक व दिव्य प्रताप सिंह हाडा, निक्की चौहान ने अर्धशतक लगाए। अजय सिंह कुकना, मानव सुथार, अशोक शर्मा, साहिल दीवान की शानदार गेंदबाजी रही।

राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता

जयपुर ने जोधपुर को 4-0 से पराजित किया

जयपुर, 22 जून। राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता के प्रथम दिन जयपुर ने अपने पहले मैच में जोधपुर को 4-0 से पराजित किया। जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि जयपुर टीम ने मैच के शुरुआत से ही आक्रामक रुक अपनाया रखा और जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता चला गया जयपुर टीम की पकड़ मैच पर बनती चली गई। 20वे मिनट में जयपुर को कॉर्नर मिला जिस पर जयपुर के डिफेंडर आरव फौजदार ने कॉर्नर किक से ही सीधा शानदार गोल किया। जवाब में जोधपुर की टीम ने भी कुछ जवाबी हमले करने की कोशिश की लेकिन जयपुर की मजबूत मध्य पंक्ति और ठोस रक्षा पंक्ति ने उन्हें गोल करने में सफल नहीं होने दिया। मध्यांतर तक मैच का स्कोर जयपुर के पक्ष में 1-0 से रहा। मध्यांतर के बाद जयपुर की टीम ने और भी आक्रामक रुख अपनाते हुए सधे तरीके से जोधपुर की टीम पर एक के बाद एक जोरदार हमले किए जिसके फलस्वरूप जयपुर को 35 में मिनट में पेनल्टी मिली जिस पर अतिवीर धोखा ने शानदार गोल कर टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद जयपुर की टीम ने शानदार मैदानी मूव बनाने शुरू किया और मैच के 40 मिनट में अक्शज सोनी ने और मैच के 53 मिनट में मानविक गई ने शानदार मैदानी गोल कर जोधपुर के हौसले पस्त कर दिए। अंततः जयपुर ने 4-0 से मैच अपने पक्ष में कर लिया। जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के सदस्य अब्दुल जब्बार, हितेश शर्मा, मनोज शर्मा, डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत और सेबी फिलिप्स ने जयपुर टीम को इस शानदार जीत पर बधाई दी है। कल जयपुर का मैच हनुमानगढ़ से होगा।

भारतीय टीम के कोच बनना चाहता हूं : गांगुली

पहले समय नहीं था अब तैयार हूं, राजनीति में नहीं जाएंगे

नई दिल्ली, 22 जून। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली टीम इंडिया का कोच बनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने को दिए इंटरव्यू में यह इच्छा जाहिर की। उन्होंने राजनीति में आने से साफ इनकार कर दिया। इसके अलावा पूर्व अध्यक्ष ने गौतम गंभीर की कोचिंग पर भी बात की। भारतीय टीम इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले ग्राउंड पर खेला जा रहा है। कोचिंग के सवाल पर गांगुली ने कहा- मैंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। मैं बंगाल क्रिकेट संघ का अध्यक्ष बना और फिर अध्यक्ष। मुझे कभी समय नहीं मिला, लेकिन देखते हैं फ्यूचर में क्या होता है। मैं अभी 50 साल का हूं और मौका मिलने पर भारतीय टीम का कोच बनने को तैयार हूं। देखते हैं भविष्य में क्या होता है।

शुक्ल ने अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का किया शुभारंभ

शिमला, 22 जून। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रविवार को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का शुभारंभ किया। 'नशा छोड़ो-खेल-खेलो' थीम पर आधारित इस चैम्पियनशिप का आयोजन हिमाचल प्रदेश प्रोफेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है। शुक्ल ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे राजा वीरभद्र सिंह की याद में इस चैम्पियनशिप का आयोजना करवाना उनके प्रति लोगों की सच्ची श्रद्धांजलि है। दूरदर्शिता और समर्पण भाव से परिपूर्ण उनका जीवन, प्रदेश के लोगों को पीढ़ी दर पीढ़ी प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वह हिमाचल के दूरदर्शी नेता होने के साथ-साथ राजनीति के दिग्गज थे जिन्होंने हिमाचल प्रदेश के समग्र विकास में अमूल्य योगदान दिया। राज्यपाल ने कहा कि चैम्पियनशिप में भारत और विदेश से एथलीटों की भागीदारी यह संदेश देती है कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है और यह वैश्विक सौहार्द और संवाद की भावना को बढ़ाते हैं। उन्होंने आ ान किया कि युवाओं को खेल गतिविधियों को जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए क्योंकि इससे शारीरिक मजबूती के साथ-साथ मानसिक शक्ति को भी हासिल किया जा सकता है। इससे पहले, राज्यपाल ने भारतीय और रूसी मुक्केबाजों के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखा। हिमाचल प्रदेश प्रोफेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहिंद्र स्टेन ने राज्यपाल का स्वागत किया और उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम आज मंगोलिया से भिड़ेगी

चियांग माई (थाईलैंड), 22 जून। भारतीय सीनियर महिला टीम सोमवार को ग्रुप बी मुकाबले में मंगोलिया की टीम के खिलाफ एएफसी एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। चियांग माई स्टेडियम की 700वीं वर्षगांठ पर 70वीं रैंकिंग वाली भारतीय महिला टीम 126 रैंकिंग पर काबिज मंगोलिया की टीम से मुकाबला करेगी। एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में भारतीय फुटबॉल की टीम का कार्यक्रम इस प्रकार है। भारतीय टीम 23 जून को मंगोलिया, 29 जून को तिमोर लेस्ते, दो जुलाई को इराक और पांच जुलाई को मेजबान थाईलैंड से मुकाबला करेगी। भारतीय टीम के सभी मुकाबले चियांग माई स्टेडियम खेलें जायेंगे। केवल ग्रुप विजेता ही मार्च 2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे। एएफसी महिला एशियाई कप 2026 फीफा महिला विश्व कप ब्राजील 2027 के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करेगा।

गोलकीपर: एलंगबाम पंथोई चानू, मोइरांगथेम मोनालिशा देवी और पायल बासुदे।

डिफेंडर: हेमाम शिल्की देवी, किरण पिस्दा, मार्टिना थोकचोम, नगंगबाम स्वीटी देवी, फंजौबाम निर्मला देवी, पूर्णिमा कुमारी, संजू और सोरोखैबम रंजना चानू।

मिडफील्डर: अंजू तमांग, ग्रेस डांगमेई, कार्तिका अंगमुथु, नोंगमैथेम रतनबाला देवी, प्रियदर्शिनी सेलादुरई और संगीता बासफोर।

फॉरवर्ड: लिंडा कोम सर्टो, मालविका पी, मनीषा कल्याण, प्यारी ज़ाक्सा, रिम्पा हलदर और सौम्या गुगुलोथ।

बहामास को हराकर कनाडा ने किया टी-20 विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली, 22 जून। बहामास को हराकर कनाडा टी-20 विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई करने वाली 13वीं टीम बन गई है। अमेरिका क्वालीफायर में शुक्रवार को खेले गये मुकाबले में कनाडा ने कलीम सना और शिवम शर्मा ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए बहामास की टीम को महज 57 रनों पर ढेर कर दिया था। कनाडा के लिए कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट लिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी कनाडा ने 5.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर आगामी टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। कनाडा की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर 36 रन की नाबाद पारी खेली थी। कनाडा के लिए दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर (नाबाद 36) रनों की पारी खेली। कनाडा ने यह कारनामा टूर्नामेंट में लगातार पांचवी दर्ज कर किया। यह दूसरी बार होगा जब कनाडा की टीम भारत में विश्वकप में खेलेगी। इससे पहले 2011 में एकदिवसीय विश्वकप के लिए कनाडा ने क्वालीफाई किया था। इस टूर्नामेंट में कनाडा छह लीग मैचों में से महज एक में जीत दर्ज कर पाई थी। कनाडा टी-20 विश्वकप क्वालीफाई करने वाली 13वीं टीम बन गई है।

विश्व ओलंपिक दिवस पर जयपुर जिला ओलंपिक संघ द्वारा ओलंपियनों का सम्मान

जयपुर, 22 जून। विश्व ओलंपिक दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर जिला ओलंपिक संघ द्वारा 23 जून को राजधानी के दो वरिष्ठ ओलंपियन – श्री रामसिंह एवं श्री गोपाल सैनी – का सम्मान किया जाएगा। यह आयोजन ओलंपिक मूल्यों को समाज में प्रोत्साहित करने और युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि विश्व ओलंपिक दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ओलंपिक आदर्शों – उत्कृष्टता, सम्मान और मित्रता – के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव, स्वास्थ्य जागरूकता और युवा निर्माण का सशक्त मंच हैं। हर वर्ष 23 जून को यह दिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना (सन् 1894) की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन विश्वभर में खेल आयोजनों, फिटनेस अभियानों, योग सत्रों और जन-सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से ओलंपिक भावना को जीवंत किया जाता है। इस वर्ष भारतीय ओलंपिक संघ 'चलो खेलें, स्वस्थ रहें' के संदेश के साथ एक राष्ट्रीय डिजिटल अभियान चला रहा है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को खेलों से जोड़ना है।

सम्मान के माध्यम से प्रेरणा की अलख : खंडेलवाल ने बताया कि जयपुर जिला ओलंपिक संघ का यह प्रयास न केवल हमारे गौरवशाली ओलंपिक खिलाड़ियों के योगदान को सम्मानित करता है, बल्कि इससे आने वाली पीढ़ियों को मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण की सीख भी मिलती है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक दिवस पर होने वाला यह आयोजन सामाजिक समरसता, भाईचारे और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

जयपुर में ओलंपिक मूल्यों का उत्सव : यह आयोजन जयपुर शहर के खेल प्रेमियों, कोचों, खिलाड़ियों और युवाओं के लिए एक प्रेरणादायी क्षण होगा, जिसमें ओलंपिक भावना – खेलो, जुड़ो और आगे बढ़ो – को आत्मसात करने का संदेश दिया जाएगा। चलो खेलें, स्वस्थ रहें – राष्ट्र निर्माण में खेलों की भूमिका को समझें और निभाएं।

टी-20 वर्ल्डकप 2026 के लिए 9 टीमों ने सीधे किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, 22 जून। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में आयोजित हुए टी20 वर्ल्डकप 2024 में पहली बार 20 टीमों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट सुपरहिट रहा और अब 2026 में भी 20 टीमों के साथ ही टूर्नामेंट खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए रविवार को कनाडा ने क्वालीफाई कर लिया और वह 13वीं टीम बन गई। इससे पहले 9 टीमों ने 2024 टी20 वर्ल्डकप में अपने प्रदर्शन के आधार पर क्वालीफाई कर लिया था। इसके अलावा आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग के माध्यम से 3 टीमों ने क्वालीफाई किया। दो टीमें मेजबान होने के नाते सीधी एंट्री पाने में सफल रही हैं।

अब तक भारत और श्रीलंका ने मेजबान होने के नाते सीधे क्वालीफाई किया है तो अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज ने 2024 में हुए टूर्नामेंट के सुपर 8 में पहुंचकर अगले संस्करण के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया था। न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और आयरलैंड को रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफिकेशन मिली है। श्रीलंकाई टीम भी पिछले संस्करण में सुपर 8 में नही पहुंच पाई थी लेकिन सह मेजबान होने के नाते वह भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा बन गई है। अगर श्रीलंका को मेजबानी नहीं मिलती तो उन्हें एशियाई क्वालीफिकेशन खेलना पड़ता। कनाडा ने अमेरिका रीजन क्वालीफिकेश में टॉप पर रहते हुए वर्ल्डकप 2026 के लिए क्वालीफाई किया है।

क्या है वर्ल्डकप 2026 का फॉर्मेट?

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 20 टीमों को 4 अगल अगल ग्रुप में बांटा जाएगा। प्रत्येक टीम में 5 टीमें होंगी और अपने ग्रुप में एक दूसरे से एक एक मैच खेलने के बाद कुल 4 मैचों के बाद जिन दो टीमों के ग्रुप में सबसे ज्यादा अंक होंगे, वे सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर 8 में भी दो ग्रुप बनाए जाएंगे और दोनों में 4-4 टीमें होंगी। इन दोनों ग्रुप में टीमें अपने ग्रुप मेंबर से एक एक मैच खेंलेगी और टॉप की दो-दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इस दौरान फाइनल तक कुल 55 मुकाबले खेले जाएंगे।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया 3-1 से हराया

बर्लिन, 22 जून। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को करारी शिकस्त दी। आज यहां ब्लाउ वीस स्टेडियम में चार देशों के टूर्नामेंट में अपने दूसरे मैच में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारतीय टीम की ओर से शारदानंद तिवारी ने (15वें), सौरभ आनंद कुशवाहा ने (36 वें) और आमिर अली ने (43वें) मिनट में गोल किए। जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए एकमात्र गोल ओलिवर विल ने (55वें) मिनट में किया। भारत ने मैच की शानदार शुरुआत की और 15वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल करके अपनी लय को बनाए रखा। भारत के लिए 36वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाहा ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को छकाते हुए महत्वपूर्ण मैदानी गोल करके अपनी बढ़त को और मजबूत किया। इसके कुछ ही देर बाद 43वें मिनट में आमिर अली ने विजेता टीम के लिए एक और मैदानी गोल कर भारत को जीत के और करीब पहुंचा दिया। मैच के अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने भी पांच मिनट शेष रहते ओलिवर विल के फील्ड गोल की बदौलत गोल करने में सफलता पाई। भारतीय टीम का अगला मैच 24 जून को इसी स्टेडियम में स्पेन से होगा।

हॉकी के मैदान से एक और बुरी खबर, महिला टीम को बेल्जियम ने फिर धोया

नई दिल्ली, 22 जून। एम्ब्रे बॉलेनघिएन (40) और लिएन हिलवार्ट (43) के गोलों की मदद से बेल्जियम ने रविवार को एंटवर्प में भारतीय महिला हॉकी टीम के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की। इस जीत ने सुनिश्चित किया कि बेल्जियम एफआईएच महिला प्रो लीग में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर मौजूद नीदरलैंड और अर्जेंटीना के बाद तीसरे स्थान पर बना हुआ है। शनिवार को 1-5 से हार के बाद, भारत ने क्वार्टर की शुरुआत पिछले हार की निराशा को दूर करने के स्पष्ट इरादे के साथ आक्रामक खेल दिखाते हुए की। उन्होंने अच्छी गति से जगह बनाने की कोशिश की। उन्होंने क्वार्टर की शुरुआत में एक पीसी भी जीता, लेकिन गोल नहीं कर पाए। इस बीच, पहले हूटर के लिए छह मिनट बचे थे, एक रक्षात्मक त्रुटि ने बेल्जियम को मैच का पहला पीसी दिलाया। मेजबान टीम के धीमे प्रयास के कारण अंपायर ने पेनल्टी स्ट्रोक दिया। लेकिन भारत द्वारा एक अच्छे वीडियो रेफरल से पता चला कि यह ज्योति की स्टिक थी, और वीडियो अंपायर ने इसे लॉन्ग कॉर्नर करार दिया। दूसरे क्वार्टर में भारतीय हमलावरों ने कुछ बहादुरी से बढ़त हासिल की, जो तेजी और जोश के साथ आगे बढ़े। कप्तान सलीमा टेटे ने खुद गोल पर कुछ शॉट लिए, लेकिन बेल्जियम की रक्षा फिर से मजबूत हो गई। हाफ-टाइम तक भारत के पास दो पीसी थे, जबकि बेल्जियम के पास एक था, और भारत के आठ के मुकाबले 10 सर्कल एंट्री थीं। हाफ-टाइम ब्रेक तक यह एक बराबरी का मैच था, जिसमें भारत उस जीत की तलाश में था। हालांकि तीसरे क्वार्टर में, वे अपनी

योजना खोते हुए दिखे। हालांकि भारत ने क्वार्टर की शुरुआत आशावादी तरीके से की, और उन्हें एक पीसी दिया गया। वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके, लेकिन बेल्जियम ने अगले मिनटों में एक पीसी जीतकर ऐसी कोई गलती नहीं की। एमड्रे बैलेंगियन ने बाएं से शॉट लिया, जिसे भारत की गोलकीपर सविता ने डिफ्लेक्ट कर दिया। लेकिन गेंद रिबाउंड हुई और पोस्ट में पूरी तरह से उछाली गई। मेजबान टीम के लिए यह 1-0 की बहुत जरूरी बढ़त थी। भारत ने तुरंत पीसी के साथ जवाब दिया, लेकिन बराबरी करने में विफल रहा। 1-0 की बढ़त पर सवार बेल्जियम ने पीसी के माध्यम से भारत के पोस्ट में एक और गेंद डाली। उन्होंने इसी तरह का वैरिएशन खेला, गेंद को बाईं ओर भेजा और लीन हिलेवार्ट सही तरीके से सही दिशा में डिफ्लेक्शन पाने के लिए पूरी तरह से तैयार थी, जबकि कोई भी भारतीय डिफेंडर उसके शॉट के लिए खतरा नहीं बन रहा था। पलक झपकते ही बेल्जियम 40वें और 43वें मिनट में गोल करके 2-0 से आगे हो गया।

आखिरी क्वार्टर में बढ़ा दबाव

इसने वास्तव में भारत को अंतिम क्वार्टर के लिए दबाव में ला दिया। पूरे सीजन में केवल दो जीत के साथ निर्वासन की ओर बढ़ते हुए, भारत के लिए काम आसान नहीं था। लेकिन चौथे क्वार्टर में भी कोई राहत नहीं मिली। दीपिका और ज्योति ने इस क्वार्टर में भारत को गोल दिलाने की कोशिश में मौके बनाए। लेकिन नेहा, सलीमा, नवनीत और रुतुजा के सही जगह पर होने और उस बेहद जरूरी गोल के लिए जोर लगाने के बावजूद वे गोलरहित रहे। भारत ने मैच में 22 बार सर्कल में प्रवेश किया, जो बेल्जियम के लगभग बराबर था, लेकिन रूपांतरण में उसे कोई किस्मत नहीं मिली। बेल्जियम ने आखिरी मिनट तक अपनी 2-0 की बढ़त को बनाए रखने में अच्छा प्रदर्शन किया और विजयी अंक हासिल किए तथा मौजूदा पूल स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर बना रहा।

वंदे गंगा ने राज्य में जल संरक्षण व संचयन में नये कीर्तिमान बनाये

मुख्यमंत्री भजनलाल के विशेष प्रयासों से अब तक 2.53 करोड़ लोगों ने अभियान में भाग लिया

जयपुर, 22 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान ने जल संरक्षण एवं संचयन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अपार जन सहयोग के साथ संचालित इस अभियान से प्रदेशभर में जल स्त्रोतों की दिशा और दशा में अभूतपूर्व सुधार आया है।

देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान में विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण जल की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती रही है। जल स्त्रोतों के संरक्षण और इनमें संचयन के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की पहल की। इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसे जन केन्द्रित रखा गया है ताकि इसका प्रभाव व्यापक हो। साथ ही, जल स्त्रोतों की पूजा-अर्चना को इस अभियान की एक प्रमुख गतिविधि बनाया ताकि आमजन में जल संस्कृति के प्रति झुकाव और जुड़ाव की अनुभूति हो।

अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने व्यक्तिशः प्रदेश के विभिन्न अंचलों में जाकर इसमें भागीदारी और सतत् निगरानी की। उन्होंने 9 जून को पुष्कर में ब्रह्म घाट पर तीर्थराज पुष्कर का पूजन किया और ब्यावर में जवाजा तालाब की पाल पर जलाभिषेक किया। इसके बाद

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

18 जून को मुख्यमंत्री ने राजसमंद में झील स्थित नौचौकी पाल पर झील आरती की। वे जालोर में सीलू घाट पर भी पहुंचे जहां उन्होंने मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना की। वहीं, 20 जून को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर में प्राचीन गडीसर झील का पूजन व गंगा आरती कर अभियान का विधिवत समापन किया।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से यह अभियान आंदोलन में परिवर्तित हुआ। 20 जून तक के आंकड़ों के अनुसार अभियान के अन्तर्गत 3 लाख 70 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित हुए हैं जिसमें 1.32 करोड़ महिलाओं सहित लगभग 2 करोड़ 53 लाख नागरिकों ने भाग लिया।

> ■ ''वंदे गंगा'' अभियान की योजना बनाते समय मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से इसे जन केन्द्रित रखने पर ध्यान दिया, ताकि पूरे प्रदेश में इसका व्यापक प्रभाव हो। इस उद्देश्य से जल स्त्रोंतो की पूजा-अर्चना को अभियान में एक प्रमुख गतिविधि बताया गया।

अभियान के दौरान 13 हजार 600 ग्राम सभाएं, 6 हजार 800 प्रभात फेरियां, 9 हजार 800 कलश यात्राएं, 6 हजार विभिन्न प्रकार की चौपालें आयोजित की गईं।

सामूहिक प्रयासों एवं पारस्परिक समन्वय से नदी-नालों, जल स्त्रोंतो की साफ-सफाई, जल संचयन संरचनाओं का निर्माण और बावड़ियों, तालाबों, कुंओं जैसे परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार व्यापक रूप से हुआ।

क्या ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि चीन और तुर्की जैसे देश तेहरान के साथ व्यापार जारी रखते हैं।

प्रतिबंधों के अलावा , ईरान को असंतुलित रखने के लिए, बिना युद्ध छेड़े अमेरिका साइबर सैबोटाज और खुफिया ऑपरेशनों का और अधिक सहारा ले सकता है। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका, सऊदी अरब और यूएई जैसे अपने सहयोगियों को संभावित ईरानी प्रतिशोध से बचाने के लिए अपनी नौसैनिक और वायु शक्ति बढ़ा सकता है। ईरान की ओर से, प्रतिक्रिया संभवतः संयमित लेकिन बहुआयामी हो सकती है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के हितों को निशाना बनाने के लिए, सीधे हमले करने के बजाय, ईरान शायद अपने व्यापक प्रॉक्सी नेटवर्क को सक्रिय करेगा, जैसे कि लेबनान में हिजबुल्ला, इराक और सीरिया में शिया मिलिशिया, और यमन में हूथी विद्रोही। तेहरान अपने साइबर हमलों को भी तेज कर सकता है, खाड़ी, इज़रायल, या यहां तक कि अमेरिकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर सकता है। एक और सक्रिय पहल के रूप में, ईरान अपने संवर्धन स्तर को और तेज कर सकता है, जिससे पश्चिम पर दबाव बनाया जा सके और अपनी संप्रभुता का प्रदर्शन किया जा सके। इसके अलावा, रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण, होरमुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज़) एक बार फिर तनाव का केंद्र बन सकता है, जहां ईरान वाणिज्यिक जहाजों को रोक सकता है या उन्हें परेशान कर सकता है, यह दर्शाने के लिए कि वह अब भी वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

62 आईएएस अधिकारियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- रवि जैन
  शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग
- रविकुमार सुरपुर
  अध्यक्ष, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
- आरूषि अजेय मलिक
  अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान राज्य भण्डारण निगम
- टीना सोनी
  संभागीय आयुक्त, भरतपुर
- विश्राम मीणा
  संभागीय आयुक्त, बीकानेर
- नेहा गिरि
  स्टेट मिशन निदेशक, आजीविका परियोजनाएँ एवं स्वयं सहायता समूह
- ओमप्रकाश बुनकर
  विशिष्ट शासन सचिव, गृह विभाग
- कन्हैया लाल स्वामी
  आयुक्त, टी.ए.डी. उदयपुर
- शक्ति सिंह राठौड़
  संभागीय आयुक्त, अजमेर
- हरि मोहन मीणा
  कार्यकारी निदेशक, राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज और इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (रूड़सीको) एवं परियोजना निदेशक, राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी)
- रूक्मणि रियार
  आयुक्त, पर्यटन विभाग
- हरजी लाल अटल
  मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट हैल्थ इंश्योरेंस एजेंसी
- नथमल डिडेल
  संयुक्त शासन सचिव, वित्त (कर) विभाग
- काना राम
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सवाईमाधोपुर
- रामावतार मीणा
  निदेशक, विभागीय जांच
- कल्पना अग्रवाल
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट टोंक
- पुखराज सेन
  प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान चिकित्सा सेवायें निगम लिमिटेड
- शुभम चौधरी
  संयुक्त शासन सचिव, वित्त (व्यय-II) विभाग
- भारती दीक्षित
  संयुक्त शासन सचिव, वित्त (व्यय-1) विभाग
- सुरेश कुमार ओला
  आयुक्त (विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय), निवेश संवर्धन ब्यूरो
- कमर उल जमान चौधरी
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर
- आशीष मोदी
  निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव एवं पंचायतीराज (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग)
- पीयुष समरिया
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, कोटा
- प्रियंका गोस्वामी
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, कोटपूतली-बहरोड़
- बालमुकुंद असावा
  संयुक्त शासन सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग
- हनुमान मल ढ़ाका
  निदेशक, विभागीय जांच
- बचनेश कुमार अग्रवाल
  अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान हथकर्घा विकास निगम
- वासुदेव मालावत
  निदेशक, आई.सी.डी.एस. एवं पंचायती राज (आई.सी.डी.एस.) विभाग
- खुशाल यादव
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, हनुमानगढ़
- सौरभ स्वामी
  संयुक्त शासन सचिव, ऊर्जा विभाग
- अरूण कुमार हसीजा
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, राजसमंद
- कमल राम मीणा
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, ब्यावर
- शरद मेहरा
  महानिरीक्षक, पंजीयन एवं मुद्रांक, राजस्थान, अजमेर
- अमित यादव
  मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं पदेन ट्रॉमा आयुक्त
- रविन्द्र गोस्वामी
  संयुक्त शासन सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं मिशन निदेशक, जल जीवन मिशन
- गौरव सैनी
  आयुक्त, नगर निगम, जयपुर ग्रेटर
- श्वेता चौहान
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, फलौदी
- सौम्या झा
  निदेशक, चिकित्सा (आई.ई.सी.) विभाग
- महेन्द्र खड़गावत
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, डीडवाना-कुमाचन
- अभिषेक खन्ना
  आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर
- रामप्रकाश
  मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद्-कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माड़ा), अजमेर
- निधि पटेल
  आयुक्त, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज, जयपुर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड़
- कनिष्क कटारिया
  आयुक्त, भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
- रिशव मंडल
  आयुक्त, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता
- धीरज कुमार सिंह
  संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (क-1) विभाग
- जूईकर प्रतीक चन्द्रशेखर
  निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)
- आशीष कुमार मिश्रा
  मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद्-कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माड़ा), जोधपुर

युद्ध आरंभ करना आसान है: पर उस पर नियंत्रण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकसित किया है। विशेषकर हालिया कश्मीर संघर्ष के बाद पाकिस्तानी हमलों से निपटने के लिए इज़रायल के विशेष ड्रोन भारत के लिए बहुत उपयोगी साबित हुए हैं।

वहीं, दूसरी ओर, भारत के ईरान के साथ पारंपरिक रूप से मैत्रीपूर्ण राजनयिक संबंध रहे हैं। भारत को तेल बेचकर ईरान ने भारत के तेल आयात बिल को काबू में रखने में भी मदद की है। इज़रायल का पाकिस्तान से कोई संबंध नहीं है, जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला, पाकिस्तान द्वारा गैर-जिम्मेदाराना रूप से दी जाने वाली परमाणु धमकियों को लेकर भी सवाल उठाता है।

अब क्या अमेरिका पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को भी निष्क्रिय करेगा। एक ऐसा देश, जिस पर कई अन्य देशों को परमाणु तकनीक देने का संदेह हैं और जिसने स्वयं पश्चिम से चोरी-छिपे यह तकनीक प्राप्त की थी? लेकिन, इसके ठीक विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को आमंत्रित किया, जिन्होंने पहलगाम घटना से पहले अत्यंत गैर-जिम्मेदार बयान दिए थे। पाकिस्तान ने अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है और कथित रूप से वो क्षेत्रीय शक्तियों को लामबंद कर रहा है ताकि अमेरिका के खिलाफ कूटनीतिक पहलों को गति दी जा सके। दशकों से पाकिस्तान ने अमेरिका के लिए कोई अच्छा कार्य नहीं किया है, बल्कि उसने अमेरिका के सबसे घातक दुश्मन को अपने सुरक्षित ठिकानों में शरण दी थी।

ईरान पर अमेरिका की विनाशकारी बमबारी ने पहले ही इस्लामी देशों में सहानुभूति की लहरें पैदा कर दी हैं। सऊदी अरब, जो इस्लामी देशों में अग्रणी भूमिका निभाता है, ने भी वर्षों तक ईरान के साथ मतभेद और टकराव के बावजूद, ईरान के लिए अपनी सहानुभूति व्यक्त की है। इस हमले ने इस्लामी देशों में एकजुटता पैदा कर दी है और वे फिर से संगठित हो रहे हैं। इस दिशा में एक पहल तुर्की ने की है, जिसने इस्लामी देशों के संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ.आई.सी.) की तत्काल बैठक बुलाने की मांग की है। इस्लामी देशों की एक साझा और संगठित स्थिति वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक नई ताकत को जन्म दे सकती है।

इसके अलावा, ये देश अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ भी महत्वपूर्ण रणनीतिक संबंध बनाने का प्रयास करेंगे। इस समय रूस और चीन, अमेरिका के वैश्विक वर्चस्व के खिलाफ एक वैकल्पिक समझ बनाने के लिए सबसे अधिक इच्छुक होंगे। चीन तो सबसे पहले इस अवसर का लाभ उठाकर अमेरिका को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास करेगा। ऐसी खबरें हैं कि ईरान के विदेश मंत्री रूस के साथ अगली रणनीति पर बातचीत के लिए मॉस्को की यात्रा पर निकल चुके हैं। आखिरकार, सैन्य तकनीक और सामरिक शक्ति के मामले में रूस ही अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी है।

वर्तमान स्थिति में ईरान के पास कोई विकल्प नहीं बचा है, उसे प्रतिक्रिया देनी ही होगी, चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति ने इससे भी बड़े बल प्रयोग की चेतावनी ही क्यों न दी हो।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908